E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -108 | प्रयागराज, शनिवार 05 जुलाई, 2025 | पृष्ठ-8 मूल्य : 3.00 रूपये

त्रिनिदाद में मोदी बोले- भारतीय प्रवासी दिलों में रामायण लाए,आपने अपनी मिट्टी छोड़ी, लेकिन संस्कार नहीं छोड़े

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार तड़के त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आपके पूर्वजों ने जो मुश्किलें झेलीं, वे सबसे मजबूत इरादों

को भी तोड़ सकती थीं। साथ ही, उन्होंने उम्मीद के साथ कठिनाइयों का सामना किया। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय की यात्रा को साहस की मिसाल बताया। पीएम ने कहा- वे (भारतीय प्रवासी) गंगा और यमुना को पीछे छोड़ आए, लेकिन अपने दिल में रामायण को साथ लाए। उनके योगदान ने इस देश को सांस्कृतिक, आर्थिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध किया है। वे अपनी मिट्टी छोड़ आए, लेकिन अपने संस्कार नहीं छोड़े। वे सिर्फ प्रवासी नहीं थे, बल्कि एक सभ्यता के दूत थे। पीएम मोदी ने ऐलान किया कि भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी को भी ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया कार्ड दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार तड़के त्रिनिदाद और टोबैगो की राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री कमला परसाद-बिसेसर और उनके 38 मंत्रियों और चार सांसदों ने एयरपोर्ट पर मोदी की अगवानी की।पीएम मोदी ने कहा- 25 साल पहले मैं यहां आया था। तब से अब तक

हमारी दोस्ती और मजबूत हुई है। बनारस, पटना, कोलकाता और दिल्ली भारत के शहर हैं, लेकिन यहां भी इनके नाम की सड़कें हैं। नवरात्रि, महाशिवरात्रि और जन्माष्टमी यहां खुशी, उत्साह और गर्व के साथ मनाए जाते हैं। चौताल और भटक गाना यहां फल-फूल रहे हैं। मैं यहां कई परिचित चेहरों की गर्मजोशी और युवा पीढ़ी की आंखों में उत्सुकता देखता हूं, जो एक साथ जानने और बढ़ने के लिए उत्साहित हैं। हमारे रिश्ते भौगोलिक सीमाओं से परे हैं।पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय की श्रीराम के लिए गहरी आस्था की तारीफ की। उन्होंने कहा- मुझे आपकी प्रभु श्रीराम में गहरी आस्था का पता है। यहां की रामलीला वाकई अनोखी है। मुझे यकीन है कि आप सभी ने 500 साल बाद अयोध्या में रामलला की वापसी का स्वागत किया होगा। आपने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए पवित्र जल और शिला भेजी थी। मैं भी उसी भक्ति के साथ कुछ लाया हूं। मेरे लिए यह सम्मान की बात है कि मैं राम मंदिर की प्रतिकृति और पवित्र सरयू नदी का जल लेकर आया हूं। पीएम मोदी ने इस साल हुए महाकुंभ का जिक्र करते हुए कहा, 'मैं महाकुंभ का पवित्र जल अपने साथ लाया हूं। मैं कमला जी से अपील करता हूं कि वे संगम और सरयू नदी के पवित्र जल को यहां की गंगा धारा में अर्पित करें। भारतीय प्रवासी हमारा गर्व हैं। आप में से प्रत्येक भारत के मूल्यों और विरासत का राजदूत है।' पीएम मोदी ने कहा- हम सिर्फ खून या सरनेम से नहीं, बल्कि अपनेपन की भावना से जुड़े हैं। भारत आपकी ओर देखता है और आपका स्वागत करता है। पीएम कमला जी के पूर्वज बिहार के बक्सर से थे। उन्होंने वहां का दौरा भी किया है। लोग उन्हें बिहार की बेटी मानते हैं। पीएम मोदी ने बिहार की विरासत की तारीफ की और कहा- बिहार की विरासत भारत और विश्व का गौरव है। बिहार ने सदियों से कई क्षेत्रों में दुनिया को रास्ता दिखाया है।पोर्ट ऑफ स्पेन के

इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भारतीय समुदाय के लोग भी मौजूद थे, जिन्होंने पारंपरिक डांस के जरिए पीएम मोदी का स्वागत किया। 1999 के बाद किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की यह त्रिनिदाद और टोबैगो की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर ने पीएम मोदी को न्योता दिया था। अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन में प्रधानमंत्री कमला के साथ-साथ राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कांगालू से भी मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि दोनों ही शीर्ष नेता भारतीय मूल की हैं।इस ऐतिहासिक यात्रा का मकसद भारत और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना है। पीएम मोदी की यह यात्रा एक और मायने में बेहद खास है। दरअसल, इस साल त्रिनिदाद एंड टोबैगो में भारतीय मजदूरों के पहली बार पहुंचने की 180वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। इस देश की करीब 40फीसदी आबादी भारतीय मूल की है, जिनके पूर्वज 19वीं सदी में वहां काम की तलाश में गए थे। प्रधानमंत्री मोदी 25 साल पहले भी त्रिनिदाद एंड टोबैगो गए थे। अगस्त 2000 में, भाजपा के तत्कालीन जनरल सेक्रेटरी के तौर पर मोदी ने त्रिनिदाद और टोबैगो में विश्व हिंदू सम्मेलन में एक हजार से ज्यादा लोगों के सामने भाषण दिया था। इस सम्मेलन में त्रिनिदाद एंड टोबैगो के तत्कालीन प्रधानमंत्री बासदेव पांडे, आरएसएस सरसंघचालक के. सुदर्शन, स्वामी चिदानंद सरस्वती और अशोक सिंघल जैसी बड़ी शख्सियत शामिल हुई थीं। यह सम्मेलन 1998

में नैरोबी में अखिल-अफ्रीका हिंदू सम्मेलन और 1995 में दक्षिण अफ्रीका में विश्व हिंदू सम्मेलन के बाद एक सीरीज के तहत आयोजित किया गया था। इसमें नई दिल्ली, न्यूयॉर्क, कैरिबियन, उत्तरी अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका सहित क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। वेस्ट इंडीज यूनिवर्सिटी के लर्निंग रिसोर्स सेंटर में, मोदी ने 'हिंदू धर्म और समकालीन विश्व मुद्दे - विकासशील प्रौद्योगिकी और मानव विश्व' पर भाषण दिया था।भारत से त्रिनिदाद की दूरी करीब 13,822 किलोमीटर है। यह कैरेबियाई देश कहलाता है। कैरेबियाई देश का मतलब उन देशों से होता है जो कैरिबियन सागर के आस-पास या उसके द्वीपों पर बसे हुए हैं। कैरेबियाई देशों को सामूहिक रूप से 'वेस्ट इंडीज' भी कहा जाता है। क्रिस्टोफर कोलंबस ने 1498 में अपने तीसरे समुद्री सफर के दौरान त्रिनिदाद की खोज की थी। कोलंबस ने ही इस द्वीप का नाम त्रिनिदाद रखा, जिसका मतलब 'त्रिमूर्ति' होता है। उन्होंने यह नाम ईसाई धर्म के प्रतीक चिन्ह 'ट्रिनिटी' पर रखा था। पहले इस द्वीप पर आदिवासी समुदाय रहते थे। कोलंबस के आने के बाद स्पेन ने 16वीं सदी में इस पर उपनिवेश स्थापित किया। ब्रिटेन ने 1797 में इसे अपने कब्जे में ले लिया और 1889 में टोबैगो को भी त्रिनिदाद के साथ मिला लिया। त्रिनिदाद एंड टोबैगो को साल 1962 में ब्रिटेन से आजादी मिली।भारत ने त्रिनिदाद एंड टोबैगो की स्वतंत्रता के बाद सबसे पहले राजनयिक संबंध स्थापित किए थे। दोनों देशों के संबंध 1845 में शुरू हुए थे। इस साल फातेल रज्जाक नाम का जहाज 225 भारतीय मजदूरों को लेकर त्रिनिदाद पहुंचा था। इनमें ज्यादातर मजदूर उत्तर प्रदेश और बिहार के थे, जो वहां काम करने गए थे। इन मजदूरों को 5 से 7 साल के कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने के लिए ले जाया गया था। इन मजदूरों के साथ हुए 'एग्रीमेंट' को बोलचाल की भाषा में 'गिरमिट' कहा जाने लगा। इस तरह एग्रीमेंट पर काम करने वाले मजदूरों को 'गिरमिटिया' कहा जाने लगा। भारतीय गिरमिटिया मजदूरों के वंशज आज भी त्रिनिदाद एंड टोबैगो में बसे हैं, जो देश की कुल 13 लाख आबादी का लगभग 40इ हिस्सा हैं। अभी वहां 5 लाख से ज्यादा भारतीय मूल के लोग हैं।साल 1834 में ब्रिटेन ने अफ्रीका में गुलाम प्रथा पर रोक लगा दी थी। ऐसे में यूरोपीय उपनिवेश वाले देशों में गन्ने के खेतों और दूसरे कामों के लिए मजदूरों की कमी होने लगी। इन मजदूरों की कमी पूरी करने के लिए भारत जैसे देशों से मजदूर लाए गए। भारत से मजदूरों की पहली खेप 1834 में मॉरीशस भेजी गई। इतिहासकारों के मुताबिक, 1834 से 1920 तक करीब 15 लाख भारतीय मजदूरों को गिरमिटिया बनाकर मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम (दक्षिण अमेरिका), गुयाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, जमैका जैसे देशों में भेजा गया। त्रिनिदाद एंड टोबैगो की राष्ट्रपति क्रिस्टीन कंगालू और प्रधानमंत्री कमला बिसेसर, दोनों इन्हीं गिरमिटिया मजदूरों की वंशज हैं। कमला के परदादा राम लखन मिश्रा बिहार के बक्सर जिले के थे। टोबैगो दक्षिण अमेरिकी तट के बेहद नजदीक है। साल 1498 में कोलंबस ने टोबैगो को देखा तो था, लेकिन काफी छोटा होने की वजह से इस पर कब्जा नहीं किया। लेकिन साल 1600 के बाद स्थिति बदल गई। इसकी लोकेशन की वजह से 16वीं से 19वीं सदी तक यूरोप के कई देश इस द्वीप पर कब्जा करने की कोशिश में जुट गए, ताकि यहां से कैरिबियन व्यापारिक रास्तों और आसपास की कॉलोनियों पर नजर रख सकें। सबसे पहले डच ने 1628 में टोबैगो पर कब्जे का दावा किया। फिर ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस, डच के अलावा कई यूरोपीय देश भी कब्जा जमाने की कोशिश करने लगे। 17वीं और 18वीं सदी के बीच 30 बार टोबैगो पर कब्जा हुआ। औसतन हर 5-10 साल में टोबैगो का शासक बदल जाता था। युद्धों और संधियों के जरिए यह द्वीप ब्रिटेन, डच और फ्रांस के बीच लगातार इधर-उधर होता रहा। इसलिए टोबैगो को 'कैरिबियन का फुटबॉल' कहा जाने लगा। 1814 में पेरिस की संधि के बाद टोबैगो को आधिकारिक तौर पर ब्रिटेन के अधीन मान लिया गया। इसके बाद यहां कब्जों का सिलसिला खत्म हुआ। हालांकि, इतने कब्जे और लड़ाइयों का टोबैगो की संस्कृति पर बहुत असर पड़ा। वहां फ्रेंच, डच, ब्रिटिश, स्पेनिश जैसी भाषाओं और परंपराओं के मिश्रण का प्रभाव आज भी दिखता है।

राज-उद्धव का साथ आना मजबूरी या बीजेपी का सीक्रेट प्लान,फडणवीस से मीटिंग के बाद राज का रुख बदला, क्या निशाने पर शिंदे की शिवसेना

नयी दिल्ली। 5 जुलाई मुंबई का वर्ली डोम में 'मराठी विजय दिवस' का मौका है, जब दो दशक की

सियासी दुश्मनी के बाद उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे एक ही मंच पर साथ होंगे। महाराष्ट्र सरकार को हिंदी अनिवार्यता के मुद्दे पर पीछे धकेलने के बाद ये विजय रैली निकाली जानी है। इसके लिए 'आवाज मराठी का' नाम से न्योता छपा है। इसमें न किसी पार्टी का झंडा है और न सिंबल। बालासाहेब ठाकरे की शैली में मराठियों को संबोधित किया गया है। न्योते में लिखा है- 'क्या आपने सरकार को झुकाया? हां, आपने झुकाया। हम तो सिर्फ आपकी तरफ से संघर्ष कर रहे थे। नाचते-गाते हुए आइए, हम आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।' अभी ये साफ नहीं है कि रैली के लिए पुलिस की परमिशन मिली है या नहीं। हालांकि, इसे लेकर कई अटकलें जरूर जोर पकड़ रही हैं। क्या ये सिर्फ एक दिन का जश्न है या बीएमसी समेत निकाय चुनावों के लिए नए गठबंधन की शुरुआत है, महाराष्ट्र में दोनों भाइयों के साथ आने से क्या एक नए सियासी समीकरण बनेंगे, साथ आने के पीछे असल वजह क्या है? हालांकि,एक्सपर्ट्स इसे बीजेपी का सीक्रेट प्लान बता रहे हैं। उनका मानना है कि सीएम देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात के बाद ही राज ठाकरे का सियासी रुख बदला है। बीजेपी मुंबई में एकनाथ शिंदे की शिवसेना के पैर जमने नहीं देना चाहती है।' अब पूरे महाराष्ट्र की निगाहें 5 जुलाई पर टिकी हैं। लिहाजा तमाम सवालों के जवाब तलाशते हुए हम मुंबई पहुंचे और हमने दोनों पार्टी के बड़े नेताओं और पॉलिटिकल एक्सपर्ट्स से बात करने की कोशिश की।सबसे पहले हमने शिवसेना उद्धव गुट की प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी से कॉन्टैक्ट किया, लेकिन उन्होंने कुछ भी बोलने से मना कर दिया। इसके बाद हमने पार्टी के दूसरे प्रवक्ता आनंद दुबे से संपर्क किया। उन्होंने भी व्यस्तता का हवाला देते हुए बात करने से मना कर दिया। मनसे के लीडर्स से भी हमें ऐसे ही जवाब मिले। कई नेताओं ने ऑफ कैमरा हमें बताया कि राज ठाकरे ने इस मुद्दे पर अभी कुछ भी बोलने से मना किया है। ये पहली बार नहीं है कि दोनों भाइयों के साथ आने की अटकलें जोर पकड़ रही हैं। 2005 में शिवसेना छोड़कर नई पार्टी बनाने के बाद भी उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे को कई पारिवारिक और सार्वजनिक मौकों पर साथ देखा गया। हर मुलाकात के वक्त दोनों के सियासी मिलन के कयास लगाए गए, लेकिन हर बार ये गलत साबित हुए।इस बार दोनों के साथ आने की अटकलें पहले से क्यों अलग हैं और इस बार ऐसा क्या बदला है? इस सवाल पर सीनियर जर्नलिस्ट जितेंद्र दीक्षित कहते हैं, 'इसका जवाब दोनों भाइयों के राजनीतिक अस्तित्व के संकट में छिपा है। इस अलगाव को 20 साल हो गए हैं। 2005 में राज ठाकरे शिवसेना से अलग हुए और अगले साल 2006 में अपनी पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बना ली।'2009 में पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ा, तो 13 सीटें जीतीं। विधानसभा की 288 सीटों में 13 जीत पाना कोई बड़ी बात नहीं मानी जा सकती, फिर भी ये आंकड़ा अहमियत रखता है।

रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता दी,ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश,तालिबान ने फैसले को बहादुरी भरा बताया

काबुल/मॉस्को। अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को रूस ने आधिकारिक मान्यता दे दी है। ऐसा करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। यह घोषणा गुरुवार

को काबुल में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान में रूस के राजदूत दिमित्री झिरनोव के बीच हुई बैठक के बाद की गई। तालिबान सरकार ने रूस के इस कदम को बहादुरी भरा फैसला बताया है। मुत्ताकी ने बैठक के बाद जारी एक वीडियो बयान में कहा- 'यह साहसी फैसला दूसरों के लिए एक मिसाल बनेगा। अब मान्यता की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, रूस सबसे आगे रहा।'तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने भी एएफपी को पुष्टि करते हुए कहा कि रूस पहला देश है जिसने इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता दी है।रूस के अफगानिस्तान मामलों के विशेष प्रतिनिधि जामिर काबुलोव ने रिया नोवोस्ती ने तालिबान सरकार को मान्यता देने की पुष्टि की। रूसी विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी कर कहा कि इस्लामिक अमीरात की सरकार को मान्यता देने से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा। चीन, पाकिस्तान और ईरान जैसे कई देशों ने अपने-अपने यहां तालिबान राजनयिकों को तैनात कर रखा है, लेकिन अभी तक किसी ने भी तालिबान शासन को आधिकारिक मान्यता नहीं दी थी।जब एक देश दूसरे देश को आधिकारिक मान्यता देता है, तो वह उसे एक स्वतंत्र राष्ट्र मानता है। यानी उस देश की अपनी सरकार है, अपनी सीमा है और वह दुनिया के दूसरे देशों से रिश्ते बना सकता है। यह मान्यता 1933 की मोंटेवीडियो संधि जैसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित होती है। इसके लिए चार शर्तें होती हैं, स्थायी आबादी, सीमा, सरकार और विदेशों से संबंध बनाने की क्षमता। मान्यता मिलने से किसी देश को वैधता, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में जगह और दूसरे देशों से व्यापार व रिश्ते बनाने का मौका मिलता है।तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। अमेरिका और भारत समेत अब तक किसी भी देश ने तालिबान को अफगानिस्तान की सरकार के तौर पर मान्यता नहीं दी है। अफगानिस्तान लगातार दुनिया से उसे मान्यता देने की मांग करता रहा है। तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने एक इंटरव्यू में कहा था कि सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है। इसके बावजूद अमेरिका के दबाव में आकर दूसरे देश हमें मान्यता नहीं दे रहे हैं।तालिबान की स्थापना 1994 में अफगानिस्तान के कंधार शहर में हुई थी। यह संगठन उन गुटों में शामिल था, जो 1989 में सोवियत सेना की वापसी के बाद अफगानिस्तान में सत्ता के लिए चल रहे गृहयुद्ध में शामिल थे। तालिबान के ज्यादातर सदस्य वही मुजाहिदीन थे, जिन्होंने अमेरिका की मदद से नौ साल तक सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध लड़ा और उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस सहयोग की वजह से तालिबान को शुरुआत में अमेरिका का समर्थन भी मिला।

अनुप्रिया पटेल ने पति के 'पर' कतरे!,राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पद से हटाया

लखनऊ। अपना दल (एस) की

राजनीति में इन दिनों भारी उथल-पुथल मची है। बागियों द्वारा हाल ही में बनाए गए 'अपना मोर्चा' के आरोपों के बाद गुरुवार देर रात पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बड़ा कदम उठाते हुए पति आशीष पटेल को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पद से हटा दिया। अनुप्रिया ने आशीष पटेल को हटाकर सिर्फ उन्हें उपाध्यक्ष नहीं बनाया, बल्कि एक और नाम जोड़कर संगठन में संतुलन साधने की कोशिश भी की है। जौनपुर के वरिष्ठ नेता माता बदल तिवारी को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति पूर्वांचल में पार्टी के परंपरागत ब्राह्मण वोट बैंक को साधने की रणनीति मानी जा रही है। अनुप्रिया पटेल के इस निर्णय को भले ही संगठनात्मक सुधार का नाम दिया जा रहा हो, लेकिन इसके सियासी मायने बहुत गहरे हैं। ***पूरी खबर पेज न. 2 पर..***

करछना- गांव में बढ़ी सुरक्षा,आरएएफ तैनात भीम आर्मी समर्थकों ने किया था पुलिस पर पथराव,550 के खिलाफ एफआईआर

प्रयागराज। करछना के ईसौटा गांव और भडेवरा चौराहे पर हुए बवाल, तोड़फोड़ और आगाजनी में शामिल

लोगों की गिरफ्तारी कर उन्हें जेल भेजने की प्रक्रिया अभी भी पुलिस कर रही है। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने टीम गठित की थी। टीम आरोपियों की गिरफ्तारी कर रही है। वही खीरी में एक युवक की मौत के बाद अफवाह फैलाए जाने के बाद पुलिस ने अफवाह फैलाने वालो की तलाश की जा रही है, साथ ही गांव और चौराहे पर कड़ी सुरक्षा की गई है।करछना में बवाल करने वाले उपद्रवियों में 54 नामजद और 550 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की गई थी। अन्य की तलाश लगातार की जा रही हैं।करछना में शनिवार को इसौटा में हुई घटना को लेकर भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आजाद चंद्रशेखर रावण दलित परिवार से मिलने पहुंचने वाले थे, लेकिन उन्हें प्रयागराज में ही पुलिस ने रोक दिया। जिससे इसौटा गांव में हजारों की संख्या में पहुंचे भीम आर्मी के समर्थकों ने भीम आर्मी के अध्यक्ष चंद्रशेखर रावण को आने को लेकर अड़े हुए थे। वहीं पुलिस परिजनों को ही शहर ले जाना चाहती थी। इस दौरान भीम आर्मी समर्थकों ने विरोध करते हुए भड़ेवरा बाजार हनुमानपुर मोरी के पास हंगामा करते हुए चक्का जाम कर दिया था। समर्थक उग्र हो उठे और पुलिस पर पथराव करने लगे थे। समर्थकों ने पुलिस की कई गाड़ियों को तोड़फोड़ दिया उनकी गाड़ियां पलट दी थी। घटना में भड़ेवरा बाजार की आम जनता भी घायल हुई। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि फिलहाल माहौल शांत है। लेकिन अफवाहों के चलते सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। साथ ही अफवाह फैलाने वालो की खिलाफ कार्रवाई का कड़ा निर्देश जारी किया गया है।

प्रयागराज के 47 गांवों में बाढ़ का खतरा, बघाड़ा वाले सांसत में,88 बाढ़ चौकियों किया गया अलर्ट

प्रयागराज। दूसरे राज्यों में हो रही तेज बारिश से प्रयागराज के

गंगा और यमुना का जलस्तर बढ़ रहा। 24 घंटे के रिकार्ड की बात की जाए तो प्रयागराज में फाफामऊ में 27 सेमी. की वृद्धि हुई और आज शुक्रवार सुबह 8 बजे तक यहां का जलस्तर 77.17 सेमी. रिकार्ड किया गया। जबकि झूंसी के आगे छतनाग में गंगा के जलस्तर की रफ्तार कम हुई। 3 सेमी. जलस्तर यहां पर कम हुआ है यानी सुबह 8 बजे जिक छतनाग में जलस्तर 74.86 मीटर दर्ज किया गया। गंगा में डेंजर लेवर 84.734 मीटर है। इसी तरह यमुना का जलस्तर 6 सेमी. घटा है। अभी यमुना का जलस्तर नैनी में 75.32 मीटर है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने बताया, कि जनपद में 88 बाढ़ चौकियां बनाई गई हैं। इसके अलावा 47 ऐसे गांवों को चिह्नित किया गया है जहां बाढ़ का खतरा ज्यादा है। इसके अलावा एनडीआरएफ़ व एसडीआरएफ़ की टीमें सक्रिय हैं।सभी एसडीएम व तहसीलदार अपनी-अपनी तहसीलों में जलस्तर की स्वयं निगरानी करेंगे। प्रभावित गांवों में प्रतिदिन बाढ़ अवधि तक निरीक्षण करेंगे तथा आख्या प्रतिदिन आपदा कार्यालय एवं वॉट्सऐप 7524921390 पर उपलब्ध कराते रहेंगे। अपनी-अपनी तहसीलों में विशेषकर जलभराव वाले क्षेत्रों का खुद निरीक्षण करेंगे और जल निकासी की उचित व्यवस्था कराएंगे। स्थापित बाढ़ शरणालयों में चिकित्सा विभाग, पशुपालन विभाग, राजस्व संबंधित व्यवस्था, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था आदि की ड्यूटी लगाकर अपने हस्ताक्षर से अवगत कराएंगे तथा यह सुनिश्चित करेंगे कि ड्यूटी पर कार्यरत अधिकारी व कर्मचारी अपने-अपने बाढ़ शरणालय में ड्यूटी कर रहे हैं या नहीं।

मोहर्रम पर प्रयागराज प्रशासन सख्त,ताजिए की ऊंचाई 10 फीट से ज्यादा नहीं, डीजे साउंड पर भी नियंत्रण

प्रयागराज। मोहर्रम का त्योहार इस वर्ष रविवार, 6 जुलाई को पूरे सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर प्रयागराज जिला प्रशासन और

पुलिस कमिश्नरेट ने अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। शहर भर में मोहर्रम के दौरान निकलने वाले जुलूसों को लेकर सुरक्षा, व्यवस्था और शांति सुनिश्चित करने के लिए कई स्तरों पर तैयारी की गई है। जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मांदड़ ने साफ निर्देश दिए हैं कि इस बार मोहर्रम में कोई नई परंपरा शुरू करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ताजियों की ऊंचाई 10 फीट से अधिक नहीं होगी, क्योंकि इससे कई बार दुर्घटनाएं होती हैं, विशेषकर जब ऊंचे ताजिए बिजली की तारों की चपेट में आ जाते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि 2022 में प्रयागराज में ऐसी ही एक घटना हुई थी, जिससे प्रशासन इस बार और अधिक सतर्क है।डीएम ने यह भी कहा कि डीजे साउंड सिस्टम के संचालन को लेकर भी कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। थानों और पुलिस सर्किल स्तर पर डीजे संचालकों के साथ बैठकें आयोजित की गई हैं, जिसमें उन्हें स्पष्ट किया गया है कि डीजे की ऊंचाई और साउंड तय सीमा में ही रखे जाएं। सभी आयोजकों को यह जिम्मेदारी दी गई है कि डीजे के कारण किसी भी प्रकार की जनहानि, असुविधा या सांप्रदायिक तनाव की स्थिति न बने।मोहर्रम को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए तहसीलों, थानों और पुलिस चौकियों पर शांति समितियों की बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन बैठकों में समाज के सभी वर्गों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है और उनसे सहयोग की अपील की गई है।

प्रयागराज में लाइट मेट्रो का कब पूरा होगा सपना,अभी तक जमीन पर नहीं हो सकी शुरूआत

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ के पहले ही लाइट मेट्रो की शुरूआत

होनी थी, लेकिन आज तक कुछ हो नहीं सका। प्रयागराज को अभी लाइट मेट्रो के लिए कितना इंतजार करना होगा। इसको लेकर अधिकारी भी असमंजस में हैं। जबकि लाइट मेट्रो के डीपीआर के लिए 2023 में ही बजट जारी हो चुका था। उसके बाद भी अभी तक उसकी शुरूआत नहीं हो सकी। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ से शहर में लाइट मेट्रो की शुरूआत करने के लिए राइट्स संस्था को जिम्मेदारी दी गई थी। संस्था की तरफ से सर्वे का कार्य पूरा किया जा चुका है। उम्मीद थी कि महाकुंभ तक इसके पहले चरण की शुरूआत की जाएगी, लेकिन अभी इसको बनाने की शुरूआत नहीं हो सकी है। हालांकि शहर के किन क्षेत्रों में लाइट मेट्रो का संचालन किया जाएगा, इस संबंध मे राइट्स की तरफ से सर्वे करके उसकी रिपोर्ट उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन को भेज दी गई थी। अप्रैल 2023 में भेजी गई रिपोर्ट के बाद से ही इसके शुरूआत का इंतजार चल रहा है। प्रयागराज में लाइट मेट्रो के संचालन के लिए पर्व में पीडीए की तरफ से दो मार्गों को चिन्हित किया गया था। इसकी दूरी 44 किलोमीटर थी। पहले फेज में झूंसी से बम्हरौली तक लाइट मेट्रो का संचालन कराने के लिए प्लान तैयार किया गया था। गौरतलब है कि 2017 से ही मेट्रो के संचालन को लेकर कवायद चल रही थी। इसके लिए डीपीआर भी तैयार हो गया था। सर्वे के दौरान शहर में ट्रैफिक कम होने के कारण मेट्रो के स्थान पर लाइट मेट्रो को चलाने की सहमति बनी थी। इसका प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। उसके बाद से ही इसके शुरूआत होने का इंतजार शहरियों को है।वर्ज़न- सचिव,प्रयागराज विकास प्राधिकरण इसके लिए सर्वे का कार्य पूरा हो चुका है। उम्मीद है कि जल्द ही इसमें आगे की प्रक्रिया शुरू हो पाएगी। 'अजीत कुमार सिंह'

डेढ़ करोड़ की जमीन के लिए सोते समय मारा:परिवार बोला- चकबंदी अधिकारियों की लापरवाही ने बढ़ाया विवाद, 4 लोगों पर एफआईआर

प्रयागराज।'प्रयागराज के मऊआइमा मे विजय बहादुर उर्फ मलखन की हत्या जमीन पर अवैध कब्जे मे विवाद मे हुई है। चकबंदी के सीओ एसओसी व एसीओ से

मिली भगत कर राजेश जमीन का नक्शा बढ़ावा कर कब्जा कर रहा था। जिसका विरोध करने पर उनकी हत्या कर दी गई।' ये बात मृतक विजय बहादुर का पोस्ट मार्टम करने आए अमित पटेल ने कही। विजय बहादुर अपने माअ राजकली व पिता स्व शिवनाथ का एकलौता बेटा था। परिवार के हिस्से मे अराजी संख्या 338 की जमीन 2 बीघे 17 बिस्वा आई थी। जिसमे विजय बहादुर और उसकी माँ राजकली के हिस्से मे 7-7 बिस्वा जमीन आई थी। 7 बिस्वा जमीन जो सड़क किनारे थी वह विजय बहादुर ने नाम थी। जिसकी मौजूदा कीमत डेढ़ करोड़ बताई जा रही है। आरोप है विजय बहादुर की सड़क किनारे वाली जमीन पर गाव के राकेश कुमार पुत्र हरिहर प्रसाद व उसके परिवार के अन्य लोगो की नज़र थी। चक अफजलपुर उर्फ पूरे लीला राजेतारा गाव चकबंदी मे है। जिसके चलते राजस्व कर्मियों ने जमीन का नक्शा राजेश के पक्ष मे बढ़ा कर कब्जा कराने की कोशिश की। जिसका विरोध मृतक ने एक दिन पहले जमीन की नाप के दौरान की थी। मृतक की पत्नी सुमन देवी ने जमीन के विवाद मे ही हत्या की आशंका जाता कर 4 लोगो के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस अब मामले मे केस दर्ज कर जांच कर रही है।साल 2003 मे स्व शिवनाथ की बीमारी से मौत हो गई। पिता की मौत के बाद अराजी संख्या 338 मे दर्ज भूमि करीब 2 बीघा 17 बिस्वा जमीन परिवार के विश्वनाथ, कालू राम, राम दुलार राज कली व विजय बहादुर के नाम वरासत मे आ गई। गाव चकबंदी मे आया और जमीनो की नए सिरे से पैमाइस व हदबंदी का काम शुरू हुआ। इस दौरान विजय की हिस्से मे आई 7 बिस्वा जमीन (जो सड़क किनारे थी) गाव के राकेश पुत्र हरिहर प्रसाद की जमीन के करीब आ गई। मृतक विजय बहादुर के जीजा अमित पटेल ने बताया, जमीन जब से राकेश पटेल के खेत के नजदीक आई थी उसी दिन से वह कब्जे मे लिए वह हर हथकंडा अपना रहा था। कमिश्नर की अदालत जमीन कब्जे का आदेश मिला, लेकिन लेखपाल, एसओसी, एसीओ, सीओ से गुहार लगा कर थक गए पर वह आदेश का पालन नहीं करा रहे थे।रिश्तेदार रमेश पटेल ने बताया, गांव में 2 दिन पहले चकबंदी के राजस्व कर्मी व लेखपाल जमीन की नाप करने आए थे। नाप करके वह विजय का रकबा कम कर आरोपी हरिहर प्रसाद का ज्यादा रकबा बांटने लगे। इसका विरोध मृतक विजय व परिवार के लोगो ने किया। इस दौरान राजस्व कर्मी हरिहर प्रसाद के पक्ष में मनमानी करने पर आमादा थे। विवाद राजस्व कर्मियों से हट कर हरिहर व उनके परिवार जन करने लगे। दोपहर किसी तरह झगड़ा शांत हो गया। इसके बाद रात नौ बजे पूरा आरोपी परिवार देर रात तक घर में एक जुट रहा। रात करीब 1 बजे मृतक विजय अपने घर के दरवाजे की झोपडी में खाट पर और उसकी पत्नी सुमन तख्त पर सोई थी।मृतक की पत्नी सुमन ने बताया, रात एक बजे के करीब उसे कोई आवाज सुनाई पड़ी उठकर आवाज की दिशा चली गई। अचानक गोली चलने की आवाज सुन कर पुलिस आई तो सारी बात उनसे बताई।स्थानीय लोगों के मुताबिक हत्या वाली जगह से पुलिस का डॉग हत्यारे की खोजबीन के लिए निकला लेकिन 500 मीटर दूर खेत में जाकर वह रास्ता भटक गया। ऐसे में लोगों इस बात की चर्चा करते रहे कि हो न हो हत्यारा गांव का ही है। जिसको पुलिस जल्द पकड़ लेगी।विजय बहादुर की हत्या के बाद हत्यारे खेत के रास्ते फरार हुए। यह बात सामने आने के बाद पुलिस अब रास्ते के एक घर में लगे सीसीटीवी को खंगाल रही है। पुलिस को यकीन है कि हत्यारे सीसीटीवी कैमरे के नजर से बचने में कामयाब नहीं हो सके होगे। पुलिस ने सीसीटीवी व उसके डीबीआर को कब्जे में लेकर जांच कर रही है। थाना मऊआइमा प्रभारी के मुताबिक, शव को पंचायतनामा के जरिए कब्जे में लिया गया। पोस्ट मार्टम कार्यवाही में विजय बहादुर की मौत गोली लगने से बताया गया है। गोली मृतक के सिर में लगी थी। पीड़ित महिला सुमन की तहरीर पर नामजद आरोपी सालिगराम पटेल पुत्र स्व बद्री प्रसाद, राम बाबू पटेल पुत्र लाल चन्द्र, राकेश पटेल, प्रशांत पटेल पुत्र हरिहर प्रसाद के खिलाफ 61(2)(ए) व 103(1) के तहत मुकद्दमा दर्ज कर जांच कराई जा रही है। हत्याकांड में कुछ संदिग्ध लोगों को पकड़ कर पूंछ तांछ की जा रही है। जल्द ही वारदात के पीछे की असल वजह का खुलासा किया जाएगा।

यूपी में बनेगा 'आउटसोर्स सेवा निगम':मुख्यमंत्री योगी का बड़ा फैसला श्रमिकों को मिलेगा समय पर वेतन, सामाजिक सुरक्षा और सम्मान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने 'उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम ' के गठन को हरी झंडी दे दी है। यह निगम न केवल कार्मिकों को समय पर वेतन और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि आउटसोर्सिंग एजेंसियों की मनमानी पर भी लगाम लगाएगा।मुख्यमंत्री ने गुरुवार को उच्चस्तरीय बैठक में निगम की कार्यप्रणाली और संरचना पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह कदम आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के श्रम, सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए उठाया गया है। वर्तमान व्यवस्था में वेतन में देरी, कटौती, ईपीएफ-ईएसआई लाभों से वंचित रहना और उत्पीड़न जैसी शिकायतें आम हैं। यूपीसीओएस इन समस्याओं का स्थायी समाधान लाएगा।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का वेतन हर माह की 5 तारीख तक उनके बैंक खातों में पहुंचे। साथ ही, ईपीएफ और ईएसआई की राशि समयबद्ध जमा हो और कर्मचारियों को सभी अनुमान्य लाभ मिलें। निगम एजेंसियों की निगरानी करेगा और नियम तोड़ने वालों को ब्लैक लिस्टिंग, दंड और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। निगम के तहत होने वाली नियुक्तियों में एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, महिलाओं, दिव्यांगजनों और पूर्व सैनिकों को आरक्षण का लाभ मिलेगा। परित्यक्ता और निराश्रित महिलाओं को भी प्राथमिकता दी जाएगी। वर्तमान कार्मिकों को उनके अनुभव के आधार पर चयन में वेटेज मिलेगा, ताकि उनकी सेवाएं बाधित न हों। प्रस्तावित निगम का गठन कंपनी एक्ट के तहत किया जाए। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक 'बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स' और एक महानिदेशक की नियुक्ति की जाएगी। मंडल व जिला स्तर पर भी समितियों का गठन किया जाएगा। एजेंसियों का चयन जेम पोर्टल के माध्यम से न्यूनतम तीन वर्षों के लिए किया जाएगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि वर्तमान कार्यरत कार्मिकों की सेवाएं बाधित न हों और चयन प्रक्रिया में उन्हें अनुभव के आधार पर वेटेज मिले। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नियमित पदों के लिए आउटसोर्सिंग का सहारा नहीं लिया जाएगा। साथ ही, कोई कर्मचारी तब तक सेवा से मुक्त नहीं होगा, जब तक सक्षम अधिकारी की संस्तुति न मिले। यह निगम प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने के साथ-साथ कर्मचारियों की गरिमा और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करेगा।

ईपीएफ और ईएसआई की राशि समयबद्ध जमा।निगम एजेंसियों की निगरानी करेगा और नियम तोड़ने वालों को ब्लैक लिस्टिंग, दंड और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा

डीएम की अध्यक्षता में मानचित्रों को स्वीकृत/निस्तारित करने हेतु समाधान दिवस/कैंप का आयोजन 10 जुलाई को

रायबरेली। आम जन मानस

को सुविधा प्रदान करने के दृष्टिगत शमन मानचित्र एवं ओ0बी0पी0ए0एस0 पोर्टल पर प्राप्त मानचित्रों को स्वीकृत/निस्तारित करने हेतु जिलाधिकारी/ उपाध्यक्ष रायबरेली विकास प्राधिकरण हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में 10 जुलाई 2025 को 10:30 बजे 01:30 बजे तक कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन में समाधान दिवस/कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें शमन मानचित्र एवं ओ0बी0पी0ए0एस0 पोर्टल पर ग्रुप्त मानचित्रों की स्वीकृति/ निस्तारण एक ही पटल पर किया जायेगा। इस सम्बन्ध में अपना आवेदन शमन मानचित्र प्राधिकरण कार्यालय व भवन मानचित्र ओ0बी0पी0ए0एस0 पोर्टल पर जमा कर सकते है। जन मानस से अपील है कि अपने भवनों का शमन/ ओ0बी0पी0ए0एस0 पोर्टल पर मानचित्रों की स्वीकृत्ति/निस्तारण कराने हेतु आयोजित समाधान दिवस कैम्प मे उपस्थित होकर निस्तारण करा सकते है।

एयरपोर्ट गेट के पास ट्रैक्टर ने बाइक को मारी टक्कर:16 साल के छात्र की मौत, दोस्त घायल; चालक के खिलाफ केस दर्ज

प्रयागराज। प्रयागराज के

एयरपोर्ट गेट के पास गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार 16 वर्षीय छात्र की मौत हो गई और उसका दोस्त घायल हो गया। नैनी के इंदलपुर डांडी निवासी राजीव पाल उर्फ साहिल हाईस्कूल का छात्र था। वह अपने दोस्त सौरभ को परीक्षा दिलाने गया था। परीक्षा केंद्र से लौटते समय एयरपोर्ट गेट के पास ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक पर पीछे बैठा साहिल और बाइक चला रहा उसका दोस्त सड़क पर गिर गए।पुलिस ने दोनों घायलों को एसआरएन अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने साहिल को मृत घोषित कर दिया। उसके दोस्त का अस्पताल में इलाज जारी है। थाना प्रभारी विनय सिंह के अनुसार, मृतक के पिता की शिकायत पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

प्रयागराज में युवती ने हथियारों संग बनाई रील,प्रशासन हमको फेमस कर रही- यदुवंशी शेरनी नाम की इंस्टाग्राम आईडी पर शेयर किया

प्रयागराज। सोशल मीडिया के इंस्टाग्राम चैनल पर एक युवती को रील बनाना भारी पड़

अवैध हथियारों के प्रदर्शन और आईपीसी की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। गया। रील में युवती कमर पर अवैध तमंचा लगाकर, पिस्टल और राइफल को लहराते हुए एक्शन करते दिखाई दे रही है। सभी रील दबंगई वाले गानों पर बनाई थी। रील के वायरल होने पर प्रयागराज पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। जिसके बाद युवती के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। वहीं एफआईआर दर्ज होने के बाद भी युवती ने दबंगई दिखते हुए इंस्ट्राग्राम पर पोस्ट किया। कैप्शन में लिखा- प्रशासन हमको फेमस कर रही है।यह सभी रील्स 'यदुवंशी शेरनी' नाम से बने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर की गई थीं। रील्स में युवती कभी कमर में तमंचा लगाए हुए, तो कभी बेड पर लेट हुए पिस्टल से चूमते हुए नजर आ रही है। एक अन्य वीडियो में वह राइफल के साथ दबंगई स्टाइल में पोज दे रही है। इन सभी वीडियो के बैकग्राउंड में दबंगई और धमकी भरे गाने भी बज रहे थे। यह रील्स सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुईं। तो कई यूजर्स ने इनका लिंक प्रयागराज पुलिस के एक्स (ट्विटर) हैंडल पर शेयर कर शिकायत दर्ज कराई। इस मामले का संज्ञान लेते हुए डीसीपी ने 17 जून को कैंट थाना प्रभारी को जांच के निर्देश दिए। जांच में वीडियो सही पाए जाने पर जार्जटाउन थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। युवती के खिलाफ वहीं मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद युवती ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सभी रील्स हटा दी हैं। लेकिन तब तक ये वीडियो वायरल हो चुके थे और पुलिस के पास उनकी कॉपी पहले से मौजूद है।युवती ने एफआईआर दर्ज होने के बाद अपने इंस्ट्राग्राम अकाउंट से हथियारों के साथ वाली रील्स तो हटा दीं। लेकिन युवती ने किसी चैनल पर लगी अपनी खबर को पोस्ट किया। जिसके कैप्शन में लिखा- प्रशासन हमको फेमस करने की कोशिश कर रही हैष्ठअब प्रयागराज पुलिस हथियारों की वैधता की जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि जो असलहे वीडियो में दिखाए गए हैं, वो किसके नाम पर हैं। वैध हैं या नहीं। यदि कोई हथियार लाइसेंसशुदा है, तो पुलिस उस लाइसेंस को निरस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर सकती है। एसीपी सिविल लाइंस अभिजीत कुमार ने बताया- सोशल मीडिया के माध्यम से एक वायरल वीडियो संज्ञान में आया। जिसमें एक महिला द्वारा शस्त्र प्रदर्शन किया जा रहा था। इस घटना पर तत्काल एक्शन लेते हुए थाना जॉर्जटाउन ने मुकदमा दर्ज किया गया है। रील्स बनाने के नाम पर हथियारों का ऐसा दुरुपयोग एक गंभीर अपराध है। ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

डीएम-एसपी द्वारा सावन माह के दृष्टिगत मंदिरों का किया गया निरीक्षण

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर व पुलिस

अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह ने आगामी सावन माह के दृष्टिगत बछरावां क्षेत्र में स्थापित भवरेश्वर मंदिर व श्री आस्तीक स्वामी मंदिर, लालूपुर खास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मन्दिर परिसर, घाट व श्रद्धालुओं के आवागमन मार्ग का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, पार्किंग, बैरीकेटिंग,प्रकाश की व्यवस्था और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करायी जायें, जिससे सावन माह में मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न न हो और वह सुगमता से पूजा अर्चना कर सकें। पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह ने पुलिस के अधिकारियों को निर्देश दिये कि सुरक्षा व सुगम यातायात के दृष्टिगत पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए, जिससे मन्दिर आने वाले श्रद्धालु सुगमता से आकर दर्शन कर सकें व उनके आवागमन में किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न न हों। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर प्रफुल्ल कुमार शर्मा, उपजिलाधिकारी महराजगंज सचिन यादव सहित सम्बान्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

ए.यु में प्रो. मुश्ताक़ अली बोले- शब्दकोश से दूर होता जा रहा आज का युवा,पांच दिवसीय बेसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रयागराज। मोबाइल के आने के बाद आज के युवा शब्दों के अर्थ

शब्दकोशों में नहीं बल्कि मोबाइल में ही खोजते हैं। ऐसे में शब्दों की उत्पत्ति और उनकी व्यंजना को समझने में युवा पीढ़ी असमर्थ होती जा रही है। हालांकि एक सच्चाई यह भी है कि शब्दकोश से ज्यादा सुलभ है। यह बात इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग की ओर से आयोजित पांच दिवसीय बेसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में गुरुवार को हिंदी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. मुश्ताक़ अली ने कही।प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्रो. अली ने कहा कि हिंदी भाषा सबको साथ लेकर चले वाली भाषा है। इसमें अंग्रेजी, पुर्तगाली, उर्दू सहित तमाम भाषाओं के शब्द सम्मिलित हैं। जिनको कार्यालयों में सहजता से स्वीकार किया गया है। कार्यालयी भाषा और साहित्यिक भाषा अलग- अलग होती है। साहित्यिक हिंदी का संबंध अनुभूतियों और संवेदनाओं से है। साहित्यिक हिंदी में सर्जनात्मकता और विचारपरकता होती है। कार्यालयी हिंदी की विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा कि इसमें तथ्यात्मकता और स्पष्टता होनी चाहिए। कार्यालयी हिंदी में प्रायः तत्सम शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाता है और यह आज्ञार्थक एवं सुझावपरक भी होती है।दूसरे सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय आईसीटी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. नीलेश आनंद ने समर्थ पोर्टल प्रबंधन एवं ई फाइलिंग और हिंदी विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि समर्थ पोर्टल के लिए हिंदी सहज स्वीकृत भाषा है। समर्थ पर हिंदी के प्रचलित फॉन्ट में आसानी से सूचनाएं अंकित की जा सकती हैं। डॉ. आनंद ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में समर्थ प्रबंधन और ई फाइलिंग से जुड़े विभिन्न पहलुओं को पीपीटी के माध्यम से स्पष्ट किया। समर्थ पोर्टल के बारे में उन्होंने बताया कि समर्थ आपकी डिजिटल सर्विस बुक है। ये डिजिटल इंडिया का एक भाग है। जो भी डिजिटल होगा पेपरलेस होगा इससे लगत बचेगी, पारदर्शिता आयेगी, संचिकाओं की गति बढ़ेगी, बेहतर नागरिक जुडाव होगा और कागजी फाइलों के बोझ से मुक्ति मिलेगी और कागज़ के लिए पेड़ कम कटेंगे। संयोजक प्रो. कुमार वीरेंद्र ने संबंधित विषय पर अपनी बात रखी। हिंदी अधिकारी प्रवीण श्रीवास्तव एवं हिंदी अनुवादक हरिओम कुमार ने स्मृति चिह्न एवं किताबें भेंट कर अतिथियों का अभिनंदन किया। धन्यवाद ज्ञापन अंजली मिश्रा और धर्मेश कुमार ने किया।

एमएनएनआईटी छात्र ने फिर जांच समिति से मांगे जवाब,कहा- जांच समिति ने मेरा बयान दर्ज नहीं किया, कैसे पूरी हो गई जांच

प्रयागराज। एमएनएनआईटी यानी मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के एमटेक छात्र कुलदीप श्रीवास्तव संस्थान की

कार्यप्रणाली को लेकर लगातार सवाल उठा रहा है। उसने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत मिले अधिकारों का प्रयोग करते हुए संस्थान से कई सवाल किए हैं। 3 जुलाई को कुलदीप ने फिर से आरटीआई लगातार कई सवाल पूछे हैं। उसने सीधे जांच कमेटी पर सवाल उठाए हैं। कुलदीप ने कहा, मेरे प्रकरण से संबंधित पूर्ण जांच समिति की रिपोर्ट की प्रमाणित प्रति, सभी सहायक दस्तावेज, गवाहों के बयान, तथा संबंधित तिथि के सीसीटीवी फुटेज (विशेषकर ईसीईडी विभागाध्यक्ष कक्ष एवं आस-पास के क्षेत्र) की प्रति मांगी है। साथ ही, अपने मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में जो भी टिप्पणियां की गईं, उनके समर्थन में आधारभूत साक्ष्य या मेडिकल रिपोर्ट भी मांगी गई है। यदि कोई कार्रवाई संबंधित अधिकारियों के खिलाफ की गई है, तो उसके विवरण एवं समिति की बैठक के मिनट्स एवं सदस्यों की व्यक्तिगत टिप्पणियां भी मांगी गई हैं। छात्र ने निदेशक, रजिस्ट्रार, विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारियों द्वारा दिए गए सभी आधिकारिक बयान, प्रेस विज्ञप्तियां, तथा उनके समर्थन में उपयोग किए गए सभी दस्तावेजों की प्रति मांगी है।दरअसल, पिछले दिनों वाराणसी के रहने वाले कुलदीप ने एमएनएनआईटी को लेकर आरटीआई के जरिए कई सवाल किए थे। इसके बाद से उसे संस्थान की तरफ से दबाव दिया जा रहा था कि आवेदन को वापस ले ले। इसी दौरान उसने यह भी आरोप लगाए कि एचओडी व अन्य लोगों ने अपने कक्ष में बुलाकर मेरे कपड़े उतरवाए थे और रिवाल्वर भी चला दिए थे। इसके बाद मामला तूल पकड़ा था। निदेशक को भेजी गई शिकायत में उसने यह सब जानकारी दी और कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद तीन सदस्यीय जांच कमेटी भी गठित कर खानापूर्ति कर ली गई। अब एक और आरटीआई लगाने के बाद मामला और आगे बढ़ता दिख रहा है। कुलदीप ने कहा, हम शिकायककर्ता हैं और जांच समिति ने हमारा ही बयान नहीं लिया है।एमटेक छात्र कुलदीप ने कहा है कि ईसीईडी (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग) के विभागाध्यक्ष प्रो. वीएस. त्रिपाठी वर्तमान में न्यूयॉर्क, अमेरिका गए हैं। आरटीआई के माध्यम से यह जानने का अनुरोध किया है कि क्या उनका यह दौरा आधिकारिक रूप से स्वीकृत है? इस यात्रा का उद्देश्य क्या है, इसकी अवधि कितनी है, किसके द्वारा स्वीकृति दी गई है, तथा उनके अनुपस्थिति में विभागीय कार्यभार कौन संभाल रहा है? साथ ही, यात्रा का व्यय संस्थान अथवा सार्वजनिक निधि से किया गया है या नहीं, इसका भी स्पष्ट विवरण मांगा गया है। प्रत्येक छात्रों के अधिकारों के लिए उठा रहा हूं आवाज कुलदीप ने कहा, 'एक छात्र होने के नाते मेरा उद्देश्य किसी को बदनाम करना नहीं है। मेरा लक्ष्य केवल सत्य को सामने लाना, प्रक्रियाओं में पारदर्शिता लाना, तथा संस्थागत जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यह पहल सभी विद्यार्थियों के अधिकारों की रक्षा एवं भावी पीढ़ियों के हित में है।'एमटेक (संचार प्रणाली) के छात्र कुलदीप श्रीवास्तव मूलतः वाराणसी जनपद के रहने वाले हैं। उन्होंने अपने एक्स. पर भी पोस्ट करके न्याय की गुहार लगाई है। लिखा, 24 जून को सुबह 10.26 बजे मुझे लैब अटेंडेंट अजय शर्मा और फिर ईसीईडी के विभागाध्यक्ष का कॉल आया। मुझे कार्यालय आकर रिपोर्ट करने के लिए कहा गया। जब मैं विभागाध्यक्ष के केबिन में प्रवेश किया तो कई लोग मौजूद थे। बिना मेरी सहमति के मेरे बैग की तलाशी ली गई और रिकार्डिंग डिवाइस रखने के संदेह पर मेरे सारे कपड़े उतरवा दिए गए। इतना ही नहीं, एचओडी ने मेरी कनपटी पर साइलेंसर लगी रिवाल्वर भी लगा दी। भागने का प्रयास किया तो गोली चला दी। डॉ. धर्मेंद्र दीक्षित व प्रो. बसंत कुमार ने बीच बचाव कर लिया और केबिन खोलने में सफल रहा। मुझे प्रो. बसंत कुमार के केबिन में ले जाया गया ताकि मैं ठीक हो जाऊं। इसके पहले 23 जून को भी मुझे एचओडी के कमरे में बुलाकर आरटीआई वापस लेने के लिए दबाव बनाया गया था। धमकी दी गई कि यदि आरटीआई वापस नहीं लेते हो तो कारण बताओ नोटिस जारी की जाएगी और बर्खास्तगी की जाएगी।

जगमोहनेश्वर धाम में दर्शन के बाद भोले के जयकारे लगाते भक्त

रायबरेली।अमरनाथ यात्रियों ॐ शिव शक्ति सेवा

मड़ल का पहला जत्था शहर की बीचोबीच स्थित जग मोहनेश्वर से बालटाल के लिए रवाना हुआ। अमरनाथ जा रहे श्रद्धालुओं में इस यात्रा को लेकर जोश काफी हाई है। गुरुवार (3 जुलाई) से अमरनाथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत हो गई है और आखिर आज वह पल आ ही गया जब देश भर के भगवान भोलेनाथ के श्रद्धालु उनके पवित्र शिवलिंग के दर्शन कर सकेंगे। पहलगाम हमले के बावजूद इस बार अमरनाथ यात्रियों में इस यात्रा को लेकर जोश काफी हाई देखने को मिल रहा है रायबरेली से अमरनाथ के लिए रवाना हुए इन श्रद्धालुओं का दावा है कि उन्हें भारतीय सेना और सुरक्षा बलों पर पूरा भरोसा है और इसी भरोसे के चलते वह यह यात्रा कर रहे हैं। श्रद्धालुओं का दावा है कि उन्हें भगवान भोलेनाथ पर पूरा भरोसा है और अगर भगवान भोलेनाथ ने उन्हें यात्रा के लिए बुलाया है तो वहीं भगवान उनकी रक्षा करेंगे. बम बम भोले के जयकारे लगाते हुए श्रद्धालु यह भी दावा कर रहे हैं कि इस यात्रा के माध्यम से वे आतंक को जवाब देना चाहते हैं और भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने के लिए जा रहे हैं. श्रद्धालु यह बात भी कह रहे हैं कि इस बार आस्था आतंक पर भारी है। वही समाजसेवी सिद्धार्थ चौधरी ने सभी श्रद्धालुओं को अंगवस्त्र देकर सभी की यात्रा मंगलमय की शुभकामनाएं देकर विदाई दी। ॐ शिव शक्ति सेवा मंडल संगठन द्वारा बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं में राजेंद्र, पप्पू, राज चौधरी, रितु त्रिवेदी केशवानंद शुक्ला, राहुल मिश्रा, दिलीप चौधरी, आलोक सिंह, शैलेन्द्र तिवारी, शिवम त्रिवेदी, पप्पू सिंह, छोटेलाल, राजेंद्र यादव रहे मौजूद।

अनुप्रिया पटेल ने पति के 'पर' कतरे!,राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पद से हटाया

ये पार्टी के अंदर चल रहे संघर्ष का भी परिणाम बताया जा रहा है। पार्टी को छोड़कर जा रहे नेताओं को रोकने की एक रणनीति भी बताई जा रही है। अनुप्रिया पटेल की मंजूरी के बाद पार्टी के राष्ट्रीय सचिव (मुख्यालय) पटेल के अलावा माता बदल तिवारी को भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि केके पटेल को राष्ट्रीय महासचिव, राकेश यादव, अल्का पटेल और पप्पू माली को राष्ट्रीय सचिव बनाया गया है। वहीं, डॉ. अमित पटेल और रेखा वर्मा को भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य नामित किया गया है। लेकिन सबसे अधिक चर्चा आशीष पटेल के घटाए गए कद की हो रही है।आशीष पटेल 2018 में जब विधान परिषद सदस्य बने, तो पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। 2017 के विधानसभा चुनाव में अपना दल में राजनीतिक द्वंद्व चल रहा था। तब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जवाहर लाल पटेल थे। उस समय आशीष पटेल नौकरी में थे। बाद में नौकरी छोड़कर वे भी राजनीति में सक्रिय हुए। चित्रकूट के रहने वाले आशीष पटेल वर्तमान में यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री है। इसके अलावा वे अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के पति भी हैं। ऐसे में उनका कद घटाया जाना राजनीतिक चर्चा का विषय बन चुका है। कभी पार्टी में नंबर दो की हैसियत रखने वाले आशीष पटेल अब नंबर तीन की पोजिशन पर भेज दिए गए हैं। नई राष्ट्रीय टीम की सूची में उनका नाम दूसरे उपाध्यक्ष माता बदल तिवारी के बाद रखा गया है। जौनपुर के रहने वाले माता बदल तिवारी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं। वाराणसी की रेखा वर्मा को कार्यकारिणी सदस्य और मेरठ की अल्का पटेल को राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सियासी हलकों में अनुप्रिया के इस फैसले के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह फैसला उन्होंने पार्टी की अंदरूनी असंतोष को शांत करने के लिए लिया है? क्योंकि महज दो दिन पहले ही हेमंत चौधरी और ब्रजेंद्र प्रताप सिंह जैसे पुराने नेताओं ने 'अपना मोर्चा' बना लिया है। इस मोर्चा का आरोप था कि अपना दल (एस) को छोड़ दें, तो देश में कोई दूसरी ऐसी पार्टी नहीं, जिसमें पत्नी राष्ट्रीय अध्यक्ष और पति कार्यकारी अध्यक्ष हो।' पार्टी संविधान के अनुसार भी राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तब बनाया जाता है, जब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष न चुना गया हो। राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुने जाने के बाद ही ये पद स्वतः समाप्त माना जाता है, लेकिन आशीष पटेल इस पर लंबे समय तक बने रहे और पार्टी में अपनी हैसियत नंबर दो का रखा।आशीष पटेल 2018 में जब एमएलसी के प्रत्याशी थे,

तो उन्होंने अपना नामांकन राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए किया था। 2017 में यूपी विधानसभा में जब चुनाव हुए, तब अपना दल के भीतर द्वंद्व चल रहा था। बाद में अपना दल (एस) बना और जवाहरलाल पटेल इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए गए। उस समय आशीष पटेल तब नौकरी में थे। बाद में नौकरी छोड़कर वे सियासत में सक्रिय हुए और सीधे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए। जब अनुप्रिया पटेल राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गईं तो वे कार्यकारी अध्यक्ष बन गए। पति-पत्नी के महत्वपूर्ण पदों पर काबिज होने और दोनों के मंत्री होने के चलते कार्यकर्ताओं में साफ संदेश था कि यहां भी परिवारवाद ही चल रहा है। आशीष पटेल की जैसे-जैसे सक्रियता बढ़ती गई, पार्टी में असंतोष भी गहराता गया। अपना दल (एस) के वफादार और पुराने नेता एक-एक कर पार्टी छोड़ते गए। जिस मीरजापुर से अनुप्रिया पटेल ने 2014 और 2019 में बड़ी जीत दर्ज की थी। वहां से 2024 में जीत दर्ज करने में पसीने छूट गए। बड़ी मुश्किल से वह अपनी सीट बचा पाई थीं। अपना दल (एस) ने नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा लोकसभा चुनाव और मिशन 2027 की रणनीति को मजबूती देने के लिए की है। लेकिन जिस तरह सबसे बड़ा चेहरा आशीष पटेल के पर कतरे गए, उससे यह स्पष्ट है कि यह महज संगठनात्मक बदलाव नहीं, डैमेज कंट्रोल भी है। अपना दल (एस) में लंबे समय से यह चर्चा थी कि संगठन पर एक परिवार का शिकंजा है। बागी विधायकों ने भी सीधे तौर पर आरोप लगाए थे कि पार्टी में लोकतंत्र खत्म हो चुका है। ऐसे में अनुप्रिया का यह कदम पार्टी के भीतर 'लोकतांत्रिक संतुलन' की वापसी के तौर पर देखा जा रहा है। लेकिन सवाल है कि क्या यह दिखावटी सुधार है या वाकई पार्टी के अंदर बयार बदल रही है? आशीष पटेल एक तरफ लगातार बोल रहे हैं कि उनकी पार्टी को समाप्त करने के लिए 1700 करोड़ खर्च किया जा रहा है। कभी कहते हैं कि एसटीएफ उनके पीछे पड़ी है। कभी कहते हैं कि सूचना विभाग पीछे पड़ा है। उनकी पत्नी अनुप्रिया की बहन पल्लवी पटेल तक उन पर भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगा चुकी हैं। कुर्मी समाज में ये भी संदेश गया कि उन्हें पति-पत्नी मिलकर सिर्फ वोट बैंक के तौर पर छल रहे हैं। आशीष पटेल योगी सरकार में तो अनुप्रिया खुद मोदी सरकार में मंत्री बनकर बैठे हैं। जबकि दूसरे कार्यकर्ता सिर्फ पार्टी का झंडा ढोने के लिए हैं। अनुप्रिया पटेल ने पति का कद घटा कर एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश की है। एक तो पति की महत्वाकांक्षा पर अंकुश लगाया है। दूसरा पार्टी को बिखरने से रोकने की कोशिश की है। संगठन में ब्राह्मण सहित अन्य चेहरे को शामिल कर सामाजिक संतुलन भी साधने की कोशिश की है।अपना दल (एस) की ओर से इस सूची पर कहा गया है कि आगामी विधानसभा और अगले लोकसभा चुनावों की तैयारियों को धार देने के लिए संगठन स्तर पर बड़ा बदलाव किया गया है। पार्टी के दो राष्ट्रीय उपाध्यक्षों में एक पटेल तो दूसरा ब्राह्मण चेहरे को रखा गया है। इसी तरह लखनऊ के केके पटेल को राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। मेरठ की अलका पटेल सहित राजेश यादव व पप्पू माली के रूप में तीन राष्ट्रीय सचिव बनाए गए हैं। यहां भी ओबीसी समाज से आने वाले पटेल, यादव और माली समाज को जगह देकर जातिगत संतुलन साधने की कोशिश की गई है। पार्टी का लक्ष्य उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में अपना जनाधार और प्रभाव दोनों को बढ़ाना है। नई टीम से उम्मीद की जा रही है कि यह पार्टी के सांगठनिक ढांचे को जमीनी स्तर तक मजबूत करेगी और आने वाले चुनावों में एनडीए गठबंधन को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाएगी।

महापौर प्रयागराज शहरी विकास के राष्ट्रीय सम्मेलन में पहुंचे,महापौर ने साझा किए कुंभ के स्वच्छता अभियान के अनुभव

प्रयागराज। गुरुग्राम में आयोजित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रयागराज के महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर से आए प्रतिनिधियों ने शहरी विकास और बेहतर स्वशासन पर चर्चा की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। बिरला ने स्थानीय स्वशासन को लोकतंत्र की जड़ बताया।उन्होंने नगर निकायों की बैठकों में प्रश्नकाल और शून्यकाल को अनिवार्य बनाने का सुझाव दिया। साथ ही चिंता जताई कि कई नगर निगमों में बैठकें या तो होती नहीं या औपचारिकता मात्र हैं। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में शहरी निकायों की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रयागराज के महापौर ने महाकुंभ 2025 की तैयारियों और शहर की स्वच्छता के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य शहरी निकायों को मजबूत करना और चुनौतियों का समाधान खोजना है। केसरवानी ने कहा कि अन्य राज्यों के प्रतिनिधियों से मिले अनुभव प्रयागराज के शहरी विकास की योजनाओं को और बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

प्रयागराज में कर्बला के शहीदों को श्रद्धांजलि,गुल्लू पहलवान की मेहंदी में उमड़ा जनसैलाब, हुसैन के नारों से गूंजा शहर

प्रयागराज। मोहर्रम 7वीं पर कर्बला के शहीदों की याद में आयोजित मोहर्रम की रस्मों के तहत इस्लामे हिंद सब्ज़ी मंडी (राईन नगर) से गुल्लू पहलवान की मेहंदी शानदार सजावट के साथ निकाली गई। इमाम हुसैन की कुर्बानी को समर्पित इस जुलूस में हर वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शहर की गलियों से होती हुई मेहंदी का कारवां इमामबाड़े तक पहुँचा, जहां जियारत के लिए उसे रखा गया। इस मेहंदी को सजाने का कार्य मशहूर कलाकार गौस माली और उनकी टीम ने किया। उन्होंने बताया कि इस मेहंदी की थीम प्रयागराज की तीन प्रमुख मस्जिदों की आर्किटेक्चर से ली गई है। गुलाबी और सफेद फूलों से की गई सजावट ने मेहंदी को ऐसा रूप दिया कि मानो फूलों में नगीने जड़े हों। गौस माली को मेहंदी उठने से पहले ही कई इनाम मिल चुके थे यह अपने आप में मेहंदी की खूबसूरती का प्रमाण है।शाम से ही मेहंदी देखने के लिए औरतें और बच्चे रिश्तेदारों के घर पहुंचकर छतों और रास्तों में जगह घेरने लगे थे। जैसे ही मेहंदी लतीफ मार्केट से होकर गढ़ी सराय नखास कोहना पहुँची, हुजूम और अधिक उमड़ पड़ा। लोगों में मेहंदी का बोसा लेने, फूल चढ़ाने, मन्नत और दुआ मांगने की होड़ लगी थी। 'या अली, या हुसैन', 'हुसैन ज़िंदाबाद' जैसे बुलंद नारों से माहौल गुंजायमान रहा। नौजवानों ने हुसैनी पंचम और देश का तिरंगा साथ लेकर मेहंदी को अपने कंधों पर उठाया। ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे जमीं और आसमान दोनों हुसैन की याद में सिजदा कर रहे हों। हर गली, हर चौराहे पर लंगर का आयोजन किया गया, जहां बड़ी अकीदत और अदब के साथ खाना वितरित किया गया। भीड़ की संभावित संख्या को देखते हुए मोहर्रम कमेटी ने विशेष टीमों का गठन किया है जो 9वीं और 10वीं मोहर्रम को व्यवस्था संभालेंगी। जुलूस की निगरानी ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से की जा रही थी। शाहगंज थाना, कोतवाली पुलिस और एलआईयू टीम पूरी मुस्तैदी से रातभर ड्यूटी पर तैनात रहीं।

इस जिले में बनेगा एक और फोरलेन बाईपास, लागत- 24 करोड़, जाम से मिलेगी निजात

अयोध्या/प्रयागराज। रामनगरी में एक और बाईपास निर्माण बरसात के बाद शुरू होने की संभावना है। ई शशांक पांडेय ने बताया कि 2.67 किमी लंबा फोरलेन मार्ग प्रयागराज व रायबरेली हाईवे के लिए बाईपास के रूप में उपयोग में लाया जा सकेगा। बाईपास का निर्माण रायबरेली हाईवे को क्रास करने वाली शारदा सहायक नहर की दोनों पटरियों पर होगा जो डाभासेमर के पास प्रयागराज हाईवे से कनेक्ट होगा।नौ-नौ मीटर दोनों पटरी की चौड़ाई होगी जिसमें पांच-पांच मीटर तारकोल से लेपन होगा। दोनों हाईवे पर जाम से छुटकारा दिलाने के अलावा बाईपास का तीसरा सबसे बड़ा उपयोग डा. भीमराव आंबेडकर क्रीड़ा संकुल के लिए किया जा सकेगा। यह स्टेडियम नहर के दोनों ओर प्रयागराज हाईवे के किनारे डाभासेमर के पास है। नहर के उत्तरी तरफ प्रशासकीय भवन तो दक्षिण तरफ स्टेडियम है। यातायात को सुगम बनायेगा। यह बाईपास सआदतगंज-अयोध्या व रिंग रोड से अलग हट कर अयोध्या-प्रयागराज एवं अयोध्या रायबरेली हाईवे के लिए है। कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग का प्रांतीय खंड है। शासन ने निर्माण के लिए 23.92 करोड़ रुपये की प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर कार्य शुरू करने के लिए 4.67 करोड़ की धनराशि अवमुक्त कर दी है। बाईपास के निर्माण से प्रयागराज हाईव पर नाका उपरिगामी सेतु के नीचे एवं रायबरेली हाईवे के नाका मोड़ व उसके आगे के नवीन मंडी के पास के ओवरब्रिज के नीचे सर्विसलेन क्रास कर आगे जाने के लिए लगने वाले जाम से छुटकारा मिल सकेगा। खिलाड़ियों के लिए शारदा सहायक नहर पर ओवरब्रिज का निर्माण हो चुका है। निर्माण से पहले प्रशासकीय भवन से स्टेडियम जाने के लिए अधिकारी हो या खिलाड़ी दोनों को प्रयागराज हाईवे को क्रास कर जाना पड़ता था जिससे ट्रैफिक का दबाव अधिक होने से सड़क पार करने में खतरा रहता था। नहर के ऊपर लोहे के फुट ओवरब्रिज के निर्माण से अब खतरे की आशंका न के बराबर है। स्टेडियम का क्रिकेट स्टेडियम निर्माण के अंतिम चरण में है। क्रिकेट व अन्य खेलों की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी का मौका खेल विभाग को मिलेगा तो यह बाईपास बहुत उपयोगी होगा।

कानपुर-प्रयागराज मार्ग पर हादसे में गई युवक की जान,अज्ञात वाहन की टक्कर

प्रयागराज। फतेहपुर जिले के बिंदकी तहसील के मलवां थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई। कैंची मोड कानपुर-प्रयागराज मार्ग पर गुरुवार देर रात एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बांदा जिले के समगरा निवासी अनुग्रह सिंह (23) के रूप में हुई। वह रविकांत सिंह के पुत्र थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार उछलकर दूर जा गिरा। उसका हेलमेट भी दूर जाकर गिरा मिला। परिजनों के अनुसार, अनुग्रह सिंह थर्ड पार्टी बैंक वेरिफिकेशन के काम से जा रहे थे और वह इसी सिलसिले में यात्रा कर रहे थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यूपी आम महोत्सव का आगाज, सीएम योगी ने की बागवानों की तारीफ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में तीन दिवसीय ' उत्तर प्रदेश आम महोत्सव 2025 ' का शुभारंभ किया। इस महोत्सव में देशभर के बागानों से चुनकर लाए गए 800 से अधिक किस्मों के आमों की प्रदर्शनी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया है। महोत्सव का आयोजन अवध शिल्प ग्राम, अवध विहार योजना, सेक्टर-9 में हो रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हमारे बागवानों ने जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों के बावजूद तकनीक का उपयोग कर शानदार प्रदर्शन किया है। ढाई से तीन किलो के आमों की किस्में देखकर आश्चर्य होता है, जो न केवल स्वाद में बेजोड़ हैं, बल्कि वैश्विक बाजार में भी उत्तर प्रदेश की शान बढ़ा रहे हैं।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आम महोत्सव न केवल किसानों की आमदनी बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। उन्होंने कहा कि आम उत्पादन को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए लखनऊ, अमरोहा, सहारनपुर और वाराणसी में चार आधुनिक पैक हाउस स्थापित किए गए हैं। इन पैक हाउसों के माध्यम से आम की गुणवत्ता, वैरायटी और एक्सपोर्ट के मानकों की जानकारी किसानों को दी जाती है।सीएम योगी ने कहा कि आम महोत्सव न केवल आम उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देता है, बल्कि बागवानों में औद्यानिक फसलों, आधुनिक तकनीक और वैश्विक बाजारों के प्रति विश्वास जगाने का भी माध्यम है।सीएम योगी ने जोर देकर कहा कि डबल इंजन सरकार की डबल इंजन नीति ने औद्यानिक फसलों के निर्यात को कई गुना बढ़ाया है। इस महोत्सव के दौरान दो देशों के लिए आमों का एयर कार्गो रवाना किया गया, जिसमें सरकार द्वारा दी गई सब्सिडी ने बागवानों को बेहतर दाम दिलाने में मदद की। मुख्यमंत्री ने महोत्सव में सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया और

लखनऊ की दशहरी, वाराणसी का लंगड़ा, गोरखपुर का गवर्जीत, बस्ती का आम्रपाली, मेरठ और बागपत का रटोल जैसी किस्मों की जानकारी ली।सीएम ने बागवानों के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और तकनीकी नवाचार ने उत्तर प्रदेश को औद्यानिक फसलों का केंद्र बनाया है। योगी सरकार ने बागवानों को प्रोत्साहित करने के लिए सब्सिडी, प्रशिक्षण और बाजार की सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं, जिससे उनकी आय कई गुना बढ़ी है।सीएम योगी ने बताया कि एक समय उत्तर प्रदेश की जीडीपी में कृषि और औद्यानिक फसलों का योगदान 25-30फीसदी था। आज सरकार की नीतियों ने इस क्षेत्र को और सशक्त किया है। अर्जुन सहायक, बांध सागर और सरयू नहर जैसी परियोजनाओं ने बुंदेलखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में जल की समस्या का समाधान किया है। परिणामस्वरूप, जहां पहले एक या दो फसलें होती थीं, वहां अब किसान तीन फसलें ले रहे हैं।सीएम ने हरदोई, कानपुर और औरैया के दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि मक्का की खेती से किसान प्रति एकड़ 1 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा कमा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने कृषि विज्ञान केंद्रों और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के माध्यम से आधुनिक तकनीक को बढ़ावा दिया है। गन्ना, मक्का और औद्यानिक फसलों में नए बीज और तकनीकों का उपयोग किसानों की आय को बढ़ा रहा है।सीएम ने बताया कि 2017 में जहां 5 करोड़ पौधों का रोपण एक चुनौती थी। वहीं अब 9 जुलाई 2025 को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 50 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा। यह उत्तर प्रदेश की प्रगति और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। महोत्सव में संगोष्ठियों, प्रगतिशील किसानों के अनुभव साझा करने और बायर्स-सेलर्स मीट का आयोजन किया जाएगा। सीएम योगी ने सुझाव दिया कि कमिश्नरी स्तर पर भी ऐसे आयोजन होने चाहिए, ताकि स्थानीय बागवान अपनी फसलों की प्रदर्शनी और बिक्री कर सकें। सीएम ने बागवानों से हल्दी, अदरक और अन्य औद्यानिक फसलों के साथ फूड प्रोसेसिंग को अपनाने का आह्वान किया, ताकि उनकी आय को और बढ़ाया जा सके। यह महोत्सव बागवानों, किसानों और उत्तर प्रदेश की प्रगति को वैश्विक मंच पर ले जाने का एक शानदार मंच साबित होगा।सीएम योगी ने प्रगतिशील बागवानों और निर्यातकों को प्रशस्ति पत्र और एक पौधा देकर सम्मानित किया। साथ ही महोत्सव की स्मारिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा सहित कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

यूपी में भाजपा कप्तान की रेस पर पार्टी में दो राय, राष्ट्रीय अध्यक्ष से पहले होगा चयन या बाद में?

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बीजेपी के नए अध्यक्ष को चुनने की प्रक्रिया तेज़ हो गई है। पार्टी के कार्यकर्ता इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि अगला अध्यक्ष कौन होगा। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अध्यक्ष की नियुक्ति बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले होगी या बाद में। इस मामले में यूपी बीजेपी के नेता अलग-अलग राय रखते हैं। कुछ नेताओं का मानना है कि प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले हो सकता है। हमारे सहयोगी अखबार टीओआई से बात करते हुए कुछ कार्यकर्ताओं ने यह संभावना जताई। वहीं, कुछ अन्य नेताओं का कहना है कि प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव अकेले नहीं होगा। इसलिए यह प्रक्रिया राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही शुरू हो सकती है। उनका कहना है कि प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के साथ-साथ योगी सरकार में भी फेरबदल हो सकता है। चूंकि यह प्रक्रिया आपस में जुड़ी हुई है और इस पर विचार-विमर्श की ज़रूरत है, इसलिए प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में समय लग सकता है। एक बीजेपी कार्यकर्ता ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए अभी भी समय है। संसद का मानसून सत्र दो सप्ताह बाद शुरू होगा। पार्टी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने के लिए यही समय सीमा तय की है। हालांकि, एक वरिष्ठ बीजेपी नेता ने टीओआई को बताया कि यूपी बीजेपी अध्यक्ष को चुनने के लिए समय कम है। इस प्रक्रिया में कम से कम चार दिन लगेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी को आपत्तियां मांगने के बाद मतदाताओं की सूची प्रकाशित करनी होगी।उन्होंने कहा कि इसमें कम से कम दो दिन लगेंगे। सूची प्रकाशित होने के बाद ही यूपी बीजेपी अध्यक्ष के लिए नामांकन शुरू होगा। नामांकन के एक दिन बाद पर्यवेक्षक पीयूष गोयल नए बीजेपी अध्यक्ष की घोषणा करेंगे। इससे पहले, नए बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव की तारीख घोषित की जाएगी। इसके बाद बीजेपी कार्यालय में मतदाताओं की सूची प्रकाशित की जाएगी।इस चुनाव में हर विधानसभा से एक सदस्य होता है, जिसे बीजेपी में 'प्रांतीय पार्षद' कहा जाता है। इसके अलावा, मौजूदा विधायकों और सांसदों में से 20फीसदी भी वोट डालते हैं। ये प्रांतीय पार्षद जिला बीजेपी अध्यक्षों के साथ चुने गए हैं। इसका मतलब है कि 70 संगठनात्मक जिलों से प्रांतीय पार्षदों का चुनाव हो चुका है। इन 70 संगठनात्मक जिलों से पार्षदों की संख्या 300 से अधिक होगी। बीजेपी नेता ने कहा कि जिला अध्यक्ष भी प्रदेश ँद्ध अध्यक्ष के चुनाव के समय मौजूद रहेंगे, लेकिन उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं होगा। अब सवाल यह नहीं है कि नया बीजेपी अध्यक्ष कौन होगा। सवाल यह है कि यूपी बीजेपी का नया अध्यक्ष कब नियुक्त किया जाएगा। दूसरा सवाल यह है कि क्या प्रदेश इकाई में केवल संगठनात्मक स्तर पर बदलाव होंगे या संगठन और सरकार दोनों में एक साथ बदलाव होंगे। यूपी में विधानसभा चुनाव 2027 में होंगे। इसलिए संगठन और सरकार में बदलाव इसी बात को ध्यान में रखकर किए जाएंगे।यूपी में भाजपा के अंदर एक गुट चाहता है कि चुनाव जल्दी हो, जबकि दूसरा गुट चाहता है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के बाद ही इस पर विचार किया जाए। अब देखना यह है कि पार्टी आलाकमान क्या फैसला लेता है। बीजेपी में हर स्तर पर चुनाव होते हैं।

स्कूल मर्जर के विरोध में योगी सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे स्वामी प्रसाद मौर्य,राज्यपाल को ज्ञापन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार की स्कूलों की मर्जर नीति के खिलाफ पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने मोर्चा खोल दिया है। पूर्व मंत्री ने अपनी जनता पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ लखनऊ की सड़कों पर उतरे और उन्होंने योगी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के नाम एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के जरिये पूर्व मंत्री ने 5 मुख्य मांग की है। साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार पर गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित समाज के बच्चों की शिक्षा छीनने का गंभीर आरोप भी लगाया है।अपनी जनता पार्टी के मुखिया व पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि योगी सरकार की स्कूलों की मर्जर नीति गरीबों के भविष्य पर सीधा हमला है। सरकार बच्चों से शिक्षा छीनकर उनका जीवन अंधकार में ढकेल रही है। अगर सरकार की ओर से यह फैसला वापस नहीं लिया गया, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।दरअसल, यूपी में कम छात्रों वाले सरकारी स्कूलों को मर्ज किए जाने को लेकर विरोध बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य अपने समर्थकों के साथ विधानसभा कूच करने जा रहे थे। तभी पुलिस ने उन्हें बैरिकेडिंग लगाकर रोक लिया था। जिसके बाद स्वामी प्रसाद मौर्य सड़क पर ही बैठ गए।प्रदर्शन के दौरान पार्टी के कार्यकर्ताओं ने योगी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की है। वहीं स्वामी प्रसाद मौर्य ने पुलिस अधिकारियों को ही राज्यपाल के नाम ज्ञापन को सौंप दिया है। इस ज्ञापन के जरिये पूर्व मंत्री ने सरकार के 16 जून 2025 के उस आदेश को वापस लेने की मांग की है, जिसके तहत 50 से कम नामांकन वाले 27,764 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को दूसरे स्कूलों में मर्ज करने का निर्णय लिया गया है।स्वामी प्रसाद ने कई गंभीर सवाल भी उठाए हैं। उन्होंने पत्र के जरिए बताया कि ग्रामीण और पिछड़े तबकों के बच्चों की शिक्षा खतरे में है। मर्जर के बाद इन बच्चों को 3 से 5 किलोमीटर दूर तक जाना पड़ेगा, जिससे स्कूल ड्रॉपआउट की दर बढ़ेगी, खासकर बालिकाएं शिक्षा से वंचित होंगी।ज्ञापन में रखी ये प्रमुख मांगें: प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को पेयरिंग/मर्जर के नाम पर बंद करने का आदेश तुरंत वापस लिया जाए। प्रदेश के सभी स्कूलों में शिक्षकों की कक्षानुसार नई भर्ती की जाए। शिक्षकों से गैर-शैक्षणिक 31 विभागीय कार्य वापस लिए जाएं। स्थानीय स्तर पर स्कूलों की गारंटी सुनिश्चित की जाए और उन्हें आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा जाए। सरकारी विद्यालयों को निजी हाथों में सौंपने की किसी भी योजना पर रोक लगाई जाए।स्वामी प्रसाद मौर्य ने बताया कि बच्चे मिड डे मील योजना से भी वंचित हो सकते हैं, क्योंकि स्कूल दूर होने पर उपस्थिति में गिरावट आएगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 21ए और अनुच्छेद 46 का सीधा उल्लंघन है, जो हर बच्चे को निःशुल्क और नजदीक शिक्षा की गारंटी देता है। प्रदेश के अधिकांश स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है। एक शिक्षक को 5 कक्षाएं पढ़ानी पड़ रही हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि इसके साथ ही शिक्षकों को 31 विभागीय कार्य भी सौंपे गए हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने यह भी बताया कि प्रदेश के हजारों स्कूलों में मात्र एक ही शिक्षक कार्यरत है। कुल जरूरत से 6 लाख से अधिक शिक्षक कम हैं। ऐसे में स्कूल बंद करने की बजाय शिक्षकों की भर्ती और स्कूलों के सशक्तिकरण की आवश्यकता है।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने रिजर्व पुलिस लाईन चुर्क में शुक्रवार परेड की ली सलामी, तत्पश्चात किया निरीक्षण
शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए लगवाई गयी दौड़

सोनभद्र। अशोक कुमार मीणा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र

द्वारा पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के पश्चात शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिए परेड की दौड़ लगवाई । निरीक्षण के क्रम में महोदय द्वारा यू0पी0-112 व थानों से आये वाहनों की गहनता से चेकिंग की गयी तथा पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों से वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रण/सुरक्षा उपकरणों के सम्बंध में जानकारी लेते हुए उनकी चेकिंग की गयी । निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जेटीसी मेस, पुलिस बैरक, शौचालय, कम्प्युटर कक्ष, आरटीसी स्कूल इत्यादि का जायजा लिया गया और सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए व पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने हेतु सम्बंधित को दिशा-निर्देश दिए ।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद सोनभद्र के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की

सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत आज दिनांक 04.07.2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम व महिला पुलिस कर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

जनपदीय पुलिस ने आगामी त्यौहार के दृष्टिगत कानून एवं शान्ति व्यवस्था स्थापित करने के लिए समस्त क्षेत्र के कस्बे, सकरी गलियों/रास्तों, संवेदनशील और मिश्रित आबादी में रुफ टॉफ की ड्रोन से की जा रही है निगरानी

सोनभद्र। अफवाहों और

असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए सोशल मीडिया की टीम द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही है. अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश। आगामी त्यौहार के अवसर पर शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु एवं अराजक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा द्वारा दिये गये दिशा-निर्देश के क्रम में एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय/ऑपरेशन के पर्यवेक्षण में व समस्त क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में आज दिनांक 04.07.2025 को जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों द्वारा मय पुलिस बल के साथ अपने-अपने थाना क्षेत्र के कस्बे, सकरी गलियों/रास्तों एवं मकानो/घरों के छतों और संवेदनशील और मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों के माध्यम से जुलूस मार्गों, ताजिया यात्राओं और कर्बला स्थलों की निगरानी की जा रही है । निगरानी कर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ किया जा रहा है और पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। त्यौहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने के लिए प्रशासन का सहयोग करें । सोनभद्र पुलिस शांति,सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कटिबद्ध है।

किसानों को नहीं मिल रही खाद जिम्मेदार नेता फीता काटने में व्यस्त :गिरीश पाण्डेय,किसान मंच के नेता ने जिलाधिकारी से डीएपी खाद उपलब्ध कराने की किया मांग

सोनभद्र। एक तरफ अच्छी बरसात को देखते हुए किसानों में खेती-बाड़ी को लेकर उत्साह है, किसान धान की रोपाई कर रहे हैं

तो कुछ रोपाई की तैयारी में लगे हुए हैं। लेकिन सोनभद्र में किसानों के सामने खाद की समस्या आ खड़ी हुई है। पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच के नेता गिरीश पाण्डेय ने बताया कि सोनभद्र के साधन सहकारी समितियों पर डीएपी खाद उपलब्ध नहीं होने से किसानों में खेती-बाड़ी को लेकर निराशा देखने को मिल रही है। किसान नेता गिरीश पाण्डेय ने जिलाधिकारी सोनभद्र का ध्यान इस ओर आकर्षित कराते हुए बताया कि सरकारी केंद्रों पर किसानों के लिए डीएपी खाद उपलब्ध नहीं है जबकि खुले बाजार में ऊंचे दाम पर डीएपी उपलब्ध होना जिम्मेदार अधिकारियों की मंशा एवं कार्यशैली पर बड़ा सवाल है। गिरीश पाण्डेय ने जनपद के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों पर तंज करते हुए कहा कि किसानों को नहीं मिल रही खाद जिम्मेदार नेता फीता काटने में हैं व्यस्त। गिरीश पाण्डेय ने एक्स हैंडल पर जिलाधिकारी से सोनभद्र में किसानों को समयानुसार शीघ्र डीएपी खाद उपलब्ध कराने की मांग किया और प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि यदि शीघ्र साधन सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को शीघ्र डीएपी व अन्य आवश्यक खाद बीज उपलब्ध नहीं करवाया गया तो पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच एवं पूर्वांचल नव निर्माण मंच जिम्मेदार विभागों के खिलाफ मोर्चा खोल कर धरना प्रदर्शन करेगा किसानों की हित में।

प्रदेश में मिशन वात्सल्य के अन्तर्गत बच्चों का किया जा रहा है संरक्षण, बाल विकास व पुनर्वास

सोनभद्र। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश के हर वर्ग के नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा एवं आत्मनिर्भर अवसर प्रदान करना हर क्षेत्र में विकास के लिए सहायता प्रदान करना, उनके लिए ऐसी संवेदनशील, समर्थनकारी और समकालिक ईको-

बनाने की योजना लागू कर उनके उज्जवल भविष्य को सवांरा है। बालिकाओं, किशोरियों, महिलाओं सहित वृद्धजनों, दिव्यांगजनों, पति की मृत्योपरान्त निराश्रित महिलाओं, अनुसचित जाति/जनजाति के लोगों पिछड़ों, गरीबों श्रमिकों सहित समाज के कमजोर वर्गों को रोजगार के अवसर सहित विभिन्न संचालित योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बच्चों के कल्याण एवं पुनर्वास के लिए एक केंद्र प्रायोजित योजना ''मिशन वात्सल्य'' (पूर्व की बाल संरक्षण सेवा योजना) शुरू की है। मिशन वात्सल्य का लक्ष्य भारत के हर बच्चे के लिए एक स्वस्थ एवं खुशहाल बचपन सुनिश्चित करना, उन्हें अपनी पूर्ण क्षमता का पता लगाने के लिए व्यवस्था स्थापित करना है जिसमें उनका पूर्ण विकास हो। इसके साथ ही राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को किशोर न्याय कानून 2015 के अनुरूप सुविधाएं मुहैया कराने तथा सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करना है। ष्मिशन वात्सल्यष् अंतिम उपाय के रूप में बच्चों के संस्थागतकरण के सिद्धांत के आधार पर कठिन परिस्थितियों में बच्चों की परिवार आधारित गैर-संस्थागत देखभाल को बढ़ावा दिया जाता है।''मिशन वात्सल्य'' के मुख्य कार्यों में संवैधानिक निकायों के कामकाज में सुधार लाना, सेवा प्रदान करने के ढांचे को मजबूत बनाना, संस्थागत देखभाल और सेवाओं के स्तर में वृद्धि करना, गैर-संस्थागत समुदाय आधारित देखभाल को प्रोत्साहित करना, आपात स्थिति में पहुंच उपलब्ध कराना, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण शामिल हैं। ''मिशन वात्सल्य'' को केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के तौर पर केन्द्र तथा राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों की सरकारों के बीच निर्धारित लागत बंटवारा अनुपात के अनुरूप लागू किया गया है। मिशन वात्सल्य योजना प्रदेश में संचालित है।''मिशन वात्सल्य'' के अंतर्गत घर से भागे हुये बच्चों, गुमशुदा बच्चों, तस्करी किये गये बच्चों, कामकाजी बच्चों, गली मोहल्लों में रहने वाले, बाल भिखारी, मादक द्रव्यों के सेवन करने वाले बच्चों आदि की देखभाल के लिए राज्य सरकार द्वारा खोले गये आश्रयों में उनका विकास किया जा रहा है।राज्य सरकार द्वारा मिशन वात्सल्य योजना प्रदेश में संचालित की जा रही है। अधिनियम के प्रावधानों के प्रदेश में कुल 58 राजकीय संस्थायें (27) राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, 08 बाल गृह (बालक), 05 बाल गृह (बालिका), 06 बाल गृह (शिशु), 05 विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण अभिकरण, 02 विशेष गृह, 01 प्लेस ऑफ सेफ्टी, 05 पश्चात्वर्ती देख रेख संगठन) संचालित है। साथ ही पी0पी0पी0 मॉडल के अंतर्गत स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से जनपद लखनऊ में मानसिक मंदित विशेषीकृत बच्चों के लिए 02 राजकीय विशेषीकृत संस्थायें संचालित है। वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2024-25 तक कुल 1713 बालकों को दत्तक ग्रहण के माध्यम से पुनर्वासित किया गया है। अभी तक 1007 बच्चों को स्पॉन्सरशिप से तथा 05 बच्चों को फॉस्टर केयर के अंतर्गत लाभान्वित किया गया है। प्रदेश में वर्ष 2017-18 से 2023-24 तक कुल 93658 बच्चों को उनके माता-पिता/अभिभावकों से मिलाया गया तथा 1707 संभावित बाल विवाह रोके गये हैं।

सोनभद्र में बदमाशों का खौंफ! बैंक मैनेजर के ड्राइवर को मारी गोली, अस्पताल में चल रहा इलाज

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र से दर्दनाक हादसा सामने आया है। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के हिन्दुआरी गांव में बाइक रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के हिन्दुआरी गांव के पास बीती रात बाइक पर सवार दो अज्ञात बदमाशों ने 23 वर्षीय अनितेश को गोली मार ने घटनास्थल और अस्पताल पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस ने हमलावरों की तलाश में टीमें गठित की हैं और विभिन्न पहलुओं से छानबीन

पर सवार बदमाशों ने इंडियन बैंक की मधुपुर शाखा के प्रबंधक के चालक को गोली मार दी। पुलिस ने घायल चालक को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी लेने के लिए एएसपी अनिल कुमार और सीओ चारु द्विवेदी अस्पताल पहुंचे। पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है और मामले की जांच विभिन्न पहलुओं पर कर रही है। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के मुताबिक दी। अनितेश इंडियन बैंक की मधुपुर शाखा के प्रबंधक का ड्राइवर बताया जा रहा है। घटना रात करीब 8:30 बजे की है, जब अनितेश रॉबर्ट्सगंज से अपने गांव गौरी निस्फ जा रहे थे। बदमाशों ने ओवरटेक कर गाली-गलौज की। बाइक की चाबी छीनने की कोशिश की और फिर अनितेश के सीने के पास गोली चला दी। गोली की आवाज सुनकर लोग दौड़े, तो बदमाश भाग निकले। घटना की जानकारी मिलते ही एसपी अशोक कुमार मीणा, एएसपी अनिल कुमार और सीओ चारु द्विवेदी कर रही है। घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने अनितेश नामक व्यक्ति को गोली मार दी। यह घटना तब हुई जब अनितेश रॉबर्ट्सगंज से अपने गांव गौरी निस्फ जा रहे थे। बदमाशों ने उनकी बाइक को ओवरटेक कर गाली-गलौज की, बाइक की चाबी छीनने की कोशिश की, और फिर अनितेश के सीने के पास गोली चला दी। मामले की जांच की जा रही है आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता का मिला शव,शाहगंज थाना क्षेत्र का हैं मामला,परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप,जांच में जुटी पुलिस

सोनभद्र। शाहगंज थाना क्षेत्र निवासी भाई सलामुद्दीन ने आरोप उसकी शादी हुई थी तीन लड़के

के मेन मार्किट में 38 वर्षीय विवाहिता का संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव ,परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप जांच में जुटी पुलिस। जानकारी के अनुसार शाहगंज थाना क्षेत्र के मेन मार्केट निवासी सकीला 38 वर्षीय पत्नी गुलमोहमद की संदिग्ध परिस्थितियों में गुरुवार को मायके वालों को मिला शव विवाहिता महिला के अदलहाट कपथरौटा लगाया कि 15 दिन पहले ही मेरे बहन की बिदाई हुई थी और पांच दिन पूर्व उसका पति कमा कर लोदियाना से आया था कल शाम को आसपास के लोगों द्वारा सूचना मिली कि आपकी बेटी छत से गिर गई है मौके पर पहुंचे हम लोग तो देखें उसके शरीर पर कई चोट के निशान उपलब्ध थे मामले में संबंधित पुलिस को अवगत कराया गया। बता दे की 20 साल पूर्व एक लड़की उसके बच्चे हैं मेरे जीजा द्वारा पूर्व में भी उसको बुरी तरह से मारा पीटा गया था किसी तरह मामला समझ बूझकर शांत हुआ तो फिर इतनी बड़ी साजिश के तहत मेरे बहन की हत्या कर दी गई। वही संदर्भ में साधन थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि मामला संदिग्ध है आज पीएम के लिए भेजा गया है रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

आधुनिक भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण का प्रणेता माना जाता हैः कृष्ण मुरारी गुप्ता

सोनभद्र। भारतीय संस्कृति,अध्यात्म,सभ्यता और इतिहास से विश्व को अपने ओजस्वी

वाणी से परिचय कराने वाले,युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर सोनभद्र नगर पालिका विवेकानंद प्रेक्षागृह स्थित उनके प्रतिमा पर शुक्रवार को पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया गया।वहीं मुख्य अतिथि भाजपा जिला महामंत्री कृष्ण मुरारी गुप्ता ने बताया कि स्वामी विवेकानंद को आधुनिक भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण का प्रणेता माना जाता है। वह न केवल अपनी गहन शिक्षाओं और वैश्विक दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध हैं, बल्कि उनकी आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि और जीवन के प्रति उनकी असाधारण समझ भी उन्हें संत की श्रेणी में खड़ा करती है। आज स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि है। एक ऐसा प्रश्न जो उनके जीवन के बारे में अक्सर उठता है, वह यह है कि क्या उन्हें अपनी मृत्यु का पूर्वाभास था। उनके जीवन के अध्ययन और उनके शिष्यों द्वारा कही गई बातों से यह साफ होता है कि स्वामी विवेकानंद को अपनी मृत्यु का पूर्वाभास था। श्री गुप्ता ने बताया कि सिर्फ 39 साल की उम्र में त्याग दी थी देह।

जिला स्तरीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

सोनभद्र। संस्था जन कल्याण ग्रामोद्योग सेवा आश्रम, सोनभद्र

द्वारा संचालित परियोजना इम्पॉवर हर के अंतर्गत महिलाओं और किशोरियों के लिए सरकारी योजनाओं पर जानकारी देने के उद्देश्य से परियोजना अंतर्गत जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विकास भवन के पंचायत रिसोर्स सेंटर में किया गया। इस कार्यशाला में नगवा ब्लॉक के 10 देवरी मय देवरा, पियरी, बिछिया, गोटीबांध, डोमरिया, सिकरवार, साड़सोत, शिकारपुर, सरईगढ़ व पिपराडीह से कुल 50 महिलाओं और किशोरियों ने प्रतिभाग किया। इसी कड़ी में दीप प्रज्वलित कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कार्यक्रम में उपस्थित परियोजना मैनेजर कुतबुद्दीन जी द्वारा परियोजना उद्देश्यों को के विषय में जानकारी दी साथ ही सरकार द्वारा संचालित योजनाओ की जानकारी लेकर इनका लाभ उठा सकते है इसी कड़ी में आजीविका मिशन जिला प्रबंधक एम जी रवि द्वारा के विषय में जानकरी दी महिलाये किस प्रकार से जुड़ कर इसका लाभ उठा सकती है साथ इसका लाभ किस प्रकार से कर सकती है और उन्होंने बताया समूह से जुड़कर कैसे आत्मनिर्भर बन सकते हैं इसके विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया अगली कड़ी में गायत्री दुबे संरक्षण अधिकारी (जिला प्रोबेशन कार्यालय) द्वारा उपस्थित लोगो को वन स्टाप सेन्टर, विधवा पेंशन , राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, स्पांसर शिप योजना, चाईल्ड लाइन - 1098 , 1076, आदि के विषय में जानकारी दी कार्यक्रम की अगली कड़ी में लोकपाल मनरेगा छोटक प्रसाद सी मनरेगा की खूकार्यक्रम में उपस्थित बियों के विषय जानकारी दिया गया रंजना चौबे सी डब्ल्यू सी मजिस्ट्रेट कार्यक्रम में उपस्थित थी उनके द्वारा लोगो को जानकारी देते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चो के लिए सारे कार्य हमारे विभाग के द्वारा कार्य किया जाता है पाक्सो एक्ट, गुड टच , बैड टच , हम सभी आप सभी के लिए बैठे हुए है केवल लडकियों को नही लडको को भी बचाने की जरूरत है आगे की कड़ी में अंजनी आरसीईटीआई द्वारा अपने संस्थान द्वारा संचालित योजनाओ के विषय देते हुए आत्मनिर्भर बनने के लिए सरकार द्वारा संचालित तमाम योजनाओ के विषय में जानकारी दिया गया इसके अलावा फसल बिमा से जुनैद अंसारी उपस्थित रहे उन्होंने फसल बिमा के लाभ के विषय में जानकारी दिया। इस अवसर पर परियोजना क्षेत्र की कार्यकर्ता पूनम, सुनीता, सुमन, नीलम, रीमा, जसवंत, प्रोग्राम मैनेजर कुतुबुद्दीन एवं ब्लॉक समन्वयक विजय कुमार प्रजापति, से अंजनी व संजय ,जिला प्रोबेशन से गायत्री दुबे, लोकपाल मनरेगा छोटक प्रसाद , एम जी रवि जिला समन्वयक एन आर एल एम , रंजना चौबे सी डब्ल्यू सी , विमलेश मौर्या आदि अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

2 सगी बहनें फिसलकर तालाब के गहरे पानी में पहुंची

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र से दर्दनाक हादसा सामने आया है। रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र के चिरमनवा बंधी तालाब में खेलते समय दो सगी बहनें फिसलन के कारण गहरे पानी में डूब गईं। दोनों ननिहाल आई थीं। घंटे भर की कोशिश के बाद उन्हें निकाला गया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। घटना से गांव में मातम छा गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच में जुटी है।जानकारी के अनुसार रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र के करौंदिया गांव में बुधवार की शाम दो सगी बहनें, प्रियंका (6 वर्ष) और अंशिका (7 वर्ष), चिरमनवा बंधी के पास खेलते समय तालाब में डूबकर मृत्यु हो गई।

संगठन सृजन अभियान का पहला चरण पूर्ण हो चुका हैः रामराज

सोनभद्र। जिला कॉग्रेस कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता मे जिलाध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने बताया की पूरे प्रदेश मे संगठन सृजन अभियान पूरे जोर शोर से चल रहा है त जिला शहर कार्यकारिणी के गठन होते ही संगठन सृजन अभियान का पहला चरण पूर्ण हो चुका ह।उत्तर प्रदेश के प्रदेश जनपद मे शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जा रहा है त जहाँ एक ही मंच पर जिला/शहर कांग्रेस कमेटियों के पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर हम

अपनी नेता सोनिया गांधी के मार्गदर्शन राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के कुशल नेतृत्व मे जननायक राहुल गांधी के समाजिक न्याय के सिद्धांतो को समाहित करते हुए एवं प्रियंका गाँधी वाड्रा के उतर प्रदेश मे संगठन सृजन के स्वप्न को पूर्ण करते हुए हम एक सशक्त संगठन का निर्माण करेंगे।उन्होंने बताया की सभी पदाधिकारियों को उनके कार्य और जिम्मेदारीयो को शपथ दिलाकर यह संकल्प दिलाया जाएगा की आज भाजपा शासन काल मे जिस तरीके से समाज मे नफरत फैलाई जा रही है द संविधान को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है त ऐसे दौर मे कॉग्रेस पार्टी की विचारधारा और गांधी वादी सिद्धांतो को अपनाकर ही हम लडेगे। जिले मे आयोजित इस शपथ ग्रहण समारोह मे जिले और शहर के पदाधिकारियों को एक साथ एक मंच पर शपथ दिलाई जाएगी।इस कार्यक्रम मे हम जिले के सभी वरिष्ठ नेताओ को आमंत्रित करेंगे त उनके मार्गदर्शन मे कार्य करेंगे और उनके अनुभवों का लाभ लेते हुए जमीन पर एक सशक्त संगठन का निर्माण करेंगे त कॉग्रेस के सभी फ्रंटल, विभाग, एवं प्रकोष्ठौ को आमंत्रित किया जाएगा।एवं उनके जिम्मेदारीयो से अवगत कराया जाएगा त हम संकल्पित है की आगामी 15 अगस्त तक हम बूथ स्तर तक कमेटिया गठित कर मजबूत और जमीनी संगठन का निर्माण करेंगे त आने वाले पंचायत चुनाव मे हम पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे और बेहतर प्रदर्शन करेंगे त प्रेस वार्ता मे शहर कॉग्रेस अध्यक्ष हाजी फरीद अहमद, कॉग्रेस प्रवक्ता शत्रुंजय मिश्रा मौजूद रहे।

इंग्लैंड ने 3 विकेट गंवाए, भारत 510 रन आगे,शुभमन का दोहरा शतक, जडेजा ने फिफ्टी लगाई,बशीर को 3 विकेट

नयी दिल्ली। बर्मिंघम टेस्ट का दूसरा दिन भी पूरी तरह से भारत के नाम रहा। कप्तान शुभमन गिल के दोहरे शतक की मदद से टीम इंडिया ने पहली पारी में 587 रन बना दिए। फिर दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड के 3 विकेट भी गिरा दिए। होम टीम अब भी पहली पारी में 510 रन से पीछे हैं। जो रूट और हैरी ब्रूक आज इंग्लैंड की पारी आगे बढ़ाएंगे। खेल दोपहर 3.30 बजे से शुरू होगा। भारत

के लिए आकाश दीप 2 और मोहम्मद सिराज 1 विकेट ले चुके हैं। दूसरे दिन शुभमन-जडेजा की डबल सेंचुरी पार्टनरशिप भारत के लिए दूसरे दिन शुभमन गिल ने दोहरा शतक लगाया। उन्होंने 269 रन बनाए। गिल ने इस पारी में रवींद्र जडेजा के साथ छठे विकेट के लिए 203 और वॉशिंगटन सुंदर के साथ 7वें विकेट के लिए सेंचुरी पार्टनरशिप भी की। टीम ने 587 रन बनाए। दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड के भी 3 विकेट गिर गए। बर्मिंघम में बुधवार को इंग्लैंड ने बॉलिंग चुनी। भारत से यशस्वी जायसवाल ने 87 रन बनाए। उनके विकेट के बाद कप्तान शुभमन गिल ने शतक लगा दिया। टीम ने 211 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। यहां से शुभमन और जडेजा ने 99 रन की पार्टनरशिप कर स्कोर 310 तक पहुंचा दिया।बुधवार को मुकाबले के पहले दिन सभी प्लेयर्स काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे। नीतीश कुमार रेड्डी गेंद छोड़ने के चलते बोल्ड हो गए। वहीं कप्तान शुभमन गिल ने चौका लगाकर फिफ्टी पूरी की। जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर। भारतः शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

कार दुर्घटना में पुर्तगाली फुटबॉलर डिएगो जोटा की मौत,टायर फटने से पलटी कार, आग लगी; भाई की भी गई जान

नयी दिल्ली। 28 साल के पुर्तगाली फॉरवर्ड डिएगो जोटा का कार एक्सीडेंट में निधन हो गया। वह लिवरपूल से भी खेलते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुर्तगाली सीमा के जमोरा प्रांत में उनके कार का एक्सीडेंट हो गया। डिएगो जोटा एक लेम्बोर्गिनी चला रहे थे। स्थानीय खबरों के अनुसार उनके कार का टायर फट गया। उनकी कार पलट गई और फिर उसमें आग लग गई। यह घटना गुरुवार की सुबह हुई। डिएगो जोटा के भाई की भी जान चली गई जोटा के साथ उनके छोटा भाई आंद्रे सिल्वा (26 वर्ष) भी गाड़ी में थे। वह भी एक पेशेवर फुटबॉलर थे और पुर्तगाली टीम एफसी पेनाफिल के लिए खेलते थे। दोनों भाइयों की इस हादसे में मौत हो गई। जोटा की दो हफ्ते पहले हुई थी शादी जोटा की दो हफ्ते पहले ही शादी हुई थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, स्पेन के ज़मोरा में स्थानीय फायर अधिकारियों ने बताया कि दो लोगों की मौत हो गई।

पाकिस्तान हॉकी एशिया कप के लिए भारत आएगाःखेल मंत्रालय बोला- हम किसी को नहीं रोकेंगे; पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानियों की एंट्री बैन थी

नयी दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति के बावजूद हॉकी एशिया कप और

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान टीम को भारत आने से नहीं रोका जाएगा। खेल मंत्रालय के सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा कि हम द्विपक्षीय सीरीज के खिलाफ हैं, लेकिन टूर्नामेंट के लिए हम किसी भी टीम को भारत आने से नहीं रोकेंगे। मंत्रालय के अधिकारी ने कहा, 'इंटरनेशनल स्पोर्ट्स में टीमें तनाव के बावजूद हिस्सा लेती हैं। रूस और यूक्रेन युद्ध के बावजूद टूर्नामेंट खेल रहे हैं। हॉकी एशिया कप 27 अगस्त से 7 सितंबर के बीच बिहार के राजगीर में खेला जाएगा।' भारत और पाकिस्तान क्रिकेट टीमों के बीच एशिया कप मैच पर अधिकारी ने कहा, 'बीसीसीआई ने अब तक इस बारे में सरकार से बात नहीं की है। जैसे ही बोर्ड की ओर से बातचीत होगी, टीम इंडिया के एशिया कप में हिस्सा लेने पर फैसला लेंगे।' पाकिस्तान हॉकी बोर्ड ने अभी तक टूर्नामेंट में आने या न आने पर कोई भी बयान जारी नहीं किया है, लेकिन उसने टूर्नामेंट से खुद को अलग भी नहीं किया है, जिससे माना जा रहा है कि टीम खेलने के लिए भारत आएगी। हॉकी इंडिया के सेक्रेटरी जनरल भोलानाथ सिंह ने कहा था, पाकिस्तान टीम एशिया कप के लिए आएगी या नहीं, इस पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। पहलगाम में आतंकी हमला और भारत का ऑपरेशन सिंदूर पिछले महीने ही हुआ। ऐसे में इस वक्त कुछ भी कह पाना मुश्किल है। हम शांति कायम होने का इंतजार कर रहे हैं। सरकार के जो भी निर्देश होंगे, हम उनका पालन करेंगे। हॉकी इंडिया के एक अन्य अधिकारी ने कहा था, 'अगर सरकार ने पाकिस्तान को एंट्री देने से मना किया तो उनके बिना टूर्नामेंट कराया जाएगा। सबकुछ सरकार के फैसले पर निर्भर है।' 2016 में भारत नहीं आई थी पाकिस्तान टीम 2016 में पठानकोट एयरबेस पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत में जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप हुआ था। तब भी पाकिस्तान हॉकी टीम भारत नहीं आई थी। तब पाकिस्तान की जगह मलेशिया को एंट्री देकर टूर्नामेंट कराया गया था। दोनों देशों में तनाव के बाद पाकिस्तान का जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भी भारत आना मुश्किल लग रहा था। टूर्नामेंट चेन्नई और मदुरै में 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक खेला जाएगा। हालांकि मंत्रालय से आपत्ति नहीं होने के बाद अब जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भी पाकिस्तान टीम भारत आ सकती है। नीदरलैंड के एम्स्टर्डम में अगले साल 14 से 30 अगस्त तक हॉकी वर्ल्ड कप होगा। एशिया कप जीतने वाली टीम को वर्ल्ड कप में डायरेक्ट एंट्री मिलती है। एशिया कप में 5 बार की चैंपियन साउथ कोरिया डिफेंडिंग चैंपियन है। वहीं भारत और पाकिस्तान को अपने-अपने चौथे टाइटल का इंतजार है। हॉकी एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के अलावा जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपे भी हिस्सा लेंगी। 4-4 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की 2-2 टॉप टीमों के बीच सेमीफाइनल और इसे जीतने वाली टीमों के बीच 7 सितंबर को फाइनल होगा। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 3 आतंकियों ने 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी। जिसके बाद भारत ने सभी पाकिस्तानी नागरिकों को देश से निकाल दिया। भारत ने 7 मई की देर रात ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह किया और पहलगाम हमले का बदला लिया। जिसके बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल से भारत पर हमला कर दिया। भारत ने जिसका मुंहतोड़ जवाब दिया। दोनों देशों में बॉर्डर पर तनाव चला और 10 मई को सीजफायर हो गया। दोनों ही देश अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कई पाकिस्तानी सोशल मीडिया अकाउंट्स को देश में बैन कर दिया गया। इन अकाउंट्स से बैन अब हट चुका है, ऐसे में भारत-पाकिस्तान के बीच टूर्नामेंट में मैच भी संभव है। हॉकी एशिया कप के साथ क्रिकेट एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच मैच हो सकता है। हॉकी एशिया कप में मंत्रालय सूत्रों के नजरिये को देखते हुए भारत-पाकिस्तान के बीच सितंबर में एशिया कप मैच भी हो सकता है। टूर्नामेंट यूएआई में खेला जाना है। हालांकि दोनों टीमें एक-दूसरे के देश में क्रिकेट मैच नहीं खेलती है। भारत ने इसी साल फरवरी में पाकिस्तान की मेजबानी में हुई आईसीसी की चैंपियंस ट्रॉफी दुबई में खेलकर जीती थी। पाकिस्तान टीम भी 2026 के टी-20 वर्ल्ड कप मॉडल पर खेला जाएगा। पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में होंगे। इस टूर्नामेंट में भारत-पाक की विमेंस टीम लीग में आमने-सामने होंगी। यह मैच भी श्रीलंका में खेला जाएगा। इतना ही नहीं, पाकिस्तान टीम अगर नॉकआउट स्टेज में पहुंची तो यह मुकाबले भी श्रीलंका में ही खेले जाएंगे। 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद से भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज बंद हैं। अब दोनों टीमें केवल आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट में एक-दूसरे का सामना करती हैं। ऐसे में जब भी भारत-पाकिस्तान मैच होता है तो दुनियाभर के क्रिकेट फैंस की नजरें इस मुकाबले पर टिकी होती हैं। ऐसे में आयोजक और ब्रॉडकास्टर भारत-पाकिस्तान मैच से ज्यादा से ज्यादा कमाई करते हैं।2008 में आखिरी बार पाकिस्तान गई थी टीम इंडियाः टीम इंडिया ने 2008 में आखिरी बार पाकिस्तान का दौरा किया था। 3 टेस्ट मैचों की उस सीरीज को भारतीय टीम ने 1-0 से जीता था। इस सीरीज के 2 मैच ड्रॉ रहे थे। 2013 में द्विपक्षीय सीरीज खेलने भारत आया था पाकिस्तानः पाकिस्तान ने 2012-13 में भारत का आखिरी दौरा किया था। उस दौरे पर 3 वनडे और 2 टी-20 मैचों की द्विपक्षीय सीरीज खेली गई थी। वनडे सीरीज को पाकिस्तान ने 2-1 से जीता था, जबकि टी-20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर रही थी।

वर्ल्ड चैंपियन गुकेश ने नंबर वन कार्लसन को फिर हराया, एक महीने में लगातार दूसरी जीत

नयी दिल्ली। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश ने गुरुवार को क्रोएशिया के जाग्रेब में चल रहे ग्रैंड चेस टूर्नामेंट के छठे राउंड में नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को हराया। गुकेश पहले दिन कार्लसन के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर थे। अब वर्ल्ड नंबर 1 को हराकर 10 अंकों के साथ बढ़त पर आ गए हैं। यह गुकेश की कार्लसन पर लगातार दूसरी जीत है। पिछले महीने उन्होंने कार्लसन को नॉर्वे शतरंज में हराया था।गुकेश को टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में पोलैंड के डूडा ने 59 चालों में मात दी थी। इसके बाद गुकेश ने वापसी की। उन्होंने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा और हमवतन प्रज्ञानंद को हराया। टूर्नामेंट के चौथे और पांचवें राउंड में गुकेश ने उज्बेकिस्तान

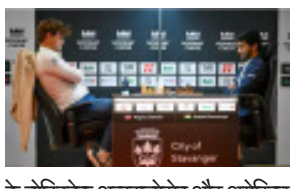

के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और अमेरिका के फेबियानो करूआना को हराया था, जिसके बाद उनका मुकाबला कार्लसन से हुआ।मुकाबले से पहले वर्ल्ड नंबर कार्लसन ने भारतीय खिलाड़ी को कमजोर कहा था। उन्होंने कहा था, 'मुझे लगता है कि गुकेश पिछली बार यहां काफी अच्छा खेले, लेकिन यह साबित होना बाकी है कि वे इस फॉर्मेट में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। हमारे पास बहुत ही मजबूत फील्ड है। गुकेश ने ऐसा कुछ नहीं किया है जिससे यह पता चले कि वह ऐसे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। लेकिन इस टूर्नामेंट में उसके साथ खेलते हुए, मैं इसे इस तरह से देखूंगा जैसे कि मैं संभवतः सबसे कमजोर खिलाड़ियों में से एक के साथ खेल रहा हूं।' 25 जून को 9 साल के आरित कपिल ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के साथ ड्रॉ खेला था। दिल्ली के रहने वाले आरित ने ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूसडे' में कार्लसन को ड्रॉ पर रोक दिया। आरित इस मुकाबले में पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन पर भारी पड़ते नजर आ रहे थे, उन्हें पूरी तरह हार की स्थिति में पहुंचा दिया था। हालांकि, मैच के आखिरी पलों में आरित के पास समय बहुत कम बचा था। सिर्फ कुछ सेकंड बचे होने के कारण वे अपनी बढ़त को जीत में नहीं बदल सके और मुकाबला ड्रॉ हो गया।पिछले महीने 2 जून को नॉर्वे चेस टूर्नामेंट के छठे राउंड में गुकेश ने वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को हराया था। गुकेश की क्लासिकल चेस में कार्लसन के खिलाफ पहली जीत थी।

गौतम गंभीर फिर सवालों के घेरे में, चुनी ऐसी प्लेइंग 11 कि गावस्कर, शास्त्री और गांगुली भी चिढ़ गए

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन को लेकर काफी बातें हो रही हैं। टीम में तीन नए चेहरे नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर और आकाश दीप को शामिल किया गया है। वहीं, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है और फॉर्म में चल रहे स्पिनर कुलदीप यादव को टीम में जगह नहीं मिली है। इस वजह से सौरव गांगुली, सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री जैसे दिग्गज क्रिकेटरों ने टीम के चयन पर सवाल उठाए हैं।पिछले 9 टेस्ट मैचों में भारत सिर्फ एक ही मैच जीत पाया है। यह टीम का पिछले दस सालों में सबसे खराब प्रदर्शन है। पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने भारत को पांच विकेट से हराया था। टीम इंडिया के चयन पर कई दिग्गजों ने अपनी राय रखी है। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने स्पिन गेंदबाजों के चयन पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि भारत अपने दो सबसे अच्छे स्पिनरों को खिला रहा है या नहीं।गांगुली ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि भारत अपने दो सर्वश्रेष्ठ स्पिनरों के साथ खेल रहा है या नहीं। इंग्लैंड ने पहले फील्डिंग करने का फैसला किया है - यह आश्चर्य की बात है। लेकिन यह भारत के लिए सबसे अच्छा मौका हो सकता है।

मानसून में कार-बाइक चलाते हुए सावधानःबारिश में बढ़ता एक्सीडेंट का रिस्क, ये 6 गलतियां न करें, 11 जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली। बारिश का मौसम तपती गर्मी से राहत देता है। लेकिन यह सड़क पर सफर को काफी चुनौतीपूर्ण बना देता है। बारिश के दौरान सड़कों पर पानी और कीचड़ जमा हो जाता है, जो कई बार वाहन चालकों के लिए खतरा बन जाते हैं। ऐसे में मानसून के दिनों में वाहन चलाते समय अतिरिक्त सतर्कता और सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। हम बात करेंगे कि बारिश के दौरान वाहन चलाना क्यों रिस्की हो जाता है। सड़कों पर जमी धूल-मिट्टी बारिश के बाद एक फिसलन भरी परत में बदल जाती है। ऐसे में वाहन के फिसलने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। साथ ही भीगी सड़कों पर ब्रेक लगाने के लिए सामान्य से अधिक दूरी की जरूरत होती है। इस दौरान अचानक ब्रेक लगाना खतरनाक साबित हो सकता है। तेज बारिश के दौरान विजिबिलिटी बेहद कम हो जाती है। वहीं सड़कों पर जलभराव के कारण गड्ढे नजर नहीं आते। इससे वाहन का बैलेंस बिगड़ सकता है या फिर पानी में फंस सकता है।अपनी और सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए मानसून के दौरान वाहन चलाने से पहले उसके कुछ पार्ट्स की जांच जरूर कराएं। जैसेकि- बारिश में फिसलन भरी सड़कों पर सुरक्षित ड्राइविंग के लिए टायर की पकड़ यानी ग्रिप अच्छी होनी चाहिए। इसके लिए टायर का ट्रेड कम-से-कम 3एमएम होना चाहिए। घिसे हुए टायर फिसलन का खतरा बढ़ा देते हैं। साथ ही हर बार वाहन चलाने से पहले टायर प्रेशर भी जरूर चेक कराएं।फिसलन भरी सड़कों पर वाहन की ब्रेकिंग क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे में अगर वाहन का ब्रेक सिस्टम पहले से ही खराब है तो हादसे का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए मानसून से पहले ब्रेक पैड, डिस्क और ब्रेक ऑयल की स्थिति की अच्छी तरह जांच करवाएं।भारी बारिश में विजिबिलिटी कम हो जाती है। इसे बनाए रखने के लिए अच्छे और

तेज वाइपर होने चाहिए। घिसे या पुराने वाइपर तुरंत बदल दें।एक्सीडेंट के खतरे से बचने के लिए कम विजिबिलिटी में भी दूसरों को दिखना और दूसरों को देखना दोनों जरूरी है। इसके लिए बारिश से पहले हेडलाइट, टेललाइट और इंडिकेटर जरूर चेक कराएं।कार की विंडशील्ड पर धुंध जमने से विजिबिलिटी कम हो जाती है। इसलिए मानसून से पहले डिफॉगर और एयर कंडीशनिंग सिस्टम को पूरी तरह से फिट रखें।बारिश में वाहन चलाने के दौरान छोटी सी भी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में चाहे आप कार चला रहे हों या बाइक, इस मौसम में सतर्क रहना जरूरी है।भीगी सड़कों पर तेज रफ्तार से वाहन चलाना बेहद खतरनाक हो सकता है। बारिश में टायरों की पकड़ कम हो जाती है, जिससे अचानक ब्रेक लगाने पर वाहन फिसल सकता है या कंट्रोल खो सकता है। इसलिए बारिश में हमेशा अपनी स्पीड कम रखें और सामने वाले वाहन से पर्याप्त दूरी बनाए रखें।अचानक ब्रेक लगाने या तेजी से स्टीयरिंग घुमाने से वाहन स्किड कर सकता है, खासकर जब सड़क पर पानी जमा हो। इसलिए हल्के और धीरे-धीरे ब्रेक लगाएं और मोड़ों पर सावधानी से स्पीड कम करें।बारिश में वाहन चलाते समय जब पता न हो कि पानी कितना गहरा है तो जलभराव वाले रास्तों से गुजरने की कोशिश न करें। गहरे पानी में वाहन बंद हो सकता है, इंजन में पानी जा सकता है या आप कंट्रोल खो सकते हैं। इसके लिए अगर संभव हो तो वैकल्पिक रास्ता चुनें।कम विजिबिलिटी में खासकर भारी बारिश या कोहरे में, हेडलाइट्स का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। सिर्फ यह आपको रास्ता देखने में मदद नहीं करता, बल्कि यह सुनिश्चित करता है कि अन्य ड्राइवर आपको देख सकें। फॉग लाइट्स हों तो उनका भी इस्तेमाल जरूर करें।बारिश में ओवरटेक करना बहुत जोखिम भरा हो सकता है। भीगी सड़क और कम विजिबिलिटी में सही निर्णय लेना मुश्किल हो सकता है। इसलिए ओवरटेक करने की जल्दबाजी न करें और अन्य वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें।वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमेशा खतरनाक होता है। लेकिन मानसून में यह और भी ज्यादा जोखिम भरा हो जाता है। इसलिए ड्राइविंग के दौरान फोन का इस्तेमाल करने से बचें और अपना पूरा ध्यान सड़क पर रखें। हमेशा याद रखें, सावधानी हटी, दुर्घटना घटी।बारिश में पैदल सड़क पर निकलते समय कुछ अतिरिक्त सावधानियां बरतनी चाहिए। जैसेकि- बारिश से बचने के लिए छाता या रेनकोट का इस्तेमाल करें। बाहर निकलते समय चमकदार या गहरे रंग के रंग के कपड़े पहनें। ऐसे जूते पहनें, जो फिसलन और पानी से बचा सकें। काले रंग के छाते की बजाय चमकदार रंग का छाता चुनें, जो दूर से ही नजर आए। अगर फुटपाथ पर पानी जमा है तो धीरे चलें और हर कदम सावधानीपूर्वक रखें। अगर सड़क पर पानी जमा है और आपको गहराई का अंदाजा नहीं है तो उस रास्ते से बचें। पानी भरे रास्तों पर चलते समय वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। हमेशा बिजली के खंभों और तारों से दूरी बनाए रखें। जब सड़क पार कर रहे हों तो अतिरिक्त सावधानी बरतें। चलते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।

हिसार की इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा ने जीता गोल्ड,बीजेपी नेता पति से विवाद के बाद पहली बार रिंग में उतरी,एक-दूसरे पर एफआईआर करा चुके

हिसार। हरियाणा की इंटरनेशल बॉक्सर स्वीटी बूरा ने हैदराबाद में हुई अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। स्वीटी का अपने

पति एवं भारतीय कबड्डी टीम के पूर्व कप्तान दीपक हुड्डा के साथ विवाद चल रहा है। दोनों के बीच महिला थाने में मारपीट भी हो चुकी है। लंबे समय से चल रहे इस विवाद के बाद स्वीटी पहली बार रिंग में उतरीं। चैंपियनशिप में मेडल जीतने के बाद स्वीटी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भावुक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने कहा कि मेरा ये मेडल उन सभी लड़कियों के नाम है, जो घरेलू हिंसा के खिलाफ खड़ी होकर अपने लिए आवाज उठाने का साहस रखती हैं। बता दें कि हिसार की रहने वाली इंटरनेशनल बॉक्सर स्वीटी बूरा और इंटरनेशनल कबड्डी टीम के पूर्व कैप्टन व रोहतक निवासी दीपक हुड्डा की शादी 3 साल पहले हुई थी। दोनों ने एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में केस भी दर्ज करा रखा है। तलाक का मामला भी कोर्ट में विचाराधीन है। स्वीटी और दीपक इस वक्त बीजेपी नेता हैं। दीपक ने महम सीट से पिछला विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन चुनाव हार गए थे। वहीं स्वीटी बरवाला सीट से टिकट मांग रही थीं लेकिन भाजपा ने इनकार कर दिया।यह चैंपियनशिप 27 जून से 1 जुलाई तक हैदराबाद में हुई थी। एलीट वुमन नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वीटी बूरा ने फाइनल मुकाबले में रेलवे की अलफिया पठान को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। वहीं, सेमीफाइनल में स्वीटी ने ऑल इंडिया पुलिस टीम की बबीता को भी 5-0 से शिकस्त दी। इस चैंपियनशिप में स्वीटी ने 75 से 80 किलोग्राम भार वर्ग में भाग लेते हुए स्वर्ण पदक जीता है।अब स्वीटी वर्ल्ड, एशियन, कॉमनवेल्थ के लिए होने वाले ट्रायल की तैयारी शुरू करेंगी। वर्तमान में स्वीटी बूरा रोहतक स्थित नेशनल बॉक्सिंग एकेडमी में कोच शिलवा और दलबीर के पास अभ्यास कर रही हैं। स्वीटी बूरा ने अपनी उपलब्धि का श्रेय पूरी बॉक्सिंग फैमिली, बॉक्सिंग फेडरेशन, रोहतक साईं के पूरे स्टाफ और बॉक्सिंग कोच को दिया है।स्वीटी बूरा और दीपक हुड्डा की 8 जुलाई 2022 में शादी हुई थी। फरवरी में स्वीटी बूरा ने हिसार में पति दीपक हुड्डा पर दहेज उत्पीड़न की FIR कराई। इसमें स्वीटी ने कहा था कि पति हुड्डा ने उसके साथ मारपीट की। शादी में एक करोड़ और फॉर्च्यूनर देने के बावजूद उसे कम दहेज के लिए प्रताड़ित किया। शादी के बाद जब वह ससुराल पहुंची तो दीपक की बहन ने ताना दिया कि तेरे पिता ने हमारी हैसियत के मुताबिक दहेज नहीं दिया। शादी के बाद उन पर बॉक्सिंग छोड़ने का दबाव बनाया जाने लगा। उन्हें कहा गया कि वह घर के काम करें। इसके बाद मार्च में दीपक हुड्डा ने भी स्वीटी बूरा पर रोहतक में फ्रॉड की एफआईआर कराई थी। इसमें उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा- मैंने सेक्टर 1-4 हिसार में एक प्लॉट लिया था। इसकी सारी पेमेंट मैंने की। मगर, प्लॉट सिर्फ मेरे नाम के बजाय मेरे और स्वीटी के नाम पर रजिस्टर करा दिया गया। स्वीटी के पिता महेंद्र बूरा ने ब्याज पर देने के बहाने मुझसे लाखों रुपए ठगे। एक बार छोटी बहस होने पर उन्होंने मुझ पर चाकू से हमला कर दिया। इससे मुझे टांके लगे। एक बार उसने सोते हुए हमला कर दिया। इसमें मेरा सिर फट गया। स्वीटी को जब 17 दिसंबर 2024 को अर्जुन पुरस्कार मिला तो उसके बाद वह बहन सीवी बूरा के साथ घर छोड़कर चली गई।15 मार्च को हिसार पुलिस ने स्वीटी की शिकायत पर दीपक हुड्डा को पूछताछ के लिए महिला थाने बुलाया था। यहां दोनों को आमने-सामने बैठाया गया। इसके बाद अचानक स्वीटी बूरा, उनके पिता और मामा पर दीपक हुड्डा से मारपीट की एफआईआर दर्ज कर ली गई। पुलिस ने इस मामले में स्वीटी बूरा को थाने बुलाया था। इसके बाद खुलासा हुआ कि स्वीटी ने दीपक से मारपीट की थी। इसका वीडियो भी सामने आया था। स्वीटी ने पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की, मारपीट की बात नकारी इसके बाद स्वीटी बूरा ने हिसार में पति से विवाद के बाद पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें स्वीटी ने कहा था कि उन्होंने दीपक से कोई मारपीट नहीं की। हिसार के एसपी और दीपक हुड्डा मिले हुए हैं। उन पर झूठा केस दर्ज किया गया है। उन्होंने यह भी कहा था कि थाने का वीडियो सार्वजनिक होने का मतलब यह है कि इस केस में दीपक के साथ हिसार एसपी मिले हुए हैं।हिसार की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर स्वीटी बूरा ने महिला पुलिस थाने में पति और इंडियन कबड्डी टीम के पूर्व कैप्टन दीपक हुड्डा से मारपीट की थी। 15 मार्च को हुई इस घटना का डेढ़ मिनट का वीडियो सोमवार को सामने आया।हरियाणा में पूर्व वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर स्वीटी बूरा और उनके पति पूर्व कबड्डी प्लेयर दीपक हुड्डा के बीच विवाद चल रहा है। इस बीच दीपक हुड्डा ने बाएं हाथ पर बनवाया स्वीटी बूरा का टैटू हटवा दिया है। उन्होंने 25 फरवरी 2020 को स्वीटी बूरा के जन्मदिन से पहले फेमस टैटू आर्टिस्ट से टैटू बनवाया था। इसके बाद स्वीटी को सरप्राइज दिया था।

उपचार में दवाओं के बजाय हमदर्दी तेजी से काम करती है

मुझे याद तक नहीं कि कितनी बार मैं झुकी-सी कमर और थकान वह मरीज की बात सुनने में देते थे। यह बिल्कुल वही बात है, जो मरीजों को महज 2 रुपए में परामर्श देना शुरु किया और फिर

के साथ नागपुर के हमारे पारिवारिक चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. हरिदास की डिस्पेंसरी में गया था। लेकिन मुझे यह याद है कि इसमें से 90 फीसदी दफा मैं उसी डिस्पेंसरी से महज 20 मिनट में सीधी कमर के साथ मुस्कराता और कूदता हुआ बाहर निकला। सबसे पहले डॉक्टर मेरे सिर पर हाथ फेरते। फिर मुझसे जीभ बाहर निकालने के लिए कहते और टॉर्च से इसके भीतर ऐसे देखते, जैसे मैं वहां कुछ छिपा रहा हूं। फिर वह अपने स्टेथोस्कोप से मेरे दिल और फेफड़ों की जांच करते। वह अपने साफ सुथरे मैनिक्योर किए हाथों से मेरी कलाई पकड़ते और उस समय में मुझसे कुछ ऐसी बातें करते रहते, जिनका मेरी बीमारी से कोई लेना-देना नहीं होता था। वह पूछते कि मैंने आज क्या खाया, कौन-सा विषय मेरे लिए बहुत कठिन है या सरल है। कौन-सा शिक्षक मुझे सबसे ज्यादा पसंद है इत्यादि। अंततः वो मुझे एक गोली देकर इसे अपने सामने ही खाने के लिए कहते, इस भरोसे के साथ कि 'ये गोली तुम्हारे भीतर एक जादू करेगी। तुम यहां से 10 मिनट में ही नाचते-कूदते चले जाओगे।' मैं कभी महसूस ही नहीं कर पाया कि मेरी बीमारी ठीक होने के जादू का कारण उनकी दी हुई गोली नहीं थी, बल्कि उनके जादुई शब्द और वो धैर्य था, जो

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सोमवार एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 'एक दयालु डॉक्टर सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी उपचार करता है। सहानुभूति भरी देखभाल मरीज की रिकवरी को तेज करती है। एक डॉक्टर का धैर्य और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करता है।' उन्होंने चिकित्सा को महज एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा करार दिया। राष्ट्रपति ने समारोह में ग्रेजुएशन कर रहे विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जैसे राष्ट्रपति ने जिक्र किया, वैसे सैंकड़ों चिकित्सक देश में हैं और उनमें से एक स्वर्गीय डॉ. वी बालासुब्रमणियम मुझे अच्छी तरह से याद हैं, जो '20 रुपए वाला डॉक्टर' के नाम से मशहूर थे। एक ऐसा व्यक्ति जो गरीबों के लिए भगवान था। नवंबर 2016 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनके घर और डिस्पेंसरी की गलियों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, जो अपने प्यारे '20 रुपए वाले डॉक्टर' को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कभी भी अपने मरीजों से उपचार के लिए 20 रुपए से अधिक फीस नहीं ली। पहले उन्होंने अपने

इसमें कई वर्षों तक बहुत मामूली बढ़ोतरी करते रहे। 2014 तक भी वह मरीज से महज 10 रुपए ही लेते थे। देश में आज भी उनके जैसे कई सारे चिकित्सक हैं। डॉ. एस. एम. जियाउर्रहमान जब दिल्ली के एक बेहद प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में कार्यरत थे, तो उनके पास बिहार के खगड़िया से एक बेहद गरीब मरीज आया। जियाउर्रहमान स्वयं भी वहीं के रहने वाले थे। मरीज अपने उपचार के लिए करीब 1200 किलोमीटर की यात्रा कर उनके पास पहुंचा। इसी के कारण वह दिल्ली की अपनी मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ कर अपने गृह नगर में सिर्फ 50 रुपए में मरीजों का इलाज करने के लिए प्रेरित हुए। पिछले 35 वर्षों से बिहार के बरबीघा गांव के डॉ. रामानंद सिंह, पटना के डॉ.एजाज अली, आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले की डॉ. नूरी परवीन, कर्नाटक के डॉ. शंकरे गौड़ा इतनी कम फीस लेते हैं, जिसमें सड़क किनारे की गुमठी से एक कप चाय भी नहीं खरीदी जा सकती। लेकिन जब हम देश के सरकारी अस्पतालों के गलियारों में मदद के लिए गूंजती मरीजों की करुण पुकार सुनते हैं तो ये डॉक्टर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराते ?हैं। फंडा यह है कि शायद ये चिकित्सक जानते हैं कि एक प्रगतिशील राष्ट्र के लिए स्वस्थ आबादी कितनी जरूरी है। और इसीलिए वे हमदर्दी से इतने भरे हुए हैं।

जीवन रुकता नहीं, लेकिन सुरक्षा के लिए थोड़ा ठहरना होगा

हमारे आसपास का जीवन बहुत असुरक्षित हो गया है। महामारी से संस्थाएं करें तो क्या करें? मुझे लगता है समय आ गया है कि तमाम मूल्यों चाहिए। अभी पिछले ही साल दिल्ली की बारिश में कितने छात्रों ने लाइब्रेरी

उबरी दुनिया ने यह नहीं सोचा होगा कि हवाई जहाज की यात्रा लगातार डरावनी होती जाएगी या उसकी जगह हेलीकॉप्टर से की गई यात्रा आखिरी यात्रा साबित होगी और इन सबसे अगर कोई बच गया तो वह पुल ही धंस जाएगा जो जीवन को पार लगाएगा।अगर फिर भी सांस रही तो कोई सड़क दुर्घटना हो जाएगी या गर्मी में एयर कंडीशनर ही फट जाएगा। और तो और, वैक्सीनेशन के कवच में सुरक्षित लोग जब दौड़ेंगे, खेलेंगे या वर्जिश करेंगे तो उनके आसपास वह डेटा बड़बड़ाता आ जाएगा, जो यह बताएगा कि आज किसी भी उम्र में, किसी की भी धड़कन थम सकती है। ऐसे में इस अनिश्चितता का सामना कैसे किया जाए? जीवन तो रुकता नहीं है। तो अगर किसी की पहली हवाई यात्रा मौत और जिंदगी की उड़ान के बीच लैंड करे तो सोचिए उस यात्री का क्या हाल हुआ होगा। और उनका क्या जो हर बार किसी पुल से गुजरते वक्त घबरा जाएंगे! अभी तो एयर क्रैश के बाद भी इमरजेंसी लैंडिंग का सिलसिला जारी है। क्या एयर क्रैश, एक्सीडेंट्स, पुलों का गिरना एक न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है? क्या सेफ्टी के मूल्य को दरकिनार कर जीवन चलने का नाम है की आड़ में यूं ही मौत का सिलसिला जारी रहेगा? आखिर ऐसी परिस्थिति में तमाम

में सेफ्टी के मूल्य को संस्थाएं टॉप मोस्ट मूल्य बनाएं। क्योंकि बैलेंस शीट और लाभ, टारगेट, रेवेन्यू के जमाने में मुनाफा कमाने का अत्यधिक दवाब चारों तरफ है। एक हवाई जहाज की कितनी उड़ान बनती है और उससे कितना पैसा आता है; उससे ज्यादा जरूरी है यह देखना कि सुरक्षा मानकों को ठीक से फॉलो किया जा रहा है या नहीं? क्या यह संभव है कि कोई कंपनी सारे सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न करे और अपनी एक के बाद एक उड़ानें रद्द कर दे? या किसी कारखाने में बिना सेफ्टी शूज, बेल्ट, ग्लासेस, हेलमेट के मैनेजमेंट से लेकर अंतिम आदमी तक प्रवेश न कर पाए? आखिर सुधार की सुगबुगाहट विध्वंस के बाद ही क्यों होती है? सुरक्षा हमारा सामाजिक व्यवहार क्यों नहीं बन पा रही है? कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण का समर्थन करने वाले एक लेख में लेखक मानते हैं कि सुरक्षा संस्कृति कंपनी अभ्यास में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। जैसा कि हेल और होवडेन ने कहा भी है कि हम आजकल 'सुरक्षा के तीसरे युग' में रहते हैं, जिसमें अब केवल तकनीकी (पहला युग) या संगठनात्मक उपायों (दूसरा युग) पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता है। सुरक्षा पर ध्यान करना ही मुख्य रूप से संस्कृति और मानव व्यवहार का हिस्सा बनना

के बेसमेंट में जलसमाधि ले ली, कितने अस्पतालों के एसी फट गए, कितने पुल गिर गए, रेल हादसे भी हुए। ऐसे में एक व्यक्ति के लिए जीवन दिनों-दिन असुरक्षा की भावना से भरता जा रहा है। ऐसे युग मे जहां हर व्यक्ति-वस्तु का आर्थिक मूल्य ही वास्तविक मूल्य बना हुआ है; सुरक्षा के मूल्य को सामाजिक व्यवहार बनाना आसान नहीं है। पर हमें यह करना तो पड़ेगा ही। इसलिए आवश्यक है कि हर स्तर पर व्यक्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि बनाया जाए और इससे कोई समझौता न किया जाए। भारत में कार बनाने वाली कंपनियों में से कुछ की गाड़ियां सुरक्षा मानक में सर्वोपरि होती हैं। अब तो ऑटो कंपनियां ऐसी गाड़ियां भी बना रही हैं कि अगर ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं लगाया तो वह स्टार्ट ही नहीं होगी। कुछ व्यापार-समूहों ने भी स्पीड के साथ सेफ्टी को प्रथम मूल्य बनाया है और उनके प्लांट्स या कॉलोनीज में व्यक्ति की सुरक्षा उस सेफ्टी मूल्य से निर्धारित होती है। जापानी कंपनियां भी सुरक्षा को सर्वोच्च मानती हैं। तो क्या एविएशन या रेल में ऐसा नहीं हो सकता? दो उड़ानों के बीच में हवाई जहाज को उचित समय दिया जाए, ताकि सुरक्षा को लेकर कोई अनदेखी न हो। अगर सरकार के मानक सख्त हो जाएंगे तो मानवीय या तकनीकी गलती से होती दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

क्या हमने जेपी आंदोलन के सवालों पर गौर किया है?

(अभय कुमार दुबे) इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में अपनी कुर्सी बचाने के लिए थोपे गए आपातकाल की

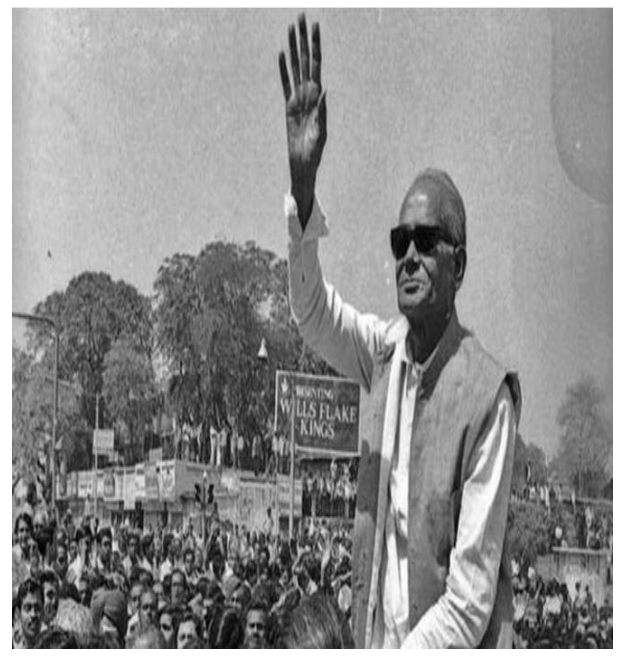

जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। मैं, मेरे पिता और मेरा परिवार भी आपातकाल में राजनीतिक उत्पीड़न का शिकार रहा है। लेकिन क्या आपातकाल से हमने, हमारे नेताओं ने और हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली ने कोई सबक सीखा है? इस सवाल का जवाब आपातकाल में जेल गए लोगों के अनुभव से पैदा हुई तल्खी से परे जाता है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि आपातकाल लगाने की नौबत जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चले 1974 के आंदोलन की बदौलत आई थी। इस आंदोलन के मर्म में लोकतांत्रिक राजनीतिक सुधारों का प्रश्न था। आज हम चाहें तो इस प्रश्न को इस रूप में समझ सकते हैं कि उस जमाने के आंदोलनकारी छात्र और युवा पूछ रहे थे कि हमारा प्रतिनिधि कैसा होना चाहिए? अगर वह अच्छे प्रतिनिधि की कसौटियों पर खरा नहीं उतरता तो क्या जनता को अपने प्रतिनिधि की वापसी का अधिकार नहीं देना चाहिए? क्या चुनाव में होने वाले राजनीतिक भ्रष्टचार को नियंत्रित करने वाली संहिताएं नहीं बननी चाहिए? क्या पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र नहीं होना चाहिए? क्या सत्ता पाने के लिए धनबल और बाहुबल का उन्मूलन करने के संस्थागत बंदोबस्त नहीं होने चाहिए? क्या धर्म और जाति के आधार पर वोटों की गोलबंदी पर रोक नहीं लगनी चाहिए? आपातकाल के बाद भी कांग्रेस 19 साल सत्ता में रही है। भाजपा भी 17 साल सत्ता भोग चुकी है। हर तरह की क्षेत्रीय पार्टी किसी न किसी रूप में प्रदेश या केंद्र में कभी न कभी सत्ता प्राप्त कर चुकी है। क्या इनमें से कोई पार्टी आज कह सकती है कि उसने जेपी आंदोलन द्वारा उठाए गए सवालों पर कभी गौर किया है, या उनके आधार पर अपने घोषणापत्र बनाए हैं? वास्तविकता में जो हुआ, वह उस आंदोलन के शब्दों और भावनाओं का ठीक उल्टा है। पिछले पचास साल में भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता में लगातार गिरावट आई है। 1975 में पक्ष हो या विपक्ष, चुनाव आयोग एवं अन्य वैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर कोई संदेह नहीं करता था। पत्रकार का मुख्य काम सत्ता से सवाल पूछना था, न कि वह उसे क्लीन चिट देते हुए विपक्ष को कोने में धकेलता हुआ दिखता था। अर्थव्यवस्था के जो भी आंकड़े होते थे, उन पर कोई संदेह नहीं करता था। आपातकाल के महीनों को छोड़ दिया जाए तो संसद में कानून बनाने की प्रक्रिया अधिक लोकतांत्रिक और स्वस्थ विचार-विमर्श पर आधारित थी।

विपक्ष-मुक्त भारत बनाने के दावे खुलेआम नहीं किए जाते थे। कॉर्पोरेट पूंजी सत्ता की संरचनाओं को नियंत्रित करते हुए नहीं देखी जाती थी। पार्टियां अपना सांगठनिक विस्तार दलबदल के जरिए नहीं करती थीं। एक राज्यसभा चुनाव में सौ करोड़ से भी ज्यादा खर्च किए जाएंगे, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। राजनीति से जुड़े प्रभावशाली लोग आपराधिक प्रकरणों में लिप्त दिखाई देंगे, सोचना भी कठिन था। क्या यह अजीब नहीं लगता कि लोकतंत्र के चौतरफा विकृतीकरण के इस भीषण दौर में आपातकाल के दौरान जेल गए लोग स्वयं को नागरिक और राजनीतिक अधिकारों के अग्रदूत के तौर पर पेश करते हैं? जो लोग तब जेल में थे (चाहे वे पत्रकार हों या नेता), उन्होंने लोकतंत्र को समृद्ध करने की दिशा में कदम उठाया है? आपातकाल का जो राजनीतिक इतिहास पेश किया जा रहा है, वह भी तथ्यात्मक दृष्टि से सही नहीं है। 1977 में इंदिरा गांधी अलोकप्रिय जरूर थीं, लेकिन केवल उत्तर भारत में। दक्षिण ने उस चुनाव में भी कांग्रेस को 150 से ज्यादा सीटें दी थीं। सत्ताच्युत हो जाने के बावजूद कांग्रस को 34.52फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। यानी, 2014 में भाजपा की जीत से भी अधिक। आपातकाल के ढाई साल बाद कांग्रेस 353 सीटें जीतकर सत्ता में लौट आई। उसे 42.69फीसदी वोट मिले, जो भाजपा को आज तक नहीं मिले हैं। तो क्या वास्तव में देश की जनता ने 1977 में नागरिक आजादियों के छिन जाने से नाराज होकर वोट दिया था? क्या वह वोट इमरजेंसी-विरोधी था, या उसका चरित्र महज नसबंदी विरोधी था? कांग्रेस केवल उन्हीं इलाकों में हारी थी, जहां जबरिया नसबंदी कार्यक्रम चलाया गया था। इसी से जुड़ा व्यापक प्रश्न है कि क्या आमजन को अपनी राजनीतिक आजादियां उतनी ही और उसी तरह से प्यारी हैं, जिस तरह हम सिद्धांततः मानना पसंद करते हैं? सच यह है कि इमरजेंसी से किसी ने कोई सबक नहीं सीखा। न उन्होंने जिन्होंने लगाई थी, न उन्होंने जिन्होंने तथाकथित दूसरी आजादी के लिए संघर्ष किया था। अब भी मौका है कि इमरजेंसी के कड़वे अनुभव की रोशनी में हम अपनी लोकतांत्रिक संहिताओं को दोबारा लिखने पर गम्भीरतापूर्वक विचार शुरू कर दें। अब भी मौका है कि इमरजेंसी के कड़वे अनुभव की रोशनी में हम अपनी लोकतांत्रिक संहिताओं को दोबारा लिखने पर विचार शुरू कर दें। अगर हमने ऐसा न किया तो हमारा लोकतंत्र एक आत्माविहीन शरीर जैसा ही रहेगा।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अमेरिका में अब समाजवाद क्यों लोकप्रिय हो रहा है?

(शेखर गुप्ता) जोहरान ममदानी चर्चा के विषय बनने वाले हैं। दुनिया के सबसे

उदार, शक्तिशाली और समृद्ध यहूदी-बहुल शहर की बागडोर उनके हाथों में आने वाली है। वे गाजा के समर्थक हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति के अपने इलाके में जबरदस्त ट्रम्प-विरोध को बुलंद करते हैं और डेमोक्रेटिक लेफ्ट की पैरोकारी करते हैं।ट्रम्प ने उन्हें 'सौ फीसदी कम्युनिस्ट पागल' कहा है। ट्रम्प उनके उत्कर्ष के लिए डेमोक्रेटिक लेफ्ट की चार महिला नेताओं की 'चौकड़ी' को जिम्मेदार मानते हैं। वैसे ट्रम्प से अपमानित होने का न्यूयॉर्क में कोई बुरा नहीं मानता। लेकिन मैं ममदानी के कुछ प्रमुख चुनावी वादों की चर्चा करूंगा। वे बसों का किराया खत्म कर देंगे (दिल्ली, कर्नाटक, तेलंगाना और इसके बाद और सारे शहर गौर करें); सब्सिडी से बनाए गए 20 लाख आवासों का किराया 'फ्रीज' कर देंगे (हम अपने रेंट कंट्रोल एक्ट को याद करें); सार्वजनिक आवास विकास एजेंसी (भारत के हर शहर में डीडीए, म्हाडा, बीडीए आदि हैं) के जरिए तीन साल के अंदर दो लाख और आवास बनवाएंगे; छह सप्ताह के नवजात शिशुओं से लेकर पांच साल तक के बच्चों को व्यापक बाल सुरक्षा सेवा (आंगनवाड़ी?) उपलब्ध

करवाएंगे; और सरकारी किराना स्टोर खोलेंगे, जिनमें कम कीमत पर सामान मिलेंगे। आपको अपनी राशन की दुकानों, केंद्रीय भंडारों और सहकारी सुपर मार्केट की याद है न? इन सारे कार्यक्रमों को भारतीयों की दो पीढ़ियां समाजवादी राज्य-व्यवस्था की भारी नाकामियों के रूप में याद करती हैं। जिस तरह मैं 10 साल की उम्र में अपनी मां के साथ हर चीज खरीदने के लिए राशन की दुकान के आगे लाइन में खड़ा हुआ करता था, उस तरह अगर आप भी खड़े हुए होंगे तब आप समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं। इन सरकारी दुकानों में कामगार तबकों के लिए चीनी (1967 में प्रति व्यक्ति प्रति सप्ताह 200 ग्राम के हिसाब से), गेहूं से लेकर मीटर के नाप से कपड़े तक हर चीज उपलब्ध होती थी। आपने अपने शहरों में कामगार तबकों के लिए बनाए गए सरकारी आवासों को भी जरूर देखा होगा, जिन्हें कंक्रीट का स्लम कहा जाता है। हर शहर में आपको वे मिल जाएंगे। हमारी मुफ्त बस सेवाएं राज्य सरकारों की आर्थिक तंगी के कारण नाकाम हो रही हैं। ऐसी सारी योजनाएं जो अपने देश में विफल हो गईं, उन्हें ममदानी उस शहर में दोहराना चाहते हैं जिसे लाखों भारतीयों ने मुख्यतः आर्थिक शरणार्थी

विचार भारत से शायद ही लिए होंगे, और यह भी मुमकिन नहीं है कि उनके अभिभावकों ने इस सबका खुद बहुत अनुभव लिया होगा। लेकिन, जिस देश ने आधुनिक विश्व को पूंजीवादी सपना दिया और जो शहर तेज कामयाबी का प्रतीक माना जाता है, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है, वे सब डेमोक्रेटों के नियंत्रण में हैं। और ममदानी उस 'दस्ते' के भी बाएं खड़े हैं। जिस शहर को पूंजीवादी सफलता का ब्रांड-दूत होना चाहिए था, यह उसका विरोधाभास है। या ऐसा तो नहीं है कि इस तरह की सफलता अंततः समाजवाद के लिए जमीन तैयार करती है? कि आप इतने अमीर हो गए हैं कि समाजवाद की छूट दे सकते हैं? यूरोप ने जब खूब अमीरी हासिल कर ली तब धुर वामपंथ की ओर मुड़ गया था, और अब रास्ता बदल रहा है। समृद्ध समाजों में समाजवाद प्रवासियों को आकर्षित करता है और इसके साथ नस्ली, धार्मिक विविधताएं भी लाता है। सच कहें तो दूर देशों के जनजातीय आंतरिक

संघर्षों को भी ले आता है। इसके खिलाफ प्रतिक्रिया होती है और दक्षिणपंथ लौट आता है। ऐसा स्वेंडिनेविया में भी हुआ, जिसे सर्वश्रेष्ठ समाजवाद का घर माना जाता है। भारत की समस्या यह है कि बुरे विचारों ने इसका पीछा कभी नहीं छोड़ा। केवल अच्छे लोग और सर्वश्रेष्ठ दिमाग इसे छोड़कर चले गए। सबसे शानदार, सबसे महत्वाकांक्षी, उद्यमी भारतीयों ने अमेरिका को अपना घर बना लिया। वे हमारे फर्जी समाजवाद से नहीं, तो आखिर किससे भाग रहे थे? आज जो भी भारतीय 'डंकी रूट' की खातिर अपना जीवन जोखिम में डालता है, वह समाजवाद से भाग रहा होता है। जांच कीजिए कि सरकार वितरणवादी जनकल्याण पर कितना खर्च कर रही है और दक्षिणपंथी मानी गई भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय समाजवादियों की रेवड़ी संस्कृति को आज किस हद तक अपना लिया है। जिस देश ने विश्व को पूंजीवादी सपना दिया, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

पुकार! किसी के पास कान हो तो सुने!

हर तरफ बादल हैं। बारिश है। बाढ़ भी। पहाड़ों पर तबाही ज्यादा है। वे सरक रहे हैं। दरक रहे हैं। मैदानों में हमेशा की तरह कहीं भारी बारिश। कहीं बूंदा-बांदी। लेकिन बिहार जहां इन? दिनों अमूमन बाढ़ होती है, फिलहाल सूखा है। गर्मी है। चुनावी गर्मी। यहां चुनाव होने हैं अक्टूबर-नवम्बर में, लेकिन चुनावी गर्मी अभी से सिर चढ़कर बोल रही है। कभी विरोधी दलों के लोग, लालू यादव को चारा खाते दिखा रहे हैं। कहीं तेजस्वी और लालू, नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कस रहे हैं। सवाल पर सवाल। जवाब पर जवाब। बाकायदा एक-दूसरे के खिलाफ चौराहों पर पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं। दरअसल, बिहार में चुनाव, मुद्दों और मसलों पर कम, जातीय गणित के हिसाब से ज्यादा जीते जाते हैं। बारिश के दिनों में वर्षों से आधे से ज्यादा बिहार पानी में डूबा रहता है। लोग सड़कों पर अपना डेरा बांधते हैं और चौमासा वहीं गुजारते हैं। कोई स्थायी इलाज नहीं। कोई पुख्ता उपाय नहीं। कोई रहने-खाने का इंतजाम नहीं। जातीयता हर बाढ़ और हर आफत पर भारी है। इस जातीय गणित ने पूरे राज्य का बंटाधार कर रखा है। जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को वहां हराना है तो नीतीश कुमार और लालू यादव के राजद को साथ आना होता है। जहां तक राजद की बात है, बिहार में यादवों की संख्या या प्रतिशत काफी है, इसलिए लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश कुमार को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं। हालांकि राज्य की राजनीति में उनकी पार्टी का कोई ज्यादा योगदान नहीं रहा क्योंकि वे केंद्र की राजनीति में ज्यादा भरोसा करते हैं। जितने सांसद लड़ाते हैं, अक्सर सब के सब जीत ही जाते हैं। यहां अक्टूबर-नवंबर में होने वाले चुनाव के नतीजों का अंदाजा लगाया जाए तो लोगों का कहना है कि अगर कोई अनहोनी या आसमानी सुल्तानी नहीं हुई, तो ये नतीजे भी हरियाणा या बहुत हद तक महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से ज्यादा अलग नहीं होंगे। हरियाणा में भाजपा की एकतरफा जीत हुई थी जबकि महाराष्ट्र में मिली-जुली। महाराष्ट्र के नतीजे इस तरह आए थे कि भाजपा से उसके दोनों साथी यानी शिंदे सेना और अजित पवार किसी तरह की सौदेबाजी की सूरत में नहीं रहे थे। यही वजह है कि वहां फडणवीस

सरकार मजे से चल रही है। दोनों सहयोगी दलों में से एक बगावत भी कर ले तो सरकार की सेहत पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। इधर उत्तर भारत में रह-रहकर बादल बरस रहे हैं। गलियां, सड़कें सुड़क-सुड़क कर रही हैं। वाहन चीखें मार रहे हैं। दिन उगता है तो लगता है जैसे सूरज शर्मीला चम्पा का फूल हो! उठने से पहले ही जैसे डूबने को होता है। सांझ से ही सन्नाटा छा जाता है। बारिश की मंद-मंद फुहारें, जैसे पाला पड़ रहा हो! बूढ़ा आकाश शाम से ही ऊंघने लगता है। उसकी आंखों में नींद साफ देखी जा सकती है। कीचड़ और पानी के मिलन के बीच सड़कों पर पैदल चलते आदमी की तो पूछिए मत! वो सबको झेल रहा है। दोपहिया-चार पहिया वाहनों को भी और ऊपर से बरसते पानी को भी। सरकारें, प्रशासन और प्रशासनिक अफसर दुबके पड़े हैं। उन्हें किसी की पड़ी नहीं है। आम आदमी बेहाल है। अपनी पीड़ा किससे कहे? कहां जाए? सरकार में, प्रशासन में, मंत्री, संतरी, अफसर, बाबू, किसी के पास कान हों तो सुने! युगों-युगों से आम आदमी के तो दो ही मजबूत आसरे रहे हैं। पैरों में रास्ता और सिर पर आसमां। बड़ी बर्दाश्त है इसके भीतर। कभी बड़ा बेखौफ होकर बोलता था। अब उसके मुंह में मूंग ओर दिए गए हैं। उससे बोलते नहीं बनता। सबकुछ भीतर दबाए फिरता है। इधर से उधर। उधर से इधर। इस इधर-उधर में अक्सर भूल ही जाता है कि उसका सिरा आखिर कौन-सा है! ये आम आदमी जो वर्षों से सपने देख रहा था, उन्हें खुद ही धुलते हुए, बहते हुए देखने को विवश है। विवश है कि बड़े-बड़े वादे करके वोट ले जाने वाले लोग अचानक गायब हो जाते हैं और वे वादे वहीं गलियों में, टूटी-फूटी सड़कों पर पड़े कुचलते रहते हैं। सड़ते रहते हैं। फिर भी वह अपने ही सपनों को, अपने ही पैरों तले कुचलते हुए, दबते हुए देखता रहता है। उसे आजादी है तो सिर्फ इतनी कि इन मची हुई सड़कों, गलियों में सकुचाते हुए चलता भर रहे। बस! इससे ज्यादा कुछ नहीं। कुछ भी नहीं।बिहार में जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को हराना है तो नीतीश और लालू को साथ आना होता है। और लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं।

चिंतन कर रहे हों तो उस समय गहरी सांस लेते रहें

हम लोग अपनी बुद्धि का भी सही उपयोग नहीं कर पाते हैं। अधिकांश मौकों पर हमारी बुद्धि का संचालन मन करता है। जबकि

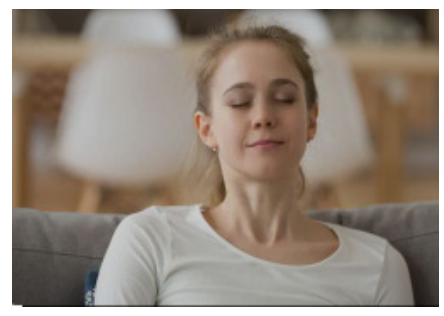

संचालन होना चाहिए मस्तिष्क, हृदय द्वारा। मन के कुटिल विचार बुद्धि को भी गलत रास्ते पर ले जाते हैं। सुबह घर से निकलने से पहले अपने ही नजरिए पर काम करिए। किसी विषय पर आप सोचते हैं कि ऐसा करें तो एक-दो बार यह भी सोचिए कि ऐसा क्यों ना करें। अलग-अलग नजरिए से देखने पर बुद्धि संतुष्ट होती है। उसे लगता है कि मेरा मालिक मुझे मांज रहा है, विकल्प दे रहा है, बुद्धिमान होने की तैयारी कर रहा है। और जब आप बुद्धि के साथ मन को हटाकर हृदय या मस्तिष्क के प्रभाव में काम करते हैं तो यह बिल्कुल ऐसा होता है जैसे गहराई में उतरना। बुद्धि को जब गहराई में ले जाएं किसी विषय की तो बेचैनी होगी, थकान होगी। लेकिन आंख बंद करके सांस को बुद्धि से जोड़िए। बुद्धि को यदि सांस का समर्थन मिला तो शायद मन का दुष्प्रभाव उस पर नहीं पड़ेगा। इसलिए जब चिंतन कर रहे हों तो गहरी सांस लेते रहें, आप उस समय बुद्धि का सदुपयोग कर जाएंगे।

बिहार वोटर लिस्ट संशोधन- इंडिया गुट चुनाव आयोग से मिलाःकहा- ईसी वोटबंदी कर रहा, ये लोकतंत्र के लिए खतरा, किसी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं

नयी दिल्ली। विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने बिहार में बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में संशोधन को 'वोटबंदी' का नाम दिया है। इंडिया ब्लॉक के 11 दलों के प्रतिनिधिमंडल ने इसे लेकर बुधवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की थी। इंडिया गुट चुनाव आयोग के सामने अपनी चिंताएं साझा करना चाहते थे, लेकिन इस मुलाकात से विपक्षी नेता खुश नजर नहीं आए। सीपीआई (एमएल) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा, 'चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद हमारी चिंताएं और भी बढ़ गई हैं, क्योंकि आयोग ने हमारे किसी भी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दिया।'कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पोस्ट में लिखा- 'आज इंडिया गठबंधन के प्रतिनिधियों ने बिहार में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया पर चुनाव आयोग से मुलाकात की। आयोग को यह बैठक मजबूरी में करनी पड़ी, क्योंकि पहले उन्होंने मिलने से मना कर दिया था। आयोग ने हर पार्टी से सिर्फ दो प्रतिनिधियों को ही अंदर जाने की अनुमति दी। मुझे भी करीब दो घंटे वेटिंग रूम में बैठना पड़ा।' उन्होंने आगे लिखा- 'पिछले 6 महीनों में चुनाव आयोग ने जिस तरह से काम किया है, उसने हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली की बुनियाद को ही कमजोर कर दिया है। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। यह विपक्ष की सुनवाई की मांग को बार-बार यूं ही नकार नहीं सकता। इसे संविधान के सिद्धांतों और प्रावधानों का पालन करना ही होगा।' जैसे प्रधानमंत्री की नवंबर 2016 की 'नोटबंदी' ने हमारी अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया था, वैसे ही चुनाव आयोग की 'वोटबंदी'- जो बिहार और अन्य राज्यों में एसआईआर के रूप में दिख रही है- हमारे लोकतंत्र को खत्म कर देगी। इंडिया गुट का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को चुनाव आयोग के दिल्ली स्थित कार्यालय निर्वाचन सदन पहुंचा था। इस प्रतिनिधि मंडल में कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, सीपी (एम), सीपीआई, सीपीआई(एमएल) लिबरेशन, एनसीपी (शरद पवार गुट) और समाजवादी पार्टी के नेता शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि चुनाव आयोग ने उन्हें बताया कि हर पार्टी से केवल दो प्रतिनिधियों को ही अंदर जाने की इजाजत दी जाएगी। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, 'पहली बार हमें चुनाव आयोग में प्रवेश के लिए नियम बताए गए। पहली बार कहा गया कि सिर्फ पार्टी प्रमुख ही अंदर जा सकते हैं। ऐसे प्रतिबंधों से राजनीतिक दलों और चुनाव आयोग के बीच जरूरी संवाद नहीं हो सकता। आज हर पार्टी से सिर्फ दो लोगों को अनुमति दी गई, जिसकी वजह से जयराम रमेश, पवन खेड़ा और अखिलेश सिंह जैसे नेता बाहर खड़े रह गए।' बैठक के बाद चुनाव आयोग ने एक बयान जारी कर कहा कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) संविधान और कानून के प्रावधानों के अनुसार किया जा रहा है और राजनीतिक दलों के नेताओं ने जो भी चिंताएं उठाईं, उनका हमने जवाब दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि एंईं की प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 326, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 24.06.2025 को जारी निर्देशों के मुताबिक की जा रही है। जहां तक हर पार्टी से सिर्फ दो प्रतिनिधियों को अनुमति देने की बात है, यह अलग-अलग नजरियों को सुनने और संतुलन बनाए रखने के लिए किया गया। बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में चुनाव होने हैं। इससे पहले बिहार में चुनाव आयोग स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) कार्यक्रम चला रहा है। इसके तहत बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) हर घर में जाकर मतदाताओं का वैरिफिकेशन करेंगे। जो लोग निर्धारित फॉर्म भरकर बीएलओ को जमा करेंगे, उन्हीं के नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल किए जाएंगे। जिन लोगों का वैरिफिकेशन 25 जुलाई तक नहीं होगा, उनके नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा सकते हैं।पूर्व डिप्टी सीएम और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग से सवाल किया था- 'चुनाव से ठीक पहले आप वोटर लिस्ट क्यों बना रहे हैं? क्या इतने कम दिनों में बिहार के सभी लोगों की वोटर लिस्ट बनेगी?' 'बिहार में कुल 8 करोड़ लोग मतदाता हैं। सरकार के मुताबिक, राज्य के करीब 3 करोड़ लोग बिहार से पलायन कर चुके हैं। अब इनका वोटरकार्ड कैसे बनेगा ये बताएं? ये लोग वोट का अधिकार छीन रहे हैं। अगर वास्तव में सुधार करना चाहते थे तो लोकसभा चुनाव के बाद तुरंत क्यों नहीं किया?'

ओडिशा भाजपा नेता जगन्नाथ प्रधान गिरफ्तार,समर्थकों ने सरकारी अफसर को ऑफिस में घुसकर पीटा था

भुवनेश्वर। ओडिशा में भुवनेश्वर नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर की पिटाई मामले में भाजपा नेता जगन्नाथ प्रधान की गिरफ्तार हुई है। उन्होंने गुरुवार शाम पुलिस के सामने सरेंडर किया। अब तक मामले में 6 लोगों की गिरफ्तारी हो गई है। प्रधान ने कहा- 'मैं जांच में सहयोग करने के लिए आया हूं। अगर मेरी गिरफ्तारी से मामला हल हो जाता है तो मैं सहयोग करने के लिए तैयार हूं।' साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें और उनकी पार्टी को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, भाजपा नेता पर आरोप है कि उनके समर्थकों ने के एडिशनल कमिश्नर रत्नाकर साहू की जनसुनवाई के दौरान पिटाई कर दी थी। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में 6-8 लोग साहू को गालियां देते और लगातार घूंसे मारते दिख रहे थे। घटना के बाद मीडिया से बातचीत में साहू ने कहा था- मैं हमलावरों को नहीं जानता हूं। उन्होंने मेरे साथ हाथापाई की और कार में ले जाने की कोशिश कर रहे थे। मैं इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दूंगा और जल्द ही एफआईआर दर्ज की जाएगी। वहीं, बीएमसी के अधिकारियों ने ऑफिस परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। पूरे दिन कामकाज नहीं हुआ। कर्मचारियों की मांग है कि दोषियों की जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। छह युवकों ने चैंबर में घुसकर हमला किया शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, 6 लोग साहू के चैंबर में घुसे और उनके साथ मारपीट करने लगे थे। लोगों ने अधिकारी पर हमला क्यों किया, इसको लेकर अभी तक स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। कुछ हमलावरों की पहचान भी नहीं हुई है।ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोशल मीडिया पर अधिकारी से मारपीट का वीडियो शेयर किया था। उन्होंने लिखा था- मैं यह वीडियो देखकर हैरान हूं। सीनियर अधिकारी को उनके कार्यालय से घसीटकर बेरहमी से लात-घूंसों से पीटा गया। यह हमला एक बीजेपी पार्षद की मौजूदगी में हुआ। पटनायक ने आगे कहा था- मैं मोहन चरण माझी से अपील करता हूं कि इस शर्मनाक हमले को अंजाम देने वालों के खिलाफ तो सख्त कार्रवाई हो ही। इससे भी ज्यादा जरूरी है कि इस साजिश में शामिल राजनीतिक नेताओं पर भी तुरंत और कड़ी कार्रवाई की जाए। एफआईआर में जिन लोगों के नाम हैं, उन्होंने आपराधिक तरीके से व्यवहार किया है।

केजरीवाल का ऐलान- बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी आप, अब कांग्रेस से गठबंधन नहीं,इंडिया अलायंस लोकसभा के लिए था

पटना। आम आदमी पार्टी बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को अहमदाबाद में कहा, इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। अब हमारा किसी से कोई गठबंधन नहीं है। केजरीवाल गुजरात के दो दिन के दौरे पर अहमदाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत की। केजरीवाल ने कहा कि गुजरात के विसावदर उपचुनाव में हमने कांग्रेस से अलग लड़कर तीन गुना ज्यादा वोटों से जीत दर्ज की है। उन्होंने कहा, यह जनता का सीधा संदेश है कि अब विकल्प आम आदमी पार्टी है। आगे गुजरात में चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे। दिल्ली में हार पर कहा कि ऊपर-नीचे होता रहेगा। पंजाब में हमारी सरकार दोबारा बनेगी।भाजपा की सरकार ने गुजरात को बर्बाद कर दिया है। सूरत समेत कई शहर पानी में डूबे हुए हैं। किसान, युवा और व्यापारी समेत सभी वर्ग परेशान हैं। इसके बाद भी बीजेपी गुजरात में जीतती आ रही है, क्योंकि लोगों के पास विकल्प नहीं था। कांग्रेस पार्टी को बीजेपी को जीत दिलाने के लिए ठेका दिया जाता है। अब आम आदमी पार्टी आ गई है। आम आदमी पार्टी को लोग एक विकल्प के रूप में देख रहे हैं। विसावदर में जिस तरह से लोगों ने वोट दिया। ये माहौल, ये गुस्सा पूरे गुजरात के लोगों के अंदर है। मैंने कई जगह लोगों से बात की। लोगों में इसी तरह का गुस्सा है। यही गुस्सा विसावदर में देखने को मिला। बीजेपी ने कांग्रेस को भेजा था कि इनके वोट काटो। कांग्रेस ने ठीक से काम नहीं किया। बीजेपी से कांग्रेस वालों को खूब डांट पड़ी। इंडिया गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में केजरीवाल ने कहा- वह अलायंस लोकसभा के लिए था। अब हमारी तरफ से कुछ नहीं है।पार्टी की सदस्यता के लिए केजरीवाल ने 9512040404 नंबर जारी कर कहा कि इस पर मिस्ड कॉल देकर आम आदमी पार्टी से जुड़िए। उन्होंने आगे कहा कि विसावदर उपचुनाव में जनता ने हम पर भरोसा किया है। अगर गुजरात का विकास करना है तो युवाओं को हमारे साथ जुड़ना चाहिए। मुझे सिर्फ दो साल दीजिए, ये हवन है, इसमें आहुति दीजिए। अगर गुजरात का विकास करना है तो आम आदमी पार्टी से जुड़िए। विसावदर की जीत कोई बड़ी जीत नहीं, बल्कि 2027 का सेमीफाइनल है। बीजेपी ने 30 साल तक गुजरात पर राज किया है और आज गुजरात बर्बाद हो गया है।

कलकत्ता हाईकोर्ट का आदेश- इलेक्शन तक छात्रसंघ ऑफिस बंद रहेंगेःगैंगरेप केस में ममता सरकार से रिपोर्ट मांगी; बार काउंसिल से आरोपी की सदस्यता रद्द

कोलकाता। कोलकाता हाईकोर्ट ने लॉ कॉलेज में गैंगरेप को लेकर दाखिल की गई तीन जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की। हाईकोर्ट ने बंगाल के सभी कॉलेज और यूनिवर्सिटी में छात्र संघ कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से भी रिपोर्ट मांगी है। जस्टिस सौमेन सेन और जस्टिस स्मिता दास डे की बेंच ने कहा कि छात्र चुनाव होने तक ये कमरे बंद रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कमरों का इस्तेमाल किसी भी काम के लिए नहीं किया जा सकता है। जरूरत होने पर वैध कारणों के साथ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रार को आवेदन देना होगा।वहीं, पश्चिम बंगाल बार काउंसिल ने बुधवार को मुख्य आरोपी मनोजित मिश्रा की मेंबरशिप रद्द कर दी और उनका नाम वकीलों की सूची से हटा दिया। बार काउंसिल के चेयरमैन अशोक देब ने बताया कि गंभीर और अमानवीय अपराध के आरोपों के चलते आरोपी को बार काउंसिल की सूची से हटाया गया है।मामले का मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज के छात्र संघ के नाम पर गतिविधियां चलाता रहा है। 2017 के बाद से पश्चिम बंगाल में कोई छात्र संघ चुनाव नहीं हुआ, फिर भी पूर्व छात्रों और गैर-निर्वाचित व्यक्ति संघ कार्यालय अवैध रूप से चला रहे हैं। सभी छात्र संघ कार्यालय बिना किसी मंजूरी या कानून के प्रावधान के अपना संचालन जारी रखे हुए हैं । चिंता की बात यह है कि छात्र, पदाधिकारी, कक्षा प्रतिनिधि, जो पिछले चुनाव में चुने गए अऔर नॉमिनेट किए गए थे, वे अभी भी छात्र संघ में पिछले पद के आधार पर कैंपस में आसानी से आ रहे हैं।पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपी अलग-अलग बयान दे रहे हैं ताकि जांच को भटकाया जा सके। एक अधिकारी ने कहा कि तीनों लॉ स्टूडेंट हैं, इन्हें कुछ कानूनी चालें आती हैं। साथ ही पुलिस यह पता लगाने की कोशिश भी कर रही है कि मनोजित, जैब अहमद और प्रमीत मुखर्जी अपनी गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले किन-किन लोगों से मिले थे या किन लोगों के संपर्क में थे।पुलिस ने कॉलेज की वाइस-प्रिंसिपल डॉ. नयना चटर्जी से भी दो बार पूछताछ की है। मनोजित मिश्रा ने उनसे 26 जून की सुबह फोन पर बात की थी। बुधवार को पुलिस ने उन 16 लोगों से भी पूछताछ की, जो घटना के वक्त कॉलेज परिसर में मौजूद थे। पुलिस को सुरक्षा गार्ड के कमरे से जब्त एक चादर पर एक दाग मिला है, और यह जांच की जा रही है कि उसका इस घटना से कोई संबंध है या नहीं। इस बीच, कोलकाता पुलिस के डिटेक्टिव डिपार्टमेंट ने बुधवार को इस केस की जांच अपने हाथ में ले ली है। अब तक एघ्ऊ जांच कर रही थी।मनोजीत की बैचमेट रही एक लड़की ने कॉलेज में उसके आतंक के बारे में बताया है। लड़की के मुताबिक, कॉलेज में लौटने के बाद मनोजीत ने सब कुछ कंट्रोल करना शुरू कर दिया था। मनोजीत से बचने के लिए ही उसने भी कॉलेज जाना छोड़ दिया था। दरअसल, मनोजीत ने 2022 में कॉलेज से ग्रेजुएशन कम्प्लीट किया था। 2 साल बाद 2024 में वह एडहॉक पर नौकरी शुरू की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उस समय कॉलेज में एडमिशन रेट घट गया था। इतना ही नहीं, कुछ लड़कियों ने बताया कि मनोजीत की मौजूदगी में उन्हें डर बना रहता था। वह कैंपस में लड़कियों तस्वीरें लेता, ग्रुप में पोस्ट करता था। हर दूसरी लड़की को प्रपोज करता था। आरोपी को छात्रों और प्रशासन के बीच देवता का दर्जा प्राप्त था। कैंपस के हर दस्तावेज तक उसकी पहुंच थी। हर स्टूडेंट की डीटेल, फोन नंबर और पते उसके पास होते थे। वहीं, पश्चिम बंगाल महिला आयोग की अध्यक्ष लीना गांगोपाध्याय ने बुधवार को कहा कि छात्रा बहुत ज्यादा सदमे में है और उसे और काउंसलिंग की आवश्यकता है। मामले में तीन आरोपियों की पुलिस हिरासत 8 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। कॉलेज के सुरक्षा गार्ड पिनाकी बनर्जी की हिरासत भी 4 जुलाई तक बढ़ाई है।लॉ कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल नयना चटर्जी ने बताया था कि मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा को कुछ महीने पहले ही अस्थायी फैकल्टी मेंबर के तौर पर नियुक्ति किया गया था। परमानेंट स्टाफ की कमी की वजह से हायरिंग की गई थी। चटर्जी ने बताया कि कॉलेज प्रशासन को मीडिया के जरिए घटना की जानकारी मिली। पीड़ित छात्रा या किसी अन्य ने घटना के बारे में कोई शिकायत कॉलेज प्रशासन से नहीं की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटना के एक दिन बाद कैंपस में प्रवेश करने की अनुमति मांगी थी। इस बारे में सिक्योरिटी गार्ड को भी न बताने को कहा गया था। पुलिस ने ग्राउंड फ्लोर के दो कमरे सील कर दिए हैं। वाइस प्रिंसिपल ने गार्ड के ठीक से ड्यूटी न करने की बात भी मानी है।पुलिस जांच में पता चला है कि मनोजीत के शरीर पर नाखूनों के निशान हैं, जिससे पता चलता है कि पीड़िता ने खुद को बचाने की कोशिश की थी। जांच के तहत पुलिस ने तीनों आरोपियों के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड खंगाले। इसमें पाया गया कि मनोजीत ने घटना के अगले दिन सुबह कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल डॉ. नयना चटर्जी को फोन किया था। इसके बाद पुलिस ने वाइस प्रिंसिपल से दो बार पूछताछ की है।इस बीच, साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज ने अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए मनोजीत मिश्रा की नौकरी खत्म कर दी और दोनों छात्र आरोपियों को कॉलेज से सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा, कॉलेज प्रशासन ने बार काउंसिल से मिश्रा की सदस्यता रद्द करने की सिफारिश भी की है, क्योंकि वह एक प्रैक्टिसिंग एडवोकेट है।पुलिस ने उस मेडिकल स्टोर की सीसीटीवी फुटेज भी जब्त की है, जहां से आरोपी जैब अहमद ने विक्टिम के लिए इनहेलर खरीदा था।

विक्टिम ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसने आरोपियों से अस्पताल ले चलने की गुहार लगाई थी, लेकिन जब वे नहीं माने, तो उसने इनहेलर लाने की बात कही। इसके बाद जैब ने इनहेलर मंगवाया, जिसके बाद आरोपियों ने उसके साथ रेप करना जारी रखा। पुलिस ने बताया कि घटना स्थल से जुटाए गए डिजिटल सबूत, मेडिकल जांच की रिपोर्ट और बाकी सबूत भी विक्टिम की कहानी से मेल खाते हैं।कोलकाता गैंगरेप केस के तीनों आरोपियों के सैंपल लिए जा चुके हैं। मेडिकल कॉलेज में 30 जून को मनोजीत मिश्रा, प्रमित मुखर्जी और जैद अहमद के फ्लूइड, यूरिन और बालों के नमूने लिए गए। यह प्रक्रिया करीब आठ घंटे तक चली। पुलिस ने जांच पर कहा, 'तीनों आरोपियों ने कई दिन से पीड़िता को ट्रैक कर रहे थे। मिश्रा ने पीड़िता को कॉलेज में दाखिला लेने के पहले दिन से ही निशाने पर लिया था। प्लानिंग के बाद वारदात की गई।' पुलिस ने चेतावनी भी दी है कि अगर पीड़ित लड़की की पहचान उजागर की तो एक्शन लिया जएगा। उधर, लॉ कॉलेज ने गैंगरेप के मुख्य आरोपी और दो अन्य आरोपियों को सस्पेंड कर दिया है। अलीपुर कोर्ट ने तीनों की पुलिस हिरासत 8 जुलाई तक बढ़ा दी है।कोलकाता गैंगरेप की सीबीआई जांच के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट में सोमवार को जनहित याचिका दायर हुई। इसमें सीबीआई को मामले की प्राइमरी जांच करके कोर्ट में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। मुख्य आरोपी के राज्य की सत्ताधारी पार्टी टीएमसी से जुड़े होने के चलते यह मांग की गई है। याचिका में पीड़ित को मुआवजा देने और सरकारी एजुकेशन इंस्टीट्यूट में लड़कियों की सुरक्षा के लिए सिविलि वॉलेंटियर तैनात करने की भी मांग की गई है।

बेंगलुरु में फरारी मालिक ने रोड टैक्स नहीं भरा, 1.42 करोड़ रुपए चुकाने पड़े

नयी दिल्ली। अगर आपकी गाड़ी किसी राज्य में रजिस्टर्ड नहीं है और आप उस राज्य में लंबे समय तक गाड़ी चलाते हैं तो आपको ऐसा करना भारी पड़ सकता है। कनार्टक की राजधानी बेंगलुरु में एक फेरारी के मालिक को 1.42 करोड़ रुपये का भारी भरकम रोड टैक्स देना पड़ा है। यह सुपर लग्जरी गाड़ी महाराष्ट्र में रजिस्टर्ड थी लेकिन लंबे समय से यह बेंगलुरु की सड़कों पर चल रही थी। कर्नाटक के आरटीओ अधिकारियों की पिछले कई महीनों से इस पर नजर थी। आखिरकार वह पकड़ में आ गई और मालिक को भारी भरकम टैक्स और जुर्माना देना पड़ा। एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक में आरटीओ अधिकारियों ने फेरारी मालिक से 1.42 करोड़ रुपये का रोड टैक्स वसूला है। यह हाल के दिनों में किसी एक गाड़ी से वसूला गया सबसे बड़ा रोड टैक्स है। यह गाड़ी फ़रारी एसएफ 90 थी जिसकी कीमत 7.5 करोड़ रुपये से शुरू होती है। लाल रंग की यह गाड़ी कई दिनों से बेंगलुरु की सड़कों पर दनदना रही थी। आखिरकार गुरुवार की सुबह बेंगलुरु साउथ आरटीओ ने इस लोकेट किया और इसके टैक्स स्टेटस को वेरिफाई किया।यह गाड़ी महाराष्ट्र में रजिस्टर्ड थी। आरटीओ अधिकारियों ने गाड़ी को सीज कर दिया और मालिक को एक नोटिस भेजकर शाम तक पेमेंट करने को कहा। नोटिस में यह भी कहा गया कि अगर टैक्स नहीं भरा गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गाड़ी के मालिक ने तुरंत 1,41,59,041 रुपये का बकाया और पेनल्टी भर दी। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट का कहना है कि टैक्स का भुगतान किए बिना चल रही गाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। फरवरी में भी विभाग ने 30 लग्जरी गाड़ियों की सीज किया था।नियमों के मुताबिक यदि आप अपनी गाड़ी को अस्थायी रूप से दूसरे राज्य में ले जा रहे हैं, तो आपको इसे उस राज्य में पंजीकृत करने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन अगर आप किसी दूसरे राज्य में लंबे समय तक अपनी गाड़ी को रखते हैं तो आपको उस राज्य में रजिस्ट्रेशन ट्रांसफर करना होगा। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपको जुर्माना और अन्य कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

आरएसएस प्रांत प्रचारकों की आज से दिल्ली में बैठक,भाजपा अध्यक्ष चुनाव की तारीख तय होना संभव, संघ संविधान में सोशलिस्ट-सेक्युलर शब्दों पर देशव्यापी विमर्श करेगा

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रांत प्रचारकों की बैठक दिल्ली में आज से शुरू होकर 6 जुलाई तक चलेगी। इसमें संघ और उसके सहयोगी संगठनों से जुड़े 233 लोग होंगे। भाजपा के संगठन महासचिव बीएल संतोष भी बैठक में शामिल होंगे। दिल्ली स्थित संघ कार्यालय केशव कुंज में होने वाले आयोजन में संविधान की प्रस्तावना और नए भाजपा अध्यक्ष चुनाव की रूपरेखा बनेगी। संघ संविधान में 'सेक्युलर' और 'सोशलिस्ट' शब्द के औचित्य पर देशव्यापी विमर्श छेड़ने की तैयारी में है। आरएसएस की बैठक ऐसे समय हो रही है, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करीब 15 दिन में होना है। माना जा रहा है कि भाजपा के अगले अध्यक्ष को लेकर इसी बैठक में अंतिम सहमति बनेगी, जिसके बाद पार्टी अपने अध्यक्ष के चुनाव तिथि की घोषणा कर सकती है।बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो चुका है। वह एक्सटेंशन पर हैं। वहीं, वह केंद्र सरकार में मंत्री भी हैं, इस वजह से भाजपा जल्द नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी में जुटी है। जेपी नड्डा को 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था और जनवरी 2020 में वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे।भाजपा ने जुलाई के शुरुआत 2 दिन में 9 राज्यों में नए प्रदेश अध्यक्ष चुने। इसके बाद से राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। भाजपा के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव 50फीसदी राज्यों में चुनाव होने के बाद ही होता है। फिलहाल भाजपा की 37 मान्यता प्राप्त स्टेट यूनिट हैं। इनमें से अब तक 14 राज्यों में अध्यक्ष चुने जा चुके हैं। बुधवार को 19 राज्यों के अध्यक्ष चुन लिए जाएंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष जुलाई में चुने जा सकते हैं।

इंजीनियर से एक्टर बने पंचायत के सचिव जी,बेरोजगारी झेली, रामलीला में ताड़का भी बने, फिर एक वीडियो ने बदली जितेंद्र उर्फ जीतू भइया की किस्मत

नयी दिल्ली। आमतौर पर आईआईटी में पढ़ने वाले बच्चे इंजीनियर बनते हैं और मोटी सैलरी

पर विदेश में काम करते हैं, लेकिन एक्टर जितेंद्र कुमार की कहानी थोड़ी अनोखी है। हिंदी में एग्जाम देकर पहले तो उन्होंने आईआईटी क्रैक किया। जब वहां पहुंचे तो इंजीनियरिंग से ज्यादा दिल एक्टिंग करने में लगा। शायद किस्मत को भी उनका एक्टर बनना ही मंजूर था इसलिए कैंपस प्लेसमेंट में उनको नौकरी ही नहीं मिली।एक्टर बनने मुंबई आए तो पहली मुलाकात में मुंबई भी रास नहीं आई। वापस भागकर एमएनसी की नौकरी पकड़ी और जब जॉब में बात हाथापाई तक पहुंची तो वापस मुंबई भागे। दूसरी कोशिश में सपनों की नगरी ने उन्हें गले लगा लिया। टीवीएफ के कई हिट शो का चेहरा बनने के बाद आज वो 'पंचायत' सीरीज में सचिव जी बनकर अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा रहे हैं।मैं राजस्थान के छोटे से गांव खैरथल में पैदा हुआ। नौवीं तक की पढ़ाई तो यहीं से हुई फिर पापा का ट्रांसफर सीकर में हो गया तो हमलोग वहां चले गए। अपनी दसवीं की पढ़ाई यहीं से पूरी कर मैं दो साल के लिए कोटा चला गया। वहां पर मैंने आईआईटी की तैयारी की। मैं अपने स्कूल में दसवीं का टॉपर रहा हूं। बचपन से तय था कि इंजीनियरिंग करनी है। मेरे घर में पढ़ाई और इंजीनियरिंग का ही माहौल रहा है। मेरे पिताजी, चाचा, ताऊ जी उनके बच्चे सभी इंजीनियर ही रहे हैं। सबने अच्छे कॉलेज से इंजीनियरिंग की है। सिर्फ आईआईटी तक कोई नहीं पहुंचा था। मुझे कम उम्र में ही पता था कि आईआईटी जैसी कोई जगह है, जहां से निकलने पर अच्छा पैकेज मिलता है। छोटे शहरों में बच्चों के सामने दो ही ऑप्शन होता था डॉक्टर या इंजीनियर। दो साल की तैयारी में मैंने आईआईटी क्रैक किया और मुझे आईआईटी खड़गपुर में एडमिशन मिल गया। जीवन के अगले चार साल फिर पश्चिम बंगाल में गुजरे।मुझे एक्टिंग के बारे में कोई आइडिया नहीं था। मेरे गांव खैरथल में रामलीला होती थी। अक्सर रामलीला रात के समय होती थी ताकि सारे लोग अपना काम खत्म करके उसे देख सकें। मैं भी रामलीला देखने जाता था। जब मैं वो देखता तो लगता कि ये क्या अतरंगी चीज है, जिसमें परफॉर्म करने बाहर से एक्टर आ रहे हैं। फिर रामलीला मेरे स्कूल में भी होने लगी। मेरी एक्टिंग में कोई दिलचस्पी नहीं थी। मैं स्टेज पर जाने से डरता था, लेकिन एक दिन स्कूल में रामलीला की परफॉर्मेंस थी और उसमें शामिल एक लड़की बीमार पड़ गई और आखिरी मिनट स्कूल से चली गई। मेरी ड्रामा टीचर बेहद परेशान होकर घूम रही थीं कि इतने कम समय में उसकी जगह किसे लिया जाए। तभी मैं क्लास रूम से पानी पीने के लिए निकला और उन्होंने मुझे देखा। मैं बचपन से कान में बाली पहनता था। बाली देखकर उन्हें लगा कि मैं लड़की का रोल निभा सकता हूं। मेरे पास कोई कॉस्टयूम भी नहीं था। स्कूल की उस रामलीला में सारे बच्चे अपने कॉस्ट्यूम में थे और मैंने यूनिफॉर्म में परफॉर्म किया। मैंने ताड़का का रोल निभाया था।जब मैं ताड़का बना तो मैं डर की वजह से अंदर ही नहीं जा रहा था। मैं आखिरी मिनट तक बोलता रहा कि मुझसे नहीं होगा। मुझे स्टेज पर धक्का देकर पहुंचाया गया। मैं जल्दी से स्टेज पर पहुंचा और ताड़का के सीरियस रोल में कॉमेडी करके आ गया। मेरी कॉमेडी लोगों को पसंद आ गई। उस एक प्ले से मेरा स्टेज का डर खत्म हुआ। फिर मैं स्कूल के बाकी कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने लगा।खैरथल से मैं दूसरा या तीसरा स्टूडेंट था, जिसने आईआईटी क्रैक किया था।

महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस ने 'सितारे जमीन पर' देखी:कहा- यह फिल्म सभी को देखनी चाहिए; स्पेशल बच्चों के लिए आयोजित हुई थी स्क्रीनिंग

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने

बुधवार को फिल्म 'सितारे जमीन पर' देखी। यह स्क्रीनिंग दिव्यज फाउंडेशन की ओर से 15 स्कूल के स्पेशल छात्रों के लिए आयोजित की गई थी। इस फाउंडेशन की संस्थापक मुख्यमंत्री की पत्नी अमृता देवेंद्र फडणवीस हैं। फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद आमिर खान और अमृता फडणवीस ने बच्चों और शिक्षकों से बातचीत भी की। उन्होंने बच्चों के विचार सुने और उन्हें मोटिवेट भी किया। इस कार्यक्रम का मकसद छात्रों को हौसला देना और उनका आत्मविश्वास बढ़ाना था।फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसकी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आमिर खान ने सितारे जमीन पर जैसी शानदार फिल्म विशेष बच्चों पर बनाई है। इस फिल्म के जरिए दिखाया गया है कि ऐसे बच्चों के माता-पिता किस तरह उनका पालन-पोषण करते हैं और शिक्षक उन्हें कितने धैर्य से पढ़ाते हैं। यह फिल्म दर्शकों को सिखाती है कि समाज को विशेष बच्चों के प्रति अधिक संवेदनशील और समझदारी भरा नजरिया रखना चाहिए। मैं आमिर खान को इस बेहतरीन फिल्म के लिए बधाई देता हूं।आमिर खान ने दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से 24 जून को मुलाकात की थी। ये मुलाकात दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में हुई थी, जहां आमिर ने अपनी हालिया रिलीज फिल्म सितारे जमीन पर की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी थी। इस दौरान फिल्म की पूरी कास्ट मौजूद थी। प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म से इसकी जानकारी देते हुए स्पेशल स्क्रीनिंग की तस्वीरें शेयर की गई थीं। पोस्ट में आमिर खान और द्रौपदी मुर्मू की तस्वीर के साथ लिखा गया है, पॉपुलर फिल्ममेकर और एक्टर श्री आमिर खान ने प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की है।आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस में बनी फिल्म सितारे जमीन पर 20 जून को रिलीज हो चुकी है। फिल्म में आमिर खान, जेनेलिया डिसूजा के अलावा असल में डाउन सिंड्रोम से पीड़ित बच्चे अहम किरदारों में हैं। फिल्म एक ऐसे बास्केटबॉल कोच पर आधारित है, जो इन बच्चों के कोच बनते हैं।

दीपिका को मिला हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान:ऐसा करने वाली पहली भारतीय बनीं, इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस ने जताया आभार

नयी दिल्ली। दीपिका पादुकोण को 2026 हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम

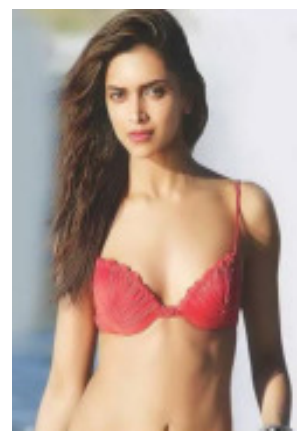

सम्मान के लिए चुना गया है। यह सम्मान पाने वाली वो पहली भारतीय हैं। हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सम्मान मिलने के बाद दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में इसे लेकर रिएक्शन दिया है। उन्होंने ने अपनी स्टोरी में इसके लिए आभार जताया है।हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम को मैनेज करने वाली आधिकारिक संगठन 'हॉलीवुड चैंबर ऑफ कॉमर्स' की तरफ से 2 जुलाई को इंस्टाग्राम पर यह खबर शेयर की गई है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा- 'मोशन पिक्चर्स, टेलीविजन, लाइव थियेटर/लाइव परफॉरमेंस, रेडियो, रिकॉर्डिंग और स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट कैटेगरी में एंटरटेनमेंट प्रोफेशनल के एक नए ग्रुप को हॉलीवुड चैंबर ऑफ कॉमर्स के वॉक ऑफ फेम चयन पैनल द्वारा हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम पर स्टार प्राप्त करने के लिए चुना गया है। हमें 2026 के वॉक ऑफ फेम क्लास में आपका स्वागत करते हुए गर्व हो रहा है!।' इसके साथ ही उन्होंने हर कैटेगरी के लिए चुन गए आर्टिस्ट का नाम शेयर किया है। दीपिका को मोशन पिक्चर्स कैटेगरी में सम्मान के लिए चुना गया है। इस लिस्ट में दीपिका के अलावा टिमोथी चालमेट, रेचल मैकएडम्स, डेमी मूर, स्टेनली टुची, रामी मालेक और एमिली ब्लंट जैसे इंटरनेशनल आर्टिस्ट शामिल हैं। हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम कैलिफोर्निया का फेमस टूरिस्ट लोकेशन है। इस फेमस टूरिस्ट लोकेशन पर हर साल भारी संख्या में लोग घूमने आते हैं। यहां पर अब तक 2813 एक्टर, डायरेक्टर, सिंगर, फिल्ममेकर्स के नाम शामिल हो चुके हैं। बता दें कि दीपिका से पहले भारतीय मूल के एक्टर साबू दस्तगीर को इस सम्मान से नवाजा जा चुका है। साबू को 1960 में स्टार मिला था, जिस वक्त उन्हें ये सम्मान मिला वो अमेरिकी नागरिकता अपना चुके थे।हॉलीवुड और ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर दीपिका की अचीवमेंट्स की बात करें तो साल 2017 में उन्होंने 'ट्रिपल एक्स रिटर्न ऑफ जेंडर केज' से हॉलीवुड में डेब्यू किया था।

हर्षाली मल्होत्रा का साउथ सिनेमा में डेब्यू, 'बजरंगी भाईजान' की मुन्नी अब बनेंगी 'अखंडा 2' की जननी

नयी दिल्ली। 'बजरंगी भाईजान' 'अखंडा 2' में नजर आएंगी। फिल्म के ऐलान से फैंस की खुशी का ठिकाना

की मुन्नी यानी हर्षाली मल्होत्रा अब साउथ फिल्मों में धमाल मचाने को तैयार हैं। हर्षाली अब नंदमुरी बालाकृष्ण के साथ फिल्म 'अखंडा 2' में नजर आएंगी। फिल्म के फर्स्ट लुक में वह खूबसूरत लग रही हैं।सलमान खान की 'बजरंगी भाईजान' की मुन्नी याद है? फिल्म में मुन्नी बनकर हर किसी के दिल में बसी हर्षाली मल्होत्रा अब साउथ सिनेमा में अपना जलवा दिखाएंगी। वह नंदमुरी बालकृष्ण के साथ फिल्म से हर्षाली मल्होत्रा का फर्स्ट लुक भी रिलीज किया गया है, जो चर्चा में छाया है। 'अखंडा 2' में हर्षाली मल्होत्रा जननी का किरदार निभाएंगी। फिल्म 25 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। 'अखंडा 2' से हर्षाली मल्होत्रा का जो फर्स्ट लुक सामने आया है, उसमें वह पीले रंग का लहंगा पहने नजर आ रही हैं। जूलरी पहनी है और बाल हवा में लहरा रहे हैं। हर्षाली इस लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं।हर्षाली मल्होत्रा की फिल्म नहीं है और उन्हें 'अखंडा 2' का बेसब्री से इंतजार है। एक फैन ने ट्वीट किया है, 'मुन्नी इज बैक। हर्षाली मल्होत्रा जिसने 'बजरंगी भाईजान' में सबका दिल जीता, अब 'अखंडा 2' में नजर आएगी।' एक ने लिखा, 'लंबे समय बाद हर्षाली वापस लौट रही है। मैं मुन्नी को देखने के लिए एक्साइटेड हूं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'अखंडा 2' में हर्षाली मल्होत्रा, नंदमुरी बालकृष्ण की बेटी के रोल में नजर आएंगी।

सनी देओल जीते हैं राजाओं जैसी जिंदगी, शूट पर ट्रक में भरकर ले जाते हैं अपना जिम, पुनीत इस्सर ने किया खुलासा

नयी दिल्ली। बॉलीवुड में फिल्मों की कमाई कम हो रही है। फिल्म स्टार के साथ आने वाले लोगों के खर्च पर बात हो रही है। पुनीत इस्सर ने बताया कि सनी देओल हमेशा बड़े ग्रुप के साथ यात्रा करते थे। अनुराग कश्यप ने कहा कि फिल्म पर कम और अन्य चीजों पर ज्यादा पैसा खर्च होता है।पिछले कुछ सालों से बॉलीवुड में मंदी का दौर चल रहा है, जिसमें कुछ ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर पा रही हैं और इन सबके बीच, एक स्टार के साथ आने वाले लोगों की लागत को लेकर चर्चा जोर पकड़ रही है। बताया गया है कि एक फिल्म स्टार के सहयोगी स्टाफ की वजह से फिल्म की लागत बढ़ जाती है और इतने बड़े बजट के साथ, फिल्म रिलीज होने पर अपनी लागत वसूल नहीं कर पाती। हालांकि, सनी देओल कई सालों से एक बड़े दल के साथ यात्रा कर रहे हैं, जैसा कि एक्टर पुनीत इस्सर ने बताया। पुनीत ने 1997 में रिलीज हुई 'बॉर्डर' की शूटिंग से एक घटना शेयर की और कहा कि उस समय भी सनी एक राजा की तरह यात्रा करते थे और उनके साथ उनके सामान से भरा एक ट्रक चलता था। लेकिन, पुनीत इस्सर ने दावा किया कि सनी अपने निर्माता पर अतिरिक्त लागत का बोझ नहीं डाल रहे थे। पुनीत ने सिद्धार्थ कन्नन के साथ यूट्यूब चैनल पर बातचीत में बताया, 'सनी राजा आदमी है। वो जहां जाता है राजा की तरह जाता है। उसका पूरा ग्रुप चलता है। उसके शेफ भी आते हैं, बैडमिंटन का कोर्ट भी होगा, पूरा जिम जाएगा।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अपनी चीजों से भरा ट्रक लेकर यात्रा करते हैं, तो पुनीत ने कहा, 'वह आपसे पूछेगा कि मैं इतना सारा वजन लेकर यात्रा कर रहा हूं, अगर कोई ऐसी चीज है जिसे आप भी ले जाना चाहते हैं तो वह उसे भी लोड कर सकता है।'उन्होंने कहा, 'सनी देओल राजा की तरह हैं, सम्राट की तरह हैं। सनी देओल ऐसे ही हैं।' पिछले कुछ सालों में फिल्मों के बजट को प्रभावित करने वाले बढ़ते एन्टोरेज कॉस्ट के बारे में पूछे जाने पर पुनीत ने कहा कि तब चीजें अलग थीं और वो बोले, 'मुझे नहीं लगता कि सनी प्रोड्यूसर पर बिल डालेंगे। इसलिए मैंने कहा, वह एक राजा हैं। सलमान भी ऐसे ही हैं। यह एक आवश्यकता है, यह उनके लिए जरूरी है, उन्हें इसकी जरूरत है, उन्हें काम करना है।' पुनीत ने कहा कि जहां तकग्रुप में कई लोगों के होने की बात है, तो अपने सुनहरे दिनों में सभी बड़े सितारे हमेशा अपने कई लोगों से घिरे रहते थे। उन्होंने राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, विनोद खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा, दिलीप कुमार जैसे एक्टर्स का नाम लिया और कहा कि उनके ग्रुप में भी हमेशा कई लोग होते थे।इससे पहले, ह्यूमन्स ऑफ सिनेमा के साथ बातचीत में निर्देशक अनुराग कश्यप ने कहा था कि फिल्म के इर्द-गिर्द 'सामान' पर बहुत पैसा खर्च किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'वे फिल्म पर पैसा खर्च नहीं कर रहे हैं। लोगों को इस पूरी वास्तविकता की जांच करने की जरूरत है। एक बात लोगों को समझने की जरूरत है कि जब हम फिल्म बनाते हैं, तो हम काम कर रहे होते हैं, हम कुछ बना रहे होते हैं।'उन्होंने आगे कहा, 'यह कोई छुट्टी नहीं है, यह कोई पिकनिक नहीं है। बहुत सारा पैसा जो खर्च किया जाता है, वह फिल्म बनाने में नहीं जाता है। यह सामान पर खर्च होता है। यह दल-बल पर खर्च होता है। आप जंगल के बीच में शूटिंग कर रहे हैं, लेकिन एक कार तीन घंटे दूर शहर में भेजी जाएगी ताकि आपको वह फाइव स्टार बर्गर मिल सके जो आप चाहते हैं। आप इस पूरी चीज में शामिल होते हैं।'

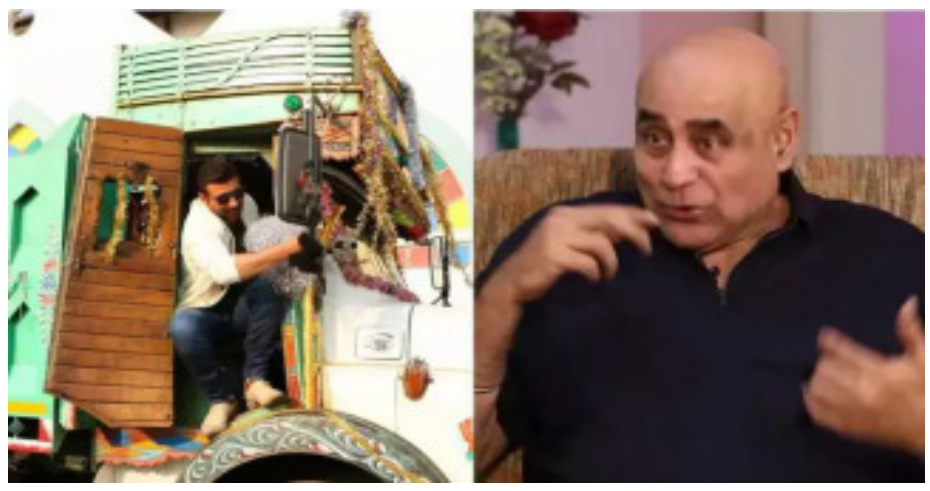

शेफाली के निधन के बाद पति का पहला पोस्ट- 'वो सबकी मां थीं, हमेशा दूसरों को ख्याल रखती थीं'

नयी दिल्ली। एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला के निधन के करीब एक हफ्ते बाद उनके पति पराग त्यागी ने पहला पोस्ट लिखा। गुरुवार को इंस्टाग्राम पोस्ट में पराग ने लिखा- 'शेफाली, मेरी परी - हमेशा याद की जाने वाली 'कांटा लगा' - दिखने में जितनी थीं उससे कहीं ज्यादा थीं। वो आग थीं जो शालीनता में लिपटी थी। तेज, फोकस्ड और बेहद मेहनती। एक ऐसी महिला जिसने इरादे से जीना चुना। अपने करियर, दिमाग, शरीर और आत्मा को चुपचाप मजबूती से संवारा।'पराग ने आगे लिखा- 'लेकिन उनके सारे खिताबों और कामयाबी से ऊपर, शेफाली प्यार का सबसे निस्वार्थ रूप थीं। वो सबकी मां थीं - हमेशा दूसरों को पहले रखती थीं, सिर्फ अपनी मौजूदगी से सुकून देती थीं। एक उदार बेटी। प्यारी और देखभाल करने वाली पत्नी और सिम्बा की बेहतरीन मां। रक्षक और मार्गदर्शक बहन और मासी। एक सच्ची दोस्त जो अपने लोगों के लिए डटी रहती थी, हिम्मत और दया के साथ।'पराग ने ये भी लिखा- 'मैं एक दुआ के साथ शुरू कर रहा हूं - यह जगह सिर्फ प्यार से भरी हो। ऐसी यादों से जो दिल को सुकून दें। कहानियों से जो उनकी आत्मा को जिंदा रखें। यही उनकी विरासत हो एक ऐसी आत्मा जो कभी नहीं भुलाई जाएगी।'बता दें कि पिछले हफ्ते 27 जून को एक्ट्रेस शेफाली का 42 साल की उम्र में निधन हो गया। 28 जून को उनका अंतिम संस्कार ओशिवारा के श्मशान घाट पर किया गया।

जैकलीन फर्नांडिस पर ईडी की कार्रवाई जारी रहेगी:दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका खारिज, सुकेश से जुड़े 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी हैं

नयी दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की जांच और एक्शन जारी रहेगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को उनकी याचिका खारिज

कर दी, जिसमें ईडी की एफआईआर रद्द करने की मांग की गई थी। ईडी ने ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एफआईआर दर्ज की है। जैकलीन भी इसमें आरोपी हैं।तिहाड़ जेल में रहने के दौरान ही सुकेश ने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह को जेल से बाहर निकलवाने का झांसा दिया। इसके लिए उनकी पत्नियों से 200 करोड़ से अधिक की ठगी की। वह खुद को कभी पीएम ऑफिस और कभी गृह मंत्रालय से जुड़ा अधिकारी बताता। उसकी इस धोखाधड़ी में तिहाड़ जेल के कई अफसर भी शामिल थे। सुकेश इन सभी को मोटी रकम देता था। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने सुकेश के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया। इस केस में सुकेश की पत्नी लीना पॉल भी आरोपी है। उस पर आरोप है कि उसने रकम को चेन्नई की एक कंपनी के जरिए इधर-उधर करवाया है। ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग केस में चंद्रशेखर और लीना को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पुलिस ने इस मामले में महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) लगाया है। ईडी के अनुसार, सुकेश और जैकलीन के बीच जनवरी 2021 में बातचीत शुरू हुई। तिहाड़ जेल में बंद रहते हुए भी सुकेश फोन पर जैकलीन से बात किया करता था। ईडी ने अपनी चार्जशीट में बताया है कि जैकलीन फर्नांडिस को सुकेश ने करोड़ों रुपए के गिफ्ट्स दिए थे। इनमें 52 लाख का एक अरबी घोड़ा, 9-9 लाख रुपए की 3 पर्शियन बिल्लियां, डायमंड सेट्स जैसे महंगे गिफ्ट हैं। सुकेश ने जैकलीन के लिए चार्टर्ड फ्लाइट्स भी बुक की थी और गोल्ड, डायमंड ज्वेलरी, इम्पोर्टेड क्रॉकरी भी दी थीं। इसके अलावा जैकलीन के भाई के साथ भी सुकेश ने लेन-देन किए हैं। सुकेश ने यह भी दावा किया है कि वह जैकलीन के साथ रिलेशन में रहा है। 2010 में सुकेश की मॉडल और एक्ट्रेस लीना पॉल से मुलाकात हुई। लीना फिल्म मद्रास कैफे में काम कर चुकी है। दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे बढ़ती गई और दोनों साथ रहने लगे। यहीं से सुकेश की बॉलीवुड में एंट्री हुई। अब लोगों को ठगने में लीना भी सुकेश का साथ देने लगी। 2015 में दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद भी बॉलीवुड की कई एक्ट्रेस के साथ सुकेश के अफेयर की चर्चाएं चलती रहीं। 2015 में सुकेश और लीना मुंबई आ गए। यहां पर फर्जी स्कीम के जरिए 450 से भी ज्यादा लोगों से 19.5 करोड़ रुपए ठगे। इसके बाद सीबीआई ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया। इसके बाद भी सुकेश ने ठगी का खेल जारी रखा। वो खुद को लॉ और होम मिनिस्ट्री का ऑफिसर बताकर ठगी करता रहा। सुकेश चंद्रशेखर कर्नाटक के बेंगलुरु का रहने वाला है। कहा जाता है कि उसने लैविश लाइफस्टाइल जीने के लिए 17 साल की उम्र से ही लोगों को ठगना शुरू कर दिया था। बेंगलुरु में ठगी करने के बाद उसने चेन्नई और दूसरे शहरों में भी लोगों को निशाना बनाया। उसके निशाने पर टॉप पॉलिटिशियन, बिजनेसमैन से लेकर बॉलीवुड सेलिब्रिटीज रहे हैं। सुकेश हाई-प्रोफाइल लोगों को फोन कर खुद को बड़ा सरकारी अफसर बताता था। 2007 में उसने खुद को बड़ा सरकारी अधिकारी बताते हुए बेंगलुरु डेवलपमेंट अथॉरिटी में काम कराने के बदले 100 से ज्यादा लोगों को ठगा था। इस मामले में सुकेश की गिरफ्तारी भी हुई थी। जेल से छूटने के बाद सुकेश ने दोबारा लोगों को ठगने का काम जारी रखा। सुकेश के ऊपर 30 से भी ज्यादा मामले दर्ज हैं। कहा जाता है कि तमिलनाडु में वो खुद को पूर्व मुख्यमंत्री करुणानिधि का बेटा बताता था। वो खुद को आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएसआर रेड्डी का भतीजा बताकर भी कई लोगों से ठगी कर चुका है। 2017 में तमिलनाडु के नेता टीटीवी दिनाकरन ने दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच में सुकेश के खिलाफ ठगी का केस दर्ज कराया था।

सुबह डाइट फूड और रात में ड्रग्स मांगते हैं एक्टस... पहलाज निहलानी का दावा, अक्षय कुमार को लेकर भी किया खुलासा

नयी दिल्ली। डायरेक्टर पहलाज निहलानी ने कहा

है कि उन एक्टर्स को शर्म आनी चाहिए जो 6 वैनिटी वैन मांगते हैं। उन्होंने कहा कि एक्टर्स दिन में डाइट फूट और रात में ड्रग्स मांगते हैं। फिर उन्होंने अक्षय को लेकर भी एक बात कही।डायरेक्टर और सेंसर बोर्ड के पूर्व चीफ पहलाज निहलानी ने उन एक्टर्स पर गुस्सा निकाला है, जो वैनिटी वैन की मांग करते हैं और मुंहमांगी फीस मांगते हैं। उन्होंने एक्टर्स के बढ़ती फीस और उनके साथ आने वाले entourage पर भी रिएक्ट किया। इस दौरान पहलाज निहलानी ने वह वक्त भी याद किया, जब अक्षय कुमार ने फिल्म 'तलाश' की कास्टिंग में दखल दिया और उन पर दबाव डाला कि फिल्म में करीना कपूर को लें। यूट्यूब चैनल 'लर्न फ्रॉम द लेजेंड' से बातचीत में पहलाज निहलानी ने बताया कि उन्होंने सिर्फ प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स को ही कास्टिंग से संबंधित फैसले लेते देखा था। कभी एक्टर्स को कास्टिंग तय करते नहीं देखा। लेकिन अब वक्त बदल गया है। अब एक्टर्स न सिर्फ कास्ट बताते हैं कि किसे लेना है और किसे नहीं, बल्कि पसंद का डायरेक्टर भी चुनते हैं।पहलाज निहलानी ने तब अक्षय कुमार का उदाहरण दिया, और बोले, 'पहले डायरेक्टर और प्रोड्यूसर ही कास्टिंग करते थे और हीरो कास्टिंग में दखल नहीं देते थे। मेरे साथ कास्टिंग में दखल देने वाले पहले एक्टर अक्षय कुमार थे, जिन्होंने 2002 में 'तलाश' में काम किया था। उन्होंने मुझसे कहा कि हम कल ही फिल्म शुरू कर सकते हैं, और आप मुझे जो भी रकम देना चाहें दे सकते हैं, लेकिन इस फिल्म की हीरोइन करीना कपूर होंगी। यह उस समय की सबसे महंगी फिल्मों में से एक थी। इसे 22 करोड़ रुपये में बनाया गया था। यह मेरे करियर में पहली बार था जब किसी एक्टर ने किसी खास कास्ट की मांग की थी।'पहलाज निहलानी ने एक्टर्स की बढ़ते entourage और उसके खर्च पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आज का वर्क कल्चर बेवजह की मांगों और वैनिटी से भर गया है। वह बोले, 'जहां एक व्यक्ति काम करता था, वहां अब 10 लोग काम कर रहे हैं। पहले एक वैनिटी वैन होती थी, लेकिन अब एक्टर छह वैनिटी वैन की मांग करते हैं- एक एक्सरसाइज़ के लिए, एक किचन के लिए, एक मीटिंग के लिए। शर्म आनी चाहिए उन एक्टर्स को 6 वैनिटी वैन मांगते हैं।'पहलाज आगे बोले, 'पहले सिर्फ मेकअप मैन एक्टर्स के साथ जाता था। अब वो अलग से हेयर ड्रेसर और सिर्फ शीशा दिखाने के लिए एक व्यक्ति की मांग करते हैं। वो बिना किसी काम के 1.5 लाख रुपये का बिल थमा देते हैं। पहले वे घर का बना खाना लाते थे, लेकिन अब उन्हें डाइट फूड चाहिए। उन्हें रात में ड्रग्स चाहिए और सुबह डाइट फूड।'

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।